

दिनांक : 15/06/2022 अमर उजाला

## रमाबाई में स्नातक में प्रवेश शुरू

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में स्नातक कक्षाओं में प्रवेश शुरू हो गया है। प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने बताया कि शिक्षा सत्र 2022-23 के लिए बीए, बीएससी, बीकॉम एवं एमए प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र का वितरण प्रारंभ हो गया है। छात्राएं किसी भी कार्य दिवस में महाविद्यालय के कार्यालय से पूर्वाह्न 11 बजे से शाम तीन बजे के बीच प्रवेश आवेदन पत्र प्राप्त कर सकती हैं।

दिनांक : 19/06/2022 हिन्दुस्तान

## आजादी में महिलाओं की भूमिका अहम: प्रो. शेफाली

### वीरांगना दिवस

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में मिशन शक्ति के फेज-4 के तहत वीरांगना दिवस मना। शनिवार को भारतीय वीरांगनाओं उनका इतिहास विषय पर वेबीनार का आयोजन हुआ। प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता में हुए वेबीनार का संचालन मिशन शक्ति की समन्वयक डॉ. सुधा ने किया।

प्राचार्य ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में पुरुषों की भांति अनेक महिलाओं ने अपनी साहसिक भागीदारी, बलिदान, सहयोग और प्रेरणा

देकर भूमिका निभाई है। ऐसी कई महिला स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने सच्ची भावना और जबरदस्त साहस के साथ भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़वाई लड़ी। मुख्य वक्ता इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार वर्मा ने 1857 के विद्रोह के महत्व को रेखांकित करते हुए उसकी अस्मिता और प्रासंगिकता को स्पष्ट करते हुए महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कहा कि महिलाओं के अदम्य साहस व वीरता को भारत के साथ-साथ ब्रिटिश राज ने भी देखा था। जिसमें इंग्लैंड की रानी लक्ष्मीबाई जो अपने पीठ पर बच्चे को बांधकर अंग्रेजों से लोहा लेती रहीं वो प्रमुख हैं।

# परिवार के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका- प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह

स्वतन्त्र प्रभात

**अम्बेडकर नगर-गन्धर्वी राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अम्बेडकरपुर में मिशन शक्ति के अंतर्गत उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका विषय पर वेबीनार का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता में किया गया।** प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अध्यक्षता उद्घोषण में कहा कि परिवार के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चे में विश्वास और अधिभार का नीजरोपण माँ को मोद से ही प्रारंभ हो जाता है। किसी भी स्वस्थ समाज के निर्माण में नारी की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती है। स्त्री में कोमलता, सौंदर्य प्रियता, संवेदन, करुणा, स्नेह, माधुर्य, मनाज जैसे तत्व विद्यमान होते हैं इन्हीं तत्वों के कारण स्त्री परिवार के सदस्यों के अधिक सन्निकट रहती है और उन्हें प्रभावित और प्रेरित करती है। उन्हें रचनात्मक बनाती है। उनमें कोमलता व कठोरता का समतुल्य बैलती है, उन्हें कियामती बनाने के साथ- साथ उनमें सौंदर्य-बोध का भाव जन्म कराती है। मुख्य कला सौत पांडेज जर्मिस्टेट प्रोफेसर समाजशास्त्र ने कार्यक्रम को आगे

बढ़ाते हुए कहा कि परिवार के दो आधार स्तंभ होते हैं, स्त्री और पुरुष और उन्हीं के संयुक्त प्रयास से परिवार का निर्माण होता है। एकाकी पुरुष या स्त्री परिवार का निर्माण नहीं कर सकते परंतु जब परिवार में मुख्य भूमिका की बात आती है तब स्त्री पर ध्यान अधिक केंद्रित होता है। स्त्री, विवाह के उत्तरांत परिवार में नए सदस्यों को जन्म देकर परिवार को विस्तार देती है। उनका पालन-पोषण करती है क्योंकि गृह लक्ष्मी के रूप में जब वह रसोई को संभालती है। तथा साथ ही स्त्री के पोषण और स्वास्थ्य का ख्याल रखती है। परिवार को सुसंयुक्त, परिपूर्ण, परिष्कृत और समृद्ध बनाने का उत्तरदायित्व स्त्री ही निभा रही है क्योंकि उन्हीं भावनात्मक संचयना इस कार्य के लिए सर्वाधिक उत्पुक्त है। परिवार में बच्चा माँ के ही सर्वाधिक सन्निकट होता है। समाजीकरण के माध्यम से उन्नत चरित्र और चित्त का निर्माण स्त्री के द्वारा ही संभव होता है क्योंकि विम कोमलता, मधुरता और भावनात्मक हस्ताव के साथ वह इसका निर्माण करती है, वह अत्यंत दुर्लभ है। नार्मान पेंडिकताकादी युग में नारी जब घर और दाम्पत्य दोनों संभाल रही है, ऐसे में वह पम्बिका-इंट से नजदत हो

अपने बच्चे के पालन पोषण व स्वस्थ समाजीकरण के लिए अधिक सजज, सतर्क व जागरूक है। परिवार की आंतरिक सजज-सज्जा से लेकर परिवार में सुख शांति और सौमनस्य के वातावरण तक के निर्माण का उत्तरदायित्व स्त्री ही निभा रही है। आज के तीव्र गति से परिवर्तित होते समाज में जहाँ तन्म नकारात्मक प्रवृत्तियाँ तेजी से उभर रही हैं, उन्हें कमजोर करने में नारी शक्ति ही प्रथम है। समाज व राष्ट्र नारी से यही अपेक्षा करता है कि वह परिवार के सदस्यों में वैदिकता का विकास करे। उनमें सद्गुणत्व व सद्गुणत्व का निर्माण करे। उनमें सखानुभूति की जगह समानुभूति, करुणा व संवेदनशीलता का विकास करने के साथ- साथ स्त्री के प्रति सम्मान की भावना का विकास करे। यदि परिवार के सदस्यों की आदत व आचरण में इन तत्वों का समावेश होता है तो सामाजिक विपत्तय व विघटन की समस्या कम होगी। इस तरह गृह स्वामिनी और गृह लक्ष्मी के रूप में स्त्री परिवार का हृदय और प्राणवायु है। इस अवसर पर मिशन शक्ति की संयोजिका डॉ. सुष ने कहा कि परिवार में नारी की भूमिका अंगीनी होती है और वह अपनी इस भूमिका को



बखूबी निभाती भी है। नारी अपने प्रत्येक भूमिका में परिवार के वातावरण को सुसुधनुष बनाती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सगीता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शस्त्र डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. अरुण कान्त पौड्या, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. यमेश चरण, मुँया संजय भारती, डॉ. मनोज गुप्त, डॉ. महेंद्र वादव, डॉ. अतुल कर्नोनिवा, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. पूनम, धनु प्रताप राय, डॉ. सुदीप, सतीश उपाध्याय, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अमर्षा नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

शिवश्री देविका

## आदित्य टाइम्स

# उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्तिकी भूमिका विषय पर वेबीनार का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अम्बेडकरपुर, अम्बेडकरनगर में मिशन शक्ति के अंतर्गत उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका विषय पर वेबीनार का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता में किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि परिवार के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चे में विश्वास और अधिभार का बैलतारोपण माँ की मोद से ही प्रारंभ हो जाता है। किसी भी स्वस्थ समाज के निर्माण में नारी की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती है। स्त्री में कोमलता, सौंदर्य प्रियता, संवेदना, करुणा, स्नेह, माधुर्य, मनाज जैसे तत्व विद्यमान होते हैं इन्हीं तत्वों के कारण स्त्री परिवार के सदस्यों के अधिक सन्निकट रहती है और उन्हें प्रभावित और प्रेरित करती है। उन्हें रचनात्मक बनाती है, उनमें कोमलता व कठोरता का समतुल्य बैलती है, उन्हें कियामती बनाने के साथ- साथ उनमें सौंदर्य-बोध का भाव जन्म कराती है। मुख्य कला सौत पांडेज जर्मिस्टेट प्रोफेसर समाजशास्त्र ने कार्यक्रम को आगे

बढ़ाते हुए कहा कि परिवार के दो आधार स्तंभ होते हैं, स्त्री और पुरुष और उन्हीं के संयुक्त प्रयास से परिवार का निर्माण होता है। एकाकी पुरुष या स्त्री परिवार का निर्माण नहीं कर सकते परंतु जब परिवार में मुख्य भूमिका स्त्री बहा जाती है तब स्त्री पर ध्यान अधिक केंद्रित होता है। स्त्री, विवाह के उत्तरांत परिवार में नए सदस्यों को जन्म देकर परिवार को विस्तार देती

है। क्योंकि गृह लक्ष्मी के रूप में जब वह रसोई को संभालती है तथा साथ ही सभी को पोषण और स्वास्थ्य का ख्याल रखती है। परिवार को सुसंयुक्त, परिष्कृत और समृद्ध बनाने का उत्तरदायित्व

स्त्री ही निभा रही है क्योंकि उन्हीं भावनात्मक संचयना इस कार्य के लिए सर्वाधिक उत्पुक्त है। परिवार में बच्चा माँ के ही सर्वाधिक सन्निकट होता है। समाजीकरण के माध्यम से उन्नत चरित्र और चित्त का निर्माण स्त्री के द्वारा ही संभव होता है क्योंकि विम कोमलता, मधुरता और भावनात्मक हस्ताव के साथ वह इसका निर्माण करती है, वह अत्यंत दुर्लभ है। नार्मान पेंडिकताकादी युग में नारी जब घर और दाम्पत्य दोनों संभाल रही है, ऐसे में वह पम्बिका-इंट से नजदत हो

अपने बच्चे के पालन पोषण व स्वस्थ समाजीकरण के लिए अधिक सजज, सतर्क व जागरूक है। परिवार की आंतरिक सजज-सज्जा से लेकर परिवार में सुख शांति और सौमनस्य के वातावरण तक के निर्माण का उत्तरदायित्व स्त्री ही निभा रही है। आज के तीव्र गति से परिवर्तित होते समाज में जहाँ तन्म नकारात्मक प्रवृत्तियाँ तेजी से उभर रही हैं, उन्हें कमजोर करने में नारी शक्ति ही प्रथम है। समाज व राष्ट्र नारी से यही अपेक्षा करता है कि वह परिवार के सदस्यों में वैदिकता का विकास करे। उनमें सद्गुणत्व व सद्गुणत्व का निर्माण करे। उनमें सखानुभूति की जगह समानुभूति, करुणा व संवेदनशीलता का विकास करने के साथ- साथ स्त्री के प्रति सम्मान की भावना का विकास करे। यदि परिवार के सदस्यों की आदत व आचरण में इन तत्वों का समावेश होता है तो सामाजिक विपत्तय व विघटन की समस्या कम होगी। इस तरह गृह स्वामिनी और गृह लक्ष्मी के रूप में स्त्री परिवार का हृदय और प्राणवायु है। इस अवसर पर मिशन शक्ति की संयोजिका डॉ. सुष ने कहा कि परिवार में नारी की भूमिका अंगीनी होती है और वह अपनी इस भूमिका को बखूबी निभाती भी है। नारी अपने प्रत्येक भूमिका में परिवार के वातावरण को सुसुधनुष बनाती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सगीता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शस्त्र डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. अरुण कान्त पौड्या, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. यमेश चरण, मुँया संजय भारती, डॉ. मनोज गुप्त, डॉ. महेंद्र वादव, डॉ. अतुल कर्नोनिवा, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. पूनम, धनु प्रताप राय, डॉ. सुदीप, सतीश उपाध्याय, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अमर्षा नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।



# परिवार निर्माण में नारी का महत्वपूर्ण योगदान: शेफाली सिंह

लोक भारती न्यूज व्यूरो

अम्बेडकरनगर। बुधवार को प्राचार्य शेफाली सिंह रमाबाई एमकेए महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर की अध्यक्षता में मिशन शांति के अंतर्गत उच्च परिवार के रूजन में नारी शक्ति की भूमिका विषय पर वेंबीनार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कार्यक्रम के दौरान वहाँ उपस्थित लोगों के संबोधित करते हुए बताया कि परिवार के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चे में विश्वास और अविश्वास का जोड़ोपण मां की गोद से ही प्रारंभ हो जाता है। किसी भी स्वस्थ समाज के निर्माण में नारी की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती है।

स्त्री में क्रोमलता, सौंदर्यप्रियता, संवेदन, करुणा, स्नेह, माधुर्य, भयंता जैसे लक्ष्य विद्यमान होते हैं, इन्हीं तत्वों के कारण स्त्री परिवार के सदस्यों के अधिक सन्निकट रहती है और उन्हें प्रभावित और प्रेरित करती है। उन्हें रचनाधर्मी बनाती है, उनमें क्रोमलता व कठोरता का सामंजस्य बैठती है, उन्हें क्रियाशील बनाने के साथ-साथ उनमें सौंदर्य-बोध का भाव जागृत करती है। मुख्य बका सीता पांडेय



अस्सिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि परिवार के दो आधार स्तंभ स्त्री हैं, स्त्री और पुरुष और उनमें के संयुक्त प्रयास से परिवार का निर्माण होता है। एकलको पुरुष या स्त्री परिवार का निर्माण नहीं कर सकते परंतु जब परिवार में मुख्य भूमिका की बात आती है तब स्त्री पर ध्यान अधिक केंद्रित होता है।

स्त्री, विवाह के उपरांत परिवार में नए सदस्यों को जन्म देकर परिवार को विस्तार देती है। उनका पालन-पोषण करती है क्योंकि गृह लक्ष्मी के रूप में जब वह सौंदर्य को संभालती है तथा साथ ही सभी के पोषण और स्वास्थ्य का ख्याल रखती है। परिवार को सुर्यस्कृत, परिमार्जित, परिष्कृत और

समृद्ध बनाने का उत्तरदायित्व स्त्री ही निभा रही है क्योंकि उसकी भावनात्मक संरचना इस कार्य के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। परिवार में बच्चा मां के ही सर्वाधिक सन्निकट होता है। समाजीकरण के माध्यम से उच्च चरित्र और चित्त का निर्माण स्त्री के द्वारा ही संभव होता है क्योंकि जिस कोमलता, मधुरता और भावनात्मक लगाव के साथ वह इसका निर्माण करती है, वह अन्यत्र दुर्लभ है। वर्तमान भीतिकतावादी युग में नारी जल घर और दफ्तर दोनों संभाल रही है, ऐसे में वह भूमिका-द्वंद से गुजरते हुए भी अपने बच्चों के पालन पोषण व स्वस्थ समाजीकरण के लिए अधिक सजग, सतर्क व जागरूक है। परिवार की आंतरिक सान-सज्जा से लेकर परिवार में सुख शान्ति और सौमनस्य के प्राप्तावरण तक के निर्माण का उत्तरदायित्व स्त्री ही निभा रही है। आज के तीव्र गति से परिवर्तित होते समाज में जहाँ तमाम नकारात्मक प्रवृत्तियाँ तेजी से उभर रही हैं, उन्हें कपजोर करने में नारी शक्ति ही सक्षम है। समाज व राष्ट्र नारी से यही अपेक्षा करता है कि वह परिवार के सदस्यों में नैतिकता का विकास करें। उनमें सद्भावना व सदाचरण का निर्माण

करें। उनमें सहानुभूति की जगह समानुभूति, करुणा व संवेदनशीलता का विकास करने के साथ-साथ स्त्री के प्रति सम्मान की भावना का विकास करें। यदि परिवार के सदस्यों को आदर व आचरण में इन तत्वों का समावेश होता है तो सामाजिक विचलन व विघटन की समस्या कम होगी। इस तरह गृह स्वामिनी और गृह लक्ष्मी के रूप में स्त्री परिवार का हृदय और प्राणवायु है। इस अवसर पर मिशन शांति की संयोजिका डॉ. सुधा ने कहा कि परिवार में नारी की भूमिका दोगुनी होती है और वह अपनी इस भूमिका को बखूबी निभाती भी है। नारी अपने प्रत्येक भूमिका में परिवार के वातावरण को खुशनुमा बनाती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्त्रा डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. अरुण कांत गौतम, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. राजेश सादव, कुंवर संजय भारती, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. महेंद्र सादव, डॉ. अतुल कर्निकिया, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. पूनम, भानु प्रताप राय, डॉ. भुवनीता, सतीश उपाध्याय, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अक्षय नंदनी व महाविद्यालय की संचालिका उपस्थित थीं।

## मिशन शक्ति के अंतर्गत उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका

आनन्दी मेल संवाददाता

अम्बेडकर नगर । रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में मिशन शक्ति के अंतर्गत पञ्जत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका विषय पर वेबीनार का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह की अध्यक्षता में किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह ने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि परिवार के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बच्चे में विश्वास और अविश्वास का बीजारोपण मां की गोद से ही प्रारंभ हो जाता है। किसी भी स्वस्थ समाज के निर्माण में नारी की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होती है। स्त्री में कोमलता, सौंदर्यप्रियता, संवेदना, करुणा, स्नेह,

माधुर्य, ममता जैसे तत्व विद्यमान होते हैं इन्हीं तत्वों के कारण स्त्री परिवार के सदस्यों के अधिक सन्निकट रहती है और उन्हें प्रभावित और प्रेरित करती है। उन्हें रचनाधर्मी बनाती है, उनमें कोमलता व कठोरता का सामंजस्य बैठती है, उन्हें क्रियाशील बनाने के साथ-साथ उनमें सौंदर्य-बोध का भाव जागृत करती है। मुख्य वक्ता सीता पांडेय असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि परिवार के दो आधार स्तंभ होते हैं, स्त्री और पुरुष और उन्हीं के संयुक्त प्रयास से परिवार का निर्माण होता है। एकाकी पुरुष या स्त्री परिवार का निर्माण नहीं कर सकते परंतु जब परिवार में मुख्य भूमिका की बात आती है तब स्त्री पर ध्यान अधिक केंद्रित होता है।

दिनांक : 13/08/2022 हिन्दुस्तान पेज-4

## रमाबाई कॉलेज में प्रदर्शनी, तिरंगे के सफर पर संगोष्ठी

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। स्वतंत्रता सप्ताह के रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर 'तिरंगे के सफर' पर आधारित प्रदर्शनी लगी। सप्ताह के पहले दिन प्रदर्शनी के साथ संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह की अध्यक्षता में हुई। राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर चंद्रभान ने तिरंगे के सफर पर संकलित डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया।

प्राचार्य ने कहा कि तिरंगे में सबसे ऊपर गहरा केसरिया, बीच में सफेद और सबसे नीचे गहरा हरा रंग बराबर अनुपात में है। तिरंगे की चौड़ाई और

लम्बाई का अनुपात दो गुणे तीन है। प्राचार्य ने कहा कि 22 जुलाई 1947 को भारत के संविधान की ओर से अपनाए गए तिरंगे में केसरिया रंग वैराग्य का, श्वेत रंग प्रकाश और शांति का और हरा रंग प्रकृति से संबंध और संपन्नता का प्रतीक है। इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार वर्मा ने भारतीय तिरंगे के इतिहास पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ अरविंद कुमार वर्मा, डॉ राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, डॉ मनोज गुप्ता, डॉ सीमा यादव मौजूद रहे।

# रमाबाई राजकीय महिला पी.जी.कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रम

आनंदी मेल संवाददाता

अम्बेडकरनगर । आजादी के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर के सुरम्य प्रांगण में आज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय की रचना धर्मी प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह के संरक्षकत्व में राष्ट्रभक्ति परक नाटक, राष्ट्रीय गीत, झंडा गान, सारे जहां सारे जहां से अच्छा आदि कार्यक्रमों का रिहर्सल किया गया। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर छात्राओं ने 75 की आकृति के तिरंगे का जीवंत प्रदर्शन किया। तिरंगे के इतिहास पर निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा राष्ट्रध्वज पर



नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। निर्धारित कार्यक्रमों में प्रयोगशालाओं के नामकरण के अंतर्गत रसायन विज्ञान प्रयोगशाला को झलकारी बाई, गृह विज्ञान लैब को

अवंती बाई, भौतिक विज्ञान को भगत सिंह वनस्पति विज्ञान लैब को सुभाष चंद्र बोस, जंतु विज्ञान लाइफ को बेनी माधव सिंह, कंप्यूटर लैब को चंद्रशेखर आजाद नाम दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की अतिथि प्राचार्य ने उदा देवी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने अपना योगदान प्रदान किया। छात्राओं ने आजादी के 75वें महोत्सव को सफल बनाने के लिए अपनी संपूर्ण ऊर्जा का परिचय दिया। छात्राओं की एक टीम 15 अगस्त 2022 को जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर कलेक्ट्रेट में सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रस्तुति देंगी। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार सोल्लास उपस्थित रहा।

## सेनानियों के नाम पर किया प्रयोगशालाओं का नामकरण

**स्वतंत्रता सप्ताह**

- स्कूल-कालेजों में तीसरे दिन भी रही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम
- महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जायेगा

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। देश को स्वतंत्र हुए 75 साल होने वाले हैं। इसके उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। महोत्सव के तहत 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जा रहा है और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। सप्ताह के तीसरे दिन भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही।

शनिवार को रमाबाई राजकीय महिला पीजी कॉलेज अकबरपुर में प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह के संरक्षण में राष्ट्रभक्ति परक नाटक, राष्ट्रीय गीत, झंडा गान, सारे जहां सारे जहां से अच्छा जैसे कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर छात्राओं ने 75 तिरंगे की आकृति के तिरंगे का जीवंत प्रदर्शन किया। तिरंगे



शनिवार को नगर के तहसील तिरंगे पर तिरंगा वाज निकालते सैनिक स्कूल के बच्चों के इतिहास पर निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा राष्ट्रध्वज पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रयोगशालाओं के नामकरण के तहत रसायन विज्ञान प्रयोगशाला को झलकारी

बाई, गृह विज्ञान लैब को अवंती बाई, भौतिक विज्ञान को भगत सिंह, वनस्पति विज्ञान लैब को सुभाष चंद्र बोस, जंतु विज्ञान लैब को बेनी माधव सिंह, कंप्यूटर लैब को चंद्रशेखर आजाद नाम

दिया गया। प्राचार्य ने उदा देवी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। छात्राओं की एक टीम 15 अगस्त 2022 को डीएम के निर्देश पर कलेक्ट्रेट में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुति करेगी।

## आजादी के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद अम्बेडकर नगर। आजादी के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर के सुरम्य प्रांगण में आज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय की रचना धर्मी प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह के संरक्षकत्व में राष्ट्रभक्ति परक नाटक, राष्ट्रीय गीत, झंडा गान, सारे जहां सारे जहां से अच्छा आदि कार्यक्रमों का रिहर्सल किया गया। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर छात्राओं ने 75 की आकृति के तिरंगे का जीवंत प्रदर्शन किया। तिरंगे के इतिहास पर निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा राष्ट्रध्वज पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। निर्धारित कार्यक्रमों में प्रयोगशालाओं के नामकरण के अंतर्गत रसायन विज्ञान प्रयोगशाला को झलकारी बाई, गृह विज्ञान लैब को अवंती बाई, भौतिक विज्ञान को भगत

सिंह वनस्पति विज्ञान लैब को सुभाष चंद्र बोस, जंतु विज्ञान लाइफ को बेनी माधव सिंह, कंप्यूटर लैब को चंद्रशेखर आजाद नाम दिया गया। इस

छात्राओं ने आजादी के 75वें महोत्सव को सफल बनाने के लिए अपनी संपूर्ण ऊर्जा का परिचय दिया। छात्राओं की एक टीम 15 अगस्त 2022 को



अवसर पर महाविद्यालय की अतिथि प्राचार्य ने उदा देवी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने अपना योगदान प्रदान किया।

जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर कलेक्ट्रेट में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगी। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार सोत्साह उपस्थित रहा।

# आधार को मतदाता सूची से लिंक कराएं

## अधिकारियों ने बीएलओ को दिए निर्देश, 2075 बूथों पर चला अभियान

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबेडकरनगर। निर्वाचक नमावली से आधार कार्ड को जोड़ने के लिए सोमवार को जिले में वृहद अभियान चला। सभी 2075 बूथों पर बीएलओ ने मौजूद होकर जरूरी प्रक्रिया में योगदान दिया। अधिकारियों ने कई बूथों का दौरा कर निर्देश दिए। कहा कि 18 लाख से अधिक मतदाताओं का आधार मतदाता सूची से लिंक करना है। ऐसे में जरूरी है कि बीएलओ इस काम को गंभीरता से करें। बूथों पर शिबिर लगाने के साथ ही घर-घर जाकर अभियान को सफल बनाएं।

जिला निर्वाचन कार्यालय में एडीएम अशोक कुमार कर्नौजिया ने विभिन्न क्षेत्रों से आए बीएलओ को जरूरी निर्देश दिए। कहा कि अपने बूथों पर मौजूद होकर मतदाता सूची से आधार लिंक करने का काम प्राथमिकता से करें। इसके अलावा घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से संपर्क करें और उन्हें अपना



अंबेडकरनगर जिला निर्वाचन कार्यालय में जरूरी जानकारी देते एडीएम अशोक कर्नौजिया।

आधार मतदाता सूची से लिंक कराने के लिए प्रेरित करें। निर्वाचन विभाग मतदाताओं को ऑनलाइन भी यह सुविधा प्रदान कर रहा है। ऐसे में मतदाताओं को ऑनलाइन लिंक करने की जानकारी भी दें।

जलालपुर के जनता इंटर कालेज में एसडीएम हरिशंकर लाल ने शिबिर का शुभारंभ

किया। बीएलओ को पारदर्शिल व तयसता के साथ आधार को मतदाता सूची से लिंक करने का निर्देश दिया। भीटी के अजय प्रताप इंटर कालेज में आयोजित शिबिर का शुभारंभ एसडीएम सुनील कुमार ने किया। कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के सभी 232 बूथों पर इस कार्य को तेजी से कराने का निर्देश दिया।

**अभियान** | अभियान का शुभारम्भ रफाबाई राजसोव मीलन कार्यालय में एडीएम अशोक कर्नौजिया ने किया. अभियान अगामी एक अंतिम तक चलेगा

# आधार से मतदाता पहचान पत्र लिंक करने का अभियान शुरू

**शुभारंभ**

अंबेडकरनगर, कानपुर। मतदाता पहचान पत्रों के लिंक का एक बड़ा अभियान शुरू हो चुका है। इस अभियान में बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने बूथों पर मौजूद होकर मतदाता सूची से आधार लिंक करने का काम प्राथमिकता से करें। इसके अलावा घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से संपर्क करें और उन्हें अपना आधार कार्ड को मतदाता सूची से लिंक करने के लिए प्रेरित करें। निर्वाचन विभाग मतदाताओं को ऑनलाइन भी यह सुविधा प्रदान कर रहा है। ऐसे में मतदाताओं को ऑनलाइन लिंक करने की जानकारी भी दें।

**461 बूथों पर एक साथ अभियान शुरू**

जलालपुर। एडीएम अशोक कुमार कर्नौजिया ने जिले में बीएलओ को निर्देश दिए कि वे अपने बूथों पर मौजूद होकर मतदाता सूची से आधार लिंक करने का काम प्राथमिकता से करें। इसके अलावा घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता से संपर्क करें और उन्हें अपना आधार कार्ड को मतदाता सूची से लिंक करने के लिए प्रेरित करें। निर्वाचन विभाग मतदाताओं को ऑनलाइन भी यह सुविधा प्रदान कर रहा है। ऐसे में मतदाताओं को ऑनलाइन लिंक करने की जानकारी भी दें।

कटेहरी। एसडीएम सुनील कुमार ने कटेहरी विधानसभा क्षेत्र के सभी 232 बूथों पर इस कार्य को तेजी से कराने का निर्देश दिया।

## आजादी के 75वीं वर्ष गांठ पर महापर्व को मनाने के लिए महाविद्यालय में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर के सुरम्य प्रांगण में आज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय की रचना धर्मा प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह के संरक्षकत्व में राष्ट्रभक्ति परक नाटक, राष्ट्रीय गीत, झंडा गान, सारे जहां सारे जहां से अच्छा आदि कार्यक्रमों का रिहर्सल किया गया। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर छात्राओं ने 75 की आकृति के तिरंगे का जीवंत प्रदर्शन किया। तिरंगे के इतिहास पर निर्बंध लेखन प्रतियोगिता तथा राष्ट्रीय ध्वज पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। निर्धारित कार्यक्रमों में प्रयोगशालाओं के नामकरण के



अंतर्गत रसायन विज्ञान प्रयोगशाला को झलकारी बाई, गृह विज्ञान लैब को अवंती बाई, भौतिक विज्ञान को भगत सिंह चनस्पति विज्ञान लैब को सुभाष चंद्र बोस, जंतु विज्ञान लाइफ को बेनी माधव सिंह, कंप्यूटर लैब को चंद्रशेखर आजाद नाम दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की अतिथि प्राचार्य ने उदा देवी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने अपना योगदान प्रदान किया। छात्राओं ने आजादी के 75वें महोत्सव को सफल बनाने के लिए अपनी संपूर्ण ऊर्जा का परिचय दिया। छात्राओं की एक टीम 15 अगस्त 2022 को जिलाधिकारी के निर्देश पर कलेक्ट्रेट में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देगी। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार सोझस उपस्थित रहा।

दिनांक : 14/08/2022 विश्ववार्ता संवाददाता

## रमाबाई राजकीय महिला पीजी कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के पावन अवसर पर रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर के सुरम्य प्रांगण में आज विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महाविद्यालय की रचना धर्मा प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह के संरक्षकत्व में राष्ट्रभक्ति परक नाटक, राष्ट्रीय गीत, झंडा गान, सारे जहां सारे जहां से अच्छा आदि कार्यक्रमों का रिहर्सल किया गया। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर छात्राओं ने 75 की आकृति के तिरंगे का जीवंत प्रदर्शन किया। तिरंगे के इतिहास पर निर्बंध लेखन प्रतियोगिता तथा राष्ट्रीय ध्वज पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। निर्धारित कार्यक्रमों में प्रयोगशालाओं के नामकरण के



अंतर्गत रसायन विज्ञान प्रयोगशाला को झलकारी बाई, गृह विज्ञान लैब को अवंती बाई, भौतिक विज्ञान को भगत सिंह चनस्पति विज्ञान लैब को सुभाष चंद्र बोस, जंतु विज्ञान लाइफ को बेनी माधव सिंह, कंप्यूटर लैब को चंद्रशेखर आजाद नाम दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की अतिथि प्राचार्य ने उदा देवी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने अपना

योगदान प्रदान किया। छात्राओं ने आजादी के 75 वें महोत्सव को सफल बनाने के लिए अपनी संपूर्ण ऊर्जा का परिचय दिया। छात्राओं की एक टीम 15 अगस्त 2022 को जिलाधिकारी के निर्देश पर कलेक्ट्रेट में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देगी। इस अवसर पर समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।





# अम्बेडकर नगर: राष्ट्रीय खेल दिवस पर पूरे जनपद में हुई प्रतियोगिताएं

## प्रशस्ति पत्र से नवाजे गए विजेता बैडमिंटन में छात्राओं ने दिखाए जौहर हाकी में स्टेडियम-बॉ ने मारी बाजी



विजेताओं को नवाजे गए प्रशस्ति पत्र

अम्बेडकर नगर। पूरे जनपद में आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर भवनवर्दे के जन्म दिवस) के अवसर पर नगरपालिका स्तरीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी के साथ नवाजा गया।

नगर प्रमुख का. विजय शर्मा को प्रशस्ति पत्र देते हुए नवाजा गया। कार्यक्रम में उपस्थित थे।

अम्बेडकर नगर। राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर भवनवर्दे के जन्म दिवस) के अवसर पर नगरपालिका स्तरीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।



बैडमिंटन में छात्राओं ने दिखाए जौहर। प्रतियोगिताओं में भागी लेने वाली छात्राओं ने जौहर दिखाया।

हाकी में स्टेडियम-बॉ ने मारी बाजी। हाकी प्रतियोगिता में स्टेडियम-बॉ ने जीत दर्ज की।



हाकी प्रतियोगिता

हाकी प्रतियोगिता में स्टेडियम-बॉ ने जीत दर्ज की। प्रतियोगिता में स्टेडियम-बॉ ने जीत दर्ज की।

कर स्थान जकाया

राम सुधेश राम लालक प्रमुख सरन। टाइट, एम वा। फोटो बनारस पाठक, त्रिफला दल जाति, सहायक अश्व

## रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय जजमेंट अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर भवनवर्दे के जन्म दिवस) के अवसर पर रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय स्तरीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी के साथ नवाजा गया।



इसके उपरान्त छात्राओं ने मेजक स्वगत और प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा किया गया।

बनार रक्षिता है। प्रमुख अधिकारी श्रीमती अंशु सुमन, सचिव, विधायक के.एस. ज्ञानिकर, अम्बेडकरनगर ने अपने संबोधन में कहा कि खेल-कूद एक स्वास्थ्य का निर्वाह होता है।

चे महान है। जन-सम ने स्वाम्य अग्रगण्यवर्ती वसुधै के लिए जीवन में कोई भी काम करना कठिन नहीं होता इस प्रतियोगिता में कुल 20 टीम शामिल हैं। प्रतियोगिता में कुल 20 टीम शामिल हैं। प्रतियोगिता में कुल 20 टीम शामिल हैं।

कुल प्रतियों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। इनमें विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी के साथ नवाजा गया।



पुस्तक अध्यापक से कर न्याय करने का माग का है।

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में वैड मिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता, अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस) के अवसर पर रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर, अम्बेडकरनगर 20220 में वैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन सौल्लास किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह एवं मुख्य अतिथि अंशु शुक्ला, सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण अंबेडकरनगर के द्वारा मां सरस्वती व मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तदोपरान्त छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एकल पुष्प एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। इसके उपरान्त छात्राओं ने मोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा किया गया अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि खेलों से हमारा सर्वांगीण विकास होता है। खेल कूद मानव मन को प्रसन्न और उत्साहित बनाए रखते हैं। खेलों से नियम पालन के स्वभाव का विकास होता है और मन एकाग्र होता है। खेल में भाग लेने से खिलाड़ियों में सहिष्णुता, धैर्य और साहस का विकास होता है तथा सामूहिक सद्भाव और भाईचारे की भावना बढ़ती है।

# वैडमिंटन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

## निर्वाण टाइम्स ब्यूरो

### अम्बेडकरनगर (हरिमोहन दुबे)

। अम्बेडकरनगर जिले के अंतर्गत में वैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन सौल्लास किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह एवं मुख्य अतिथि अंशु शुक्ला, सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण, अंबेडकरनगर के द्वारा मां सरस्वती व मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तदोपरान्त छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की

। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एकल पुष्प एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। इसके उपरान्त छात्राओं ने मोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया है। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा किया गया अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य ने कहा कि खेलों से हमारा सर्वांगीण विकास होता है। खेल कूद मानव मन को प्रसन्न और उत्साहित बनाए रखते हैं। खेलों से नियम पालन के स्वभाव का विकास होता है और मन एकाग्र होता है। खेल में भाग लेने से खिलाड़ियों में सहिष्णुता, धैर्य

और साहस का विकास होता है तथा सामूहिक सद्भाव और भाईचारे की भावना बढ़ती है। मुख्य अतिथि अंशु शुक्ला, सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण, अंबेडकरनगर ने अपने संबोधन में कहा कि खेल-कूद द्वारा स्वास्थ्य का निर्माण होता है। खेलों में भाग लेने से तन मन की शक्ति के साथ-साथ हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ता है। तन-मन से स्वस्थ आत्मविश्वासी व्यक्ति के लिए जीवन में कोई भी काम करना कठिन नहीं होता। खेलकूद अप्रत्यक्ष रूप से आध्यात्मिक विकास में भी सहायक होते हैं।

दिनांक : 30/08/2022 अमर उजाला

सुझाह करते थे।

भूमि पर यह छोटल लम्बे समय से

## मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर महाविद्यालय में आयोजित की गई बैडमिंटन प्रतियोगिता

अभ्येदकरनगर। राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस) के अवसर पर रामबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अक्रूरपुर, अभ्येदकरनगर 30240 में बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन मोहम्मद खिख मया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोभाली सिंह एवं मुख्य अतिथि अशु शुक्ला, सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण, के द्वारा माँ सरस्वती व मेजर ध्यानचंद के चित्र पर मालापाई एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तदुपरांत छात्राओं ने माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एकल पुष्प एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। इसके उपरान्त छात्राओं ने मोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य द्वारा किया गया। अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में प्राचार्य

ने कहा कि खेलों से हमारा सर्वांगीण विकास होता है। खेल कूद मानव मन को प्रसन्न और उत्साहित बनाए रखते हैं। खेलों से नियम पालन के स्वभाव का विकास होता है और मन एकत्र होता है। खेल में भाग लेने से खिलाड़ियों में सहिष्णुता, धैर्य और साहस का विकास होता है तथा सामूहिक सद्भाव और भाईचारे की भावना बढ़ती है। मुख्य अतिथि अशु शुक्ला, सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण, ने अपने संबोधन में कहा कि खेल-कूद द्वारा स्वास्थ्य का निर्माण होता है। खेलों में भाग लेने से तन मन की शक्ति के साथ-साथ हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ता है। तन-मन से परस्य आत्मविश्वासी शक्ति के लिए जीवन में कोई भी काम करना कठिन नहीं होता। खेलकूद अप्रत्यक्ष रूप से आध्यात्मिक विकास में भी सहायक होते हैं। ये जीवन संघर्ष का मुहानला करने की शक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक : 30/08/2022 दैनिक जागरण

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन



अभ्येदकरनगर। सोमवार को राष्ट्रीय खेल दिवस (मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस) के अवसर पर रामबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अक्रूरपुर, अभ्येदकरनगर 30240 में बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोभाली सिंह एवं मुख्य अतिथि अशु शुक्ला, सचिव, विधिक सेवा प्राधिकरण, अभ्येदकरनगर के द्वारा माँ सरस्वती व मेजर ध्यानचंद के चित्र पर मालापाई एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तदुपरांत छात्राओं ने माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एकल पुष्प एवं बैज लगाकर स्वागत किया गया। इसके उपरान्त छात्राओं ने मोहक स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य महोदय ने महाविद्यालय के क्रीडा ध्वज का अरोहण कर किया। इस प्रतियोगिता में कुल 20 मैच खेले गये। एकल स्पर्ध में कुमारी अशिराज स्वसेन ने प्रथम स्थान कुमारी अशिराज सिंह ने द्वितीय स्थान कुमारी वशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निष्कर्ष में चंद्रभानु, डॉ० नंदन सिंह, डॉ० अशितोन्द प्रताप सिंह, डॉ० पूनम इन्वार्डि रहे। अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में प्राचार्य ने कहा कि खेलों से हमारा सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ० सोम खट्ट ने किया। उपरोक्त जानकरी कृष्ण कुम्हार विश्वकर्मा, अनिलदेव प्रोफेसर, नारीशिक्षा एवं क्रीडा प्रभाती ने दिया। राष्ट्रीय खेल दिवस के

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

# 14 वर्ष बालकों की हॉकी प्रतियोगिता में एकलव्य स्पोर्ट्स प्रोटेक्टिव टीम विजेता, हॉकी के जादूगर गेजर ध्यानचंद का जन्मदिन मना

## खेल प्रतियोगिताएं हुईं, खिलाड़ियों का सम्मान भी

**खेल दिवस**  
अभिलेखनात्मक, सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से बालकों में खेल-क्रीड़ा के प्रति रुचि बढ़ाने का उद्देश्य रखते हुए प्रोटेक्टिव टीम विजेता का सम्मान किया गया।



प्रोटेक्टिव टीम के खिलाड़ियों का सम्मान किया गया।

हॉकी के जादूगर गेजर ध्यानचंद का जन्मदिन मना गया।

**खेलों से सेवा है सार्वभौम विकास: प्रो. शोफली**  
प्रो. शोफली ने कहा कि खेलों से बालकों में एकलव्य स्पोर्ट्स प्रोटेक्टिव टीम विजेता का सम्मान किया गया।

**अस्मरण में हर्ष शर्मा का खेल दिवस**  
हर्ष शर्मा का खेल दिवस मना गया।

प्रो. शोफली ने कहा कि खेलों से बालकों में एकलव्य स्पोर्ट्स प्रोटेक्टिव टीम विजेता का सम्मान किया गया।

प्रो. शोफली ने कहा कि खेलों से बालकों में एकलव्य स्पोर्ट्स प्रोटेक्टिव टीम विजेता का सम्मान किया गया।

प्रो. शोफली ने कहा कि खेलों से बालकों में एकलव्य स्पोर्ट्स प्रोटेक्टिव टीम विजेता का सम्मान किया गया।

प्रो. शोफली ने कहा कि खेलों से बालकों में एकलव्य स्पोर्ट्स प्रोटेक्टिव टीम विजेता का सम्मान किया गया।

# जीवन जीने के लिए समुचित मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है, प्रो शेफाली सिंह

संवाददाता।

अम्बेडकरनगर (जनकपुर) मुख्यालय के प्रख्यात रोज रियल राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय जलकपुर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत आज प्राध्याप्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा स्वस्थता जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों विषय पर निक-



1-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय के समस्त छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षण प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वास्थ्य मन बसा करता है। जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है। किन्तु स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध मंदजल तथा संतुलित आहार की जरूरत होती है। खाद्य प्रसंस्करण एक प्रकार का विनिर्माण है जिसमें वैज्ञानिक ज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कच्चे फल को लक्ष्यपूर्ण खाद्य पदार्थों या खाद्य वस्तुओं में संसाधित किया जाता है। इसके अंतर्गत जल ही करार होने वाले और अखाद्य, खाद्य संसाधनों को विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके अधिक उपयोग्य, लंबे समय तक इस्तेमाल किये जा सकने वाले भोजन या पैक पदार्थों में परिवर्तित किया जाता है। यदि आप किसी विशिष्ट समस्या के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, तो आप आहार विशेषज्ञ-पोषण विशेषज्ञ से परामर्श ले सकते हैं। विभिन्न छात्राओं के नाम बाद में प्रेषित किए जाएंगे। इसी क्रम में दिनांक 2 सितंबर 2022 को पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों के बारे में शारीरिक महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य छात्रा डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. शशिंद परदेज, राजेश यादव, सुंदर संजय नारसी, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. सीमा यादव, डॉ. अतुल कर्नोजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, बा भानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, श्रीमती अरुंधति गंधी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।



# प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं है लेकिन उन्हें स्टोर करना है मुश्किल: प्रो. शेफाली सिंह

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अक्करपुर, अम्बेडकर नगर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत आज प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकाओं की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षण प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है। जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता



होती है। किन्तु स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध पेयजल तथा संतुलित आहार की जरूरत होती है। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं है, तथ्यों के अलावा उन्हें स्टोर करना मुश्किल है, एक निश्चित अवधि के

बाद खराब हो जाते हैं और पूरे साल उपलब्ध नहीं होते हैं। यदि आप किसी विशिष्ट समस्या के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, तो आप आहार विशेषज्ञ-पोषण विशेषज्ञ से परामर्श ले सकते हैं। विजेता

छात्राओं के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। इसी क्रम में दिनांक 2 सितंबर 2022 को पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों के बारे में ग्रामीण महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ अरविंद कुमार वर्मा, डा. शाहिद पखेज, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ सीमा यादव, डॉ अतुल कर्नीनिया, डॉ विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा भानु प्रताप राय, डॉ सुनीता, डॉ अनजित प्रताप सिंह, श्रीमती अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

# प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं है लेकिन उन्हें स्टोर करना है मुश्किल: प्रो. शेफाली सिंह

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अक्करपुर, अम्बेडकर नगर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत आज प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकाओं की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षण प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है। जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता



होती है। किन्तु स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध पेयजल तथा संतुलित आहार की जरूरत होती है। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं है, तथ्यों के अलावा उन्हें स्टोर करना मुश्किल है, एक निश्चित अवधि के

बाद खराब हो जाते हैं और पूरे साल उपलब्ध नहीं होते हैं। यदि आप किसी विशिष्ट समस्या के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, तो आप आहार विशेषज्ञ-पोषण विशेषज्ञ से परामर्श ले सकते हैं। विजेता

छात्राओं के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। इसी क्रम में दिनांक 2 सितंबर 2022 को पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों के बारे में ग्रामीण महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ अरविंद कुमार वर्मा, डा. शाहिद पखेज, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ सीमा यादव, डॉ अतुल कर्नीनिया, डॉ विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा भानु प्रताप राय, डॉ सुनीता, डॉ अनजित प्रताप सिंह, श्रीमती अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

## रमाबाई पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का शुभारंभ



अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत गुरुवार को प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकाओं की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विजेता छात्राओं के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे, इसी क्रम में दिनांक 2 सितंबर 2022 को पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों के बारे में ग्रामीण महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा।

दिनांक : 02/09/2022 लोक भारती

## स्वस्थ शरीर मे बसेगा स्वस्थ मन ,शरीर को समुचित भोजन की आवश्यकता: प्रो. शेफाली सिंह

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। गुरुवार को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ' विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकाओं की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षण प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है 100% जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है। किन्तु स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध पेयजल तथा संतुलित आहार की



जबरन होती है (प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं हैं, तथ्यों के अलावा उन्हें स्टीर करना मुश्किल है, एक निश्चित अवधि के बाद खराब हो जाते हैं और पूरे साल उपलब्ध नहीं होते हैं)। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्त्रा डॉ अरविंद कुमार वर्मा ,डा.शाहिद

परवेज, राजेश यादव ,कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ सीमा यादव ,डॉ.अतुल कर्नीजिया, डॉ विजय प्रकाश सिंह ,डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा भानु प्रताप राय, डॉ0मुनीता, डॉ अजीत प्रताप सिंह, अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।



## पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

अभिेडकर नगर-रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकाओं की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षण प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है। जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है। किन्तु स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध पेयजल तथा संतुलित आहार की जरूरत होती है। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं है, तब्यों के अलावा उन्हें स्टोर करना मुश्किल है। एक निश्चित अवधि के बाद खराब हो जाते हैं और पूरे



साल उपलब्ध नहीं होते हैं। यदि आप किसी विशिष्ट समस्या के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, तो आप आहार विशेषज्ञ-पोषण विशेषज्ञ से परामर्श ले सकते हैं। विजेता छात्राओं के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। इसी क्रम में आग पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों के बारे में ग्रामीण महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस अवसर पर

महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. शाहिद परवेज, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. सीमा यादव, डॉ. अनुरा कर्नौजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विद्यकर्मा, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता, डॉ. अनील प्रताप सिंह, अश्वपेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

दिनांक : 02/09/2022 अवध की जंग

### माह के पहले दिन राष्ट्रीय पोषक सप्ताह का आगाज

अवध की जंग अभिेडकरनगर। सितंबर का पहला सप्ताह पोषण सप्ताह और सितंबर का पूरा माह राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसे लेकर विभिन्न संस्थाओं द्वारा विविध आयोजन किए जा रहे हैं। इस कड़ी में जिले के रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत माह के पहले दिन प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ' विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकाओं की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षण प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है। उन्होंने कहा कि जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है। किन्तु स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध पेयजल तथा संतुलित आहार की जरूरत होती है। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं है, तब्यों के अलावा उन्हें स्टोर करना मुश्किल है, एक निश्चित अवधि के बाद खराब हो जाते हैं और पूरे साल उपलब्ध नहीं होते हैं। यदि आप किसी विशिष्ट समस्या के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, तो आप आहार विशेषज्ञ-पोषण विशेषज्ञ से परामर्श ले सकते हैं। विजेता छात्राओं के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। इसी क्रम में माह के दूसरे दिन पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों के बारे में ग्रामीण महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. शाहिद परवेज, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. सीमा यादव, डॉ. अनुरा कर्नौजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विद्यकर्मा, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता, डॉ. अनील प्रताप सिंह, श्रीमती अश्वपेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

## पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर, अम्बेडकर नगर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत आज

महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षण प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है। शरीर जीवन जीने के लिये समुचित

के बाद खराब हो जाते हैं और पूरे साल उपलब्ध नहीं होते हैं। यदि आप किसी विशिष्ट समस्या के बारे में चर्चा करना चाहते हैं, तो आप आहार विशेषज्ञ-पोषण विशेषज्ञ से परामर्श ले सकते हैं। विजेता छात्रों के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे। इसी क्रम में दिनांक 2 सितंबर 2022 को पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थों के बारे में ग्रामीण महिलाओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डा. शाहिद परवेज, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. सीमा यादव, डॉ. अतुल कर्नोजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा. भानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, श्रीमती अम्बेडकर नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।



प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर

मात्रा में शरीर को भोजन की आवश्यकता होती है। किन्तु स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध पेयजल तथा संतुलित आहार की जरूरत होती है। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई नुकसान नहीं हैं, तथ्यों के अलावा उन्हें स्टोर करना मुश्किल है, एक निश्चित अवधि

kashivarta.com  
काशीवार्ता, 2 सितंबर 2022

### स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का होता है वास-शेफाली सिंह

अम्बेडकरनगर (काशीवार्ता)। जिला मुख्यालय पर रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 के अंतर्गत आज प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'पोषण जागरूकता एवं संसाधित खाद्य पदार्थ विषय पर निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है। जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को

भोजन की आवश्यकता होती है। स्वस्थ जीवन जीने के लिये, शुद्ध पेयजल तथा संतुलित आहार की जरूरत होती है। प्राकृतिक खाद्य पदार्थों के कोई



प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं।

अयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त संकायों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसा करता है। जीवन जीने के लिये समुचित मात्रा में शरीर को

नुकसान नहीं है। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डा. शाहिद परवेज, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. सीमा यादव, डॉ. अतुल कर्नोजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

# संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

अम्बेडकर नगर। समाचार राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के द्वितीय दिवस महाविद्यालय की सरक्षिका प्रोफेसर शोफली सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में ग्राम मुल्तानपुर में संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर डॉ. पूनम संसाधित खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओं को विस्तारपूर्वक चर्चा और आहार में इन्हें न शामिल करने की सलाह दी। समीता द्वारा प्रोसेस फूड के स्थान पर घर में बने स्नैक्स बच्चों को देने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि प्रोसेस फूड से बच्चों में आलस्य



और मोटापा की वृद्धि होती है। गृह विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर की प्रिया द्वारा छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों जैसे सेरेलैक के स्थान पर घर में तैयार किए गए वीनिंग फूड देने की सलाह दी, जो बच्चों में स्वास्थ्य भोजन संबंधी आदतों के निर्माण में भी सहायक है। ग्रामीण महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह

पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं आकर्षक व्यंजनों के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने में प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अक्षयेश नंदी एवं पुरतन खन्ना भी उपस्थित रही।

## संसाधित खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओं को विस्तार पूर्वक दी गई जानकारी



स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकर नगर-समाचार राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के द्वितीय दिवस महाविद्यालय की सरक्षिका प्रोफेसर शोफली सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में ग्राम मुल्तानपुर में संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर डॉ. पूनम संसाधित खाद्य पदार्थों

से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओं को विस्तार पूर्वक चर्चा और आहार में इन्हें न शामिल करने की सलाह दी। समीता द्वारा प्रोसेस फूड के स्थान पर घर में बने स्नैक्स बच्चों को देने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि प्रोसेस फूड से बच्चों में आलस्य और मोटापा की वृद्धि होती है। गृह विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर की प्रिया द्वारा छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों जैसे सेरेलैक के स्थान पर घर में तैयार किए गए वीनिंग फूड

द देने की सलाह दी, जो बच्चों में स्वास्थ्य भोजन संबंधी आदतों के निर्माण में भी सहायक है। ग्रामीण महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं आकर्षक व्यंजनों के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने में प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अक्षयेश नंदी एवं पुरतन खन्ना भी उपस्थित रही।

## संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के द्वितीय दिवस महाविद्यालय की संरक्षिका प्रोफेसर शोफाली सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में ग्राम सुल्तानपुर में संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

इस अवसर पर डॉ. पूनम संसाधित खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओं को विस्तारपूर्वक बताया और आहार में इन्हें न शामिल करने की सलाह दी। संगीता द्वारा प्रोसेस खैक्स के स्थान पर घर में बने खैक्स बच्चों को देने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि प्रोसेस्ट फूड से बच्चों में आलस्य



और मोटापा की वृद्धि होती है। गृह विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर वी प्रिया द्वारा छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों जैसे सेरेलैक के स्थान पर घर में तैयार किए गए वीनिंग फूड देने की सलाह दी, जो बच्चों में स्वास्थ्य भोजन संबंधी आदतों के निर्माण में भी सहायक है। ग्रामीण महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह

पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पोषिक एवं आकर्षक व्यंजनों के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने में प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अक्वेश नंदनी एवं पुरातन छात्राएं भी उपस्थित रही।

दिनांक : 03/09/2022 आनन्दी मेल

## स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम संसाधित खाद्य पदार्थों का



आनन्दी मेल संवाददाता

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के द्वितीय दिवस महाविद्यालय की संरक्षिका प्रोफेसर शोफाली सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में ग्राम सुल्तानपुर में संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर डॉ. पूनम संसाधित खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओं को विस्तारपूर्वक बताया और आहार में इन्हें न शामिल करने की सलाह दी। संगीता द्वारा प्रोसेस खैक्स के स्थान पर घर में बने खैक्स बच्चों को देने की सलाह दी गई।

उन्होंने कहा कि प्रोसेस्ट फूड से बच्चों में आलस्य और मोटापा की वृद्धि होती है। गृह विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर वी प्रिया द्वारा छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों जैसे सेरेलैक के स्थान पर घर में तैयार किए गए वीनिंग फूड देने की सलाह दी, जो बच्चों में स्वास्थ्य भोजन संबंधी आदतों के निर्माण में भी सहायक है। ग्रामीण महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पोषिक एवं आकर्षक व्यंजनों के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने में प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अक्वेश नंदनी एवं पुरातन छात्राएं भी उपस्थित रही।

# बच्चों को घर में बने स्नैक्स देने की सलाह

आम्बेडकरनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तहत रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर की छात्राओं ने जागरूकता अभियान चलाया। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के दूसरे दिन शुक्रवार को महाविद्यालय की संरक्षिका प्रोफेसर शेफाली सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में अभियान सुल्तानपुर में चला। जिसमें संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की जानकारी दी गई।

जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. पूनम ने संसाधित खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया और आहार में इन्हें शामिल करने की सलाह दी। संगीता ने प्रोसेस स्नैक्स के स्थान पर घर में बने स्नैक्स बच्चों को देने की सलाह दी। कहा कि प्रोसेस फूड से बच्चों में आलस्य और मोटापा की वृद्धि होती है। गृह विज्ञान विषय की



ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करती रमाबाई की छात्राएँ।

असिस्टेंट प्रोफेसर वालेंटिना प्रिया ने छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों जैसे सेरेलैक के स्थान पर घर में तैयार किए गए चीनिंग फूड देने की सलाह दी, कहा कि ये बच्चों में स्वास्थ्य भोजन संबंधी आदतों के निर्माण में भी सहायक

है। छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के पीष्टिक एवं आकर्षक व्यंजनों के बारे में महिलाओं को जानकारी दी तथा इन्हें दैनिक आहार में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

दिनांक : 03/09/2022 अमृत विचार

## बच्चों को दें घर में बने स्नैक्स : संगीता

अमृत विचार, आम्बेडकरनगर

रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के दूसरे दिन महाविद्यालय की संरक्षिका डॉ. शेफाली सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में छात्र सुल्तानपुर में प्रसंगिक खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

इस अवसर पर डॉ. पूनम प्रसंगिक खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में उचित महिलाओं और छात्राओं को बताया और आहार में इन्हें शामिल करने की सलाह दी। संगीता ने प्रोसेस स्नैक्स के स्थान पर घर में बने स्नैक्स बच्चों को देने की सलाह



जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. पूनम और छात्राएँ।

अमृत विचार

दी। उन्होंने कहा कि प्रोसेस फूड से बच्चों में आलस्य और मोटापा की वृद्धि होती है। असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रिया द्वारा छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों जैसे सेरेलैक के स्थान पर घर में तैयार किए गए चीनिंग फूड देने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि यह बच्चों में स्वास्थ्य भोजन संबंधी आदतों के निर्माण में भी सहायक है। ग्रामीण

महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्ण भाग लिया। इस अवसर पर मार्गदर्शक डॉ. शेफाली ने विभिन्न प्रकार के पीष्टिक और आकर्षक व्यंजनों के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने में प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर अक्षय, पं. दी. समेत कई युवा छात्राएँ भी मौके पर उपस्थित रहीं।



## संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर चलाया गया जागरूकता कार्यक्रम

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान यूपी ब्यूरो अम्बेडकर नगर

रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के ५ दिवसीय कार्यक्रम में महाविद्यालय की संरक्षिका प्रोफेसर शेफाली सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में ग्राम सुल्तानपुर में 'संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर डॉ. पुनम संसाधित खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओं को विस्तारपूर्वक बताया और आहार में उन्हें न शामिल करने की सलाह दी। श्रीमती संगीता द्वारा प्रोसेस स्नैक्स के स्थान पर घर में बने स्नैक्स बच्चों को देने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि प्रोसेस्ट फूड से बच्चों में आलस्य और मोटापा की वृद्धि होती है। गृह विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती वी. प्रिया द्वारा छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य पदार्थों जैसे सेरेलैक के स्थान पर घर में तैयार किए गए वीनिंग फूड देने की सलाह दी, जो बच्चों में स्वास्थ्य भोजन संबंधी आदतों के निर्माण में भी सहायक है। ग्रामीण महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं आकर्षक व्यंजनों के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने में प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर श्रीमती अवधेश नंदनी एवं पुरातन छात्राएं भी उपस्थित रही।

## संसाधित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता कार्यक्रम

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकर नगर। रमाबाई  
राजकीय महिला महाविद्यालय  
अम्बेडकर नगर में  
आयोजित राष्ट्रीय वेश्म सप्ताह  
के तृतीय दिवस महाविद्यालय  
की सरसिका प्रोफेसर शेखाली  
सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में  
डॉ. सुल्तानपुर में प्रस्तावित  
खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर  
दुष्प्रभाव विषय पर जागरूकता  
कार्यक्रम चलाया गया। इस  
अवसर पर डॉ. पूनम संसाधित  
खाद्य पदार्थों से होने वाली  
बीमारियों को बारे में महिलाओं  
को विस्तारपूर्वक बताया और  
आहार में इन्हें न शामिल करने  
की सलाह दी। श्रीमती संगीता  
द्वारा प्रोटीस स्नैक्स को स्थान  
पर धर में बने स्नैक्स बच्चों  
को देने की सलाह दी गई।  
उन्होंने कहा कि प्रोसेस फूड  
में बच्चों में आलस्य और  
मोटापा की वृद्धि होती है।

गृह विज्ञान के असिस्टेंट  
प्रोफेसर श्रीमती वी प्रिया द्वारा  
छोटे बच्चों के डिब्बा बंद खाद्य  
पदार्थों जैसे सेरे लेटा को स्थान  
पर धर में तैयार किए गए  
डिनिंग फूड देने की सलाह

माग लिया। इस अवसर पर  
महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा  
विभिन्न प्रकार के शैथिल्य एप  
आधारित व्यंजनों को बारे में  
ग्रामीण महिलाओं को जानकारी  
दी गई तथा उनके दैनिक आहार



दी, जो बच्चों में स्वास्थ्य नोजन  
संबंधी आपत्तों के निर्माण में  
से सहप्रक है। ग्रामीण महिलाओं  
में जागरूकता के उल्लाह पूर्वक

में शामिल करने में प्रोत्साहित  
किया। इस अवसर पर श्रीमती  
अशोक मंदवी एवं सुरजन  
छात्राएँ भी उपस्थित रही।

## हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता आयोजित



विश्ववार्ता संवाददाता

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय  
महिला महाविद्यालय अम्बेडकरपुर  
अम्बेडकर में राष्ट्रीय वेश्म सप्ताह के  
तृतीय दिवस हेल्दी ब्रेकफास्ट  
प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।  
इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य  
शिक्षिका डॉ. अरविंद कुमारी यादव ने छात्रों  
को इसका की महत्व की एवं स्वस्थ  
खाद्य हेतु दिन की शुरुआत हेल्दी  
ब्रेकफास्ट से करने की लिए प्रेरित  
किया। महाविद्यालय प्रशासक डॉ. पूनम ने  
हेल्दी ब्रेकफास्ट के महत्व को बताते  
एवं ब्रेकफास्ट स्तिप न करने की

सलाह दी। संगीत में डण्ण केलेरी एवं  
उज्ज्वला श्रेणी सुधा ब्रेकफास्ट पर बात  
किया। बर्सेलिनना प्रिय ने छात्राओं के  
को शैथिल्य के साथ-साथ आकर्षक  
ब्रेकफास्ट तैयारी करने हेतु आवश्यक  
सिप दिए। हेल्दी ब्रेकफास्ट  
प्रतियोगिता में श्रीमती सिंह ने प्रथम  
स्थान, चर्मा सेने ने द्वितीय स्थान तथा  
शबल सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।  
महाविद्यालय के अन्य छात्राओं में  
सोनी, पल्लवी, शिवांगी, सरोज, रानी,  
अशु अदि का प्रचार भी प्रशंसनीय  
यगरनीय रहा। छात्राओं का कार्यक्रम  
के प्रति बंधी उत्प्रेरित रही।



## राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तीसरे दिन महाविद्यालय में हेल्दी ब्रेकफास्ट का हुआ आयोजन



### लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तृतीय दिवस हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने छात्रों के प्रयास की सराहना की एवं उत्तम स्वास्थ्य हेतु दिन की शुरुआत हेल्दी ब्रेकफास्ट से करने को लिए प्रेरित किया। गृहविज्ञान प्रभारी डॉ पूनम ने हेल्दी ब्रेकफास्ट के महत्व को बताया एवं ब्रेकफास्ट स्लिप न करने की सलाह दी। श्रीमती संगीता ने उच्च कैलोरी एवं उच्च प्रोटीन युक्त ब्रेकफास्ट पर बल दिया। वालेन्तिना प्रिया ने छात्राओं के को

पौष्टिकता के साथ-साथ आकर्षक ब्रेकफास्ट रेसिपी बनाने हेतु आवश्यक टिप्स दिए। हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता में शुभा सिंह ने प्रथम स्थान, यशी सैनी ने द्वितीय स्थान तथा शालू सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के अन्य छात्राओं में सोनी, पल्लवी, शिवांगी, सलोनी, रानी, आशु आदि का प्रयास भी प्रशंसनीय सराहनीय रहा। छात्राओं का कार्यक्रम के प्रति काफी उत्साहित रही।

इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ सुधा, डॉ अतुल कनीजिया, डॉ महेंद्र, चंद्रभान, विजयलक्ष्मी, डॉ सीमा यादव, डॉ मनोज गुप्ता, सीता, डॉ भानु प्रताप, डॉ बी.पी. सिंह, सतीश उपाध्याय एवं अवधेश नंदनी उपस्थित रही।





### हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय जजमेन्ट अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तृतीय दिवस हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य सास्ता डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने छात्रों के प्रयास की सराहना की एवं उत्तम स्वास्थ्य हेतु दिन की शुरुआत हेल्दी ब्रेकफास्ट से करने की लिए प्रेरित किया। गृहविज्ञान प्रभारी डॉ पूनम ने हेल्दी ब्रेकफास्ट के महत्व को बताया एवं ब्रेकफास्ट स्लिप न करने की सलाह दी। श्रीमती संगीता ने उच्च कैलोरी एवं उच्च प्रोटीन युक्त ब्रेकफास्ट पर बल दिया। श्रीमती कालेन्तिना प्रिया ने छात्राओं के को पीछिका के साथ-साथ आकर्षक ब्रेकफास्ट रेसिपी बनाने हेतु आवश्यक टिप्स दिए। हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता में शुभा सिंह ने प्रथम स्थान, यशी सैनी ने द्वितीय स्थान तथा शालू सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के अन्य छात्राओं में सोनी, पल्लवी, शिवांगी, सलोनी, रानी, आरु आदि का प्रयास भी प्रशंसनीय एवं सराहनीय रहा। छात्राओं का कार्यक्रम के प्रति काफी उत्साहित रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ सुधा, डॉ अतुल कर्नौजिया, डॉ महेंद्र, श्री चंद्रभान, श्रीमती विजयलक्ष्मी, डॉ रीमा यादव, डॉ मनोज गुप्ता, सुश्री सीता, डॉ भानु प्रताप, डॉ बी.पी. सिंह, सतीश उपाध्याय एवं अवधेश नंदनी उपस्थित रही।

### रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता का आयोजन

आनन्दी मेल संकलन

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के तृतीय दिवस हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य सास्ता डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने छात्रों के प्रयास की सराहना की एवं उत्तम स्वास्थ्य हेतु दिन की शुरुआत हेल्दी ब्रेकफास्ट से करने की लिए प्रेरित किया। गृहविज्ञान प्रभारी डॉ पूनम ने हेल्दी ब्रेकफास्ट के महत्व को बताया एवं ब्रेकफास्ट स्लिप न करने की सलाह दी। श्रीमती संगीता ने उच्च कैलोरी एवं उच्च प्रोटीन युक्त ब्रेकफास्ट पर बल दिया। श्रीमती कालेन्तिना प्रिया ने छात्राओं के को पीछिका के साथ-साथ आकर्षक ब्रेकफास्ट रेसिपी बनाने हेतु आवश्यक टिप्स दिए। हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता में शुभा सिंह ने प्रथम स्थान, यशी सैनी ने द्वितीय



स्थान तथा शालू सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के अन्य छात्राओं में सोनी, पल्लवी, शिवांगी, सलोनी, रानी, आरु आदि का प्रयास भी प्रशंसनीय सराहनीय रहा। छात्राओं का कार्यक्रम के प्रति काफी उत्साहित रही। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ सुधा, डॉ अतुल कर्नौजिया, डॉ महेंद्र, श्री चंद्रभान, श्रीमती विजयलक्ष्मी, डॉ रीमा यादव, डॉ मनोज गुप्ता, सुश्री सीता, डॉ भानु प्रताप, डॉ बी.पी. सिंह, श्री सतीश उपाध्याय एवं अवधेश नंदनी उपस्थित रही।

# हेल्दी ब्रेकफास्ट में शुभा सिंह को मिला प्रथम स्थान

## पोषण सप्ताह

अभ्युदयकरन्तम, संवत्सदद्यात्। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत रमण्डई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आरंभ हो रहा है। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतिस्पर्धियों के दौरान महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ अरविन्द कुमार वर्मा ने छात्राओं के प्रयास की सराहना करते हुए उन्हें उत्तम स्वास्थ्य के लिए दिन की शुरुआत हेल्दी ब्रेकफास्ट से करने की लिए उत्प्रेरित किया।

गृहविज्ञान प्रभावी डॉ पूनम ने हेल्दी ब्रेकफास्ट के महत्त्व को बताया एवं ब्रेकफास्ट मिस न करने की सलाह दी। संयोजिता ने उच्च कैलोरी एवं उच्च प्रोटीन युक्त ब्रेकफास्ट पर बल दिया। बर्लेनिना प्रिया ने पीठिकाता के साथ-



हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता में शामिल छात्राएं।

साथ आकर्षक ब्रेकफास्ट रेसिपी बनाने के टिप्स दिए। हेल्दी ब्रेकफास्ट प्रतियोगिता में शुभा सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चर्ची यशोदे सेठी ने द्वितीय स्थान तथा शालू सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिस्पर्धियों में सोनी, फल्तूनी, शिवांगी, सलोनी, रावी, आशु-

का भी प्रयास भी सराहनीय रहा। इस अवसर पर महाविद्यालय की डॉ सुधा, डॉ अनुपल कनौजिया, डॉ महेंद्र, चंद्रभानु, विजयलक्ष्मी, डॉ सीमा वादव, डॉ मनोज गुप्ता, सीता, डॉ भानु प्रताप, डॉ सोनी सिंह, सरोज उपाध्याय एवं अश्विनी नंदनी उपस्थित रहीं।

दिनांक : 04 / 09 / 2022

## महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया

विस्तारपूर्वक।

अभ्युदयकरन्तम रमण्डई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अकेडर नगर में आयोजित राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के द्वितीय दिवस महाविद्यालय की संरक्षिका प्रोफेसर प्रोफेसरी सिंह के नेतृत्व व मार्गदर्शन में डान सुल्तानपुर में आयोजित खाद्य पदार्थों का स्वास्थ्य पर दुधनाक विषय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस अवसर पर डॉ पूनम द्वारा संसाधित खाद्य पदार्थों से होने वाली बीमारियों के बारे में महिलाओं



को विस्तारपूर्वक बताया और आहार में दुधनी न शामिल करने की सलाह दी। संगीता द्वारा प्रोसेस फूड्स के खान पर धर में बने फ्लैवर्ड बर्लेनी को देने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि प्रोसेस फूड से बर्लेनी में आलस और मोटापा की वृद्धि होती है। गृह विज्ञान के अडिस्टेंट प्रोफेसर डॉ प्रिया द्वारा जोड़े बर्लेनी के विषय में खाद्य पदार्थों जैसे सेलेक के स्थान पर पर में तैवार किए गए वीनिंग फूड देने की सलाह दी, जो बर्लेनी में स्वास्थ्य योजना संबंधी अद्यतों के निर्माण में भी सहायक है। ग्रामीण महिलाओं ने कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के नैतिक एवं आकर्षक व्यंजनों के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी गई तथा उन्हें दैनिक आहार में शामिल करने में प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अश्विनी नंदनी एवं पुनानु छात्राएं भी उपस्थित रहीं।

# प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रुचि विजयी

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर की ओर से राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के छठवें दिन मंगलवार को राजकीय इंटर कॉलेज अकबरपुर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह के निर्देशन व मार्गदर्शन में गृह विज्ञान विभाग ने पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

गृह विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. पूनम ने स्वस्थ भोजन की थाली के बावत

■ छात्राओं की जीआईसी में हुई प्रतियोगिता

■ पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में संगीता ने जंक फूड न खाने की सलाह दी। प्रिया ने छात्राओं को पौष्टिक भोजन एवं स्वास्थ्य के बारे में बताया।

भोजन के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य की आधारशिला

भोजन ही है। इस अवसर पर छात्राओं ने जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसमें प्राध्यापकों की ओर से पूछे गए पोषण से संबंधित सवालों के उत्साह पूर्वक जवाब दिया। जवाब में रुचि, आकांक्षा, अंशिका, कृति, सलोनी, खुशी, अंकिता, अनामिका विजयी रही।

विद्यालय के प्रधानाचार्य हरेंद्र प्रताप यादव ने इस कार्यक्रम की सराहना की तथा इस तरह के कार्यक्रम पुनः आयोजित करने की बात भी कही।

# संतुलित आहार का करें प्रयोग

संवाद न्यूज एजेंसी

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में मंगलवार को छात्र-छात्राओं को संतुलित आहार के बारे में जानकारी दी गई। कहा गया कि संतुलित आहार का प्रयोग अवश्य करें। इससे शरीर को स्वस्थ रखा जा सकेगा।

रमाबाई राजकीय महिला पौजी कॉलेज की छात्राओं संगीता, प्रिया, आकांक्षा, रुचि, सलोनी, खुशी, अंकिता, अनामिका, कृति ने छात्र-छात्राओं को संतुलित आहार के बारे में जानकारी दी। कहा कि ऐसा भोजन करें, जिसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, विटामिन, चर्बा व खनिज तत्व मौजूद हों।



राजकीय रमाबाई महाविद्यालय में आयोजित गोष्ठी में भाग लेती छात्राएं। -संवाद

अक्सर देखा जाता है कि फास्ट फूड व जंक फूड लोग लेते हैं। इससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते हैं।

पोषक तत्वों के लिए हरी सब्जी, फल, दूध, पनीर, अंडा आदि का सेवन करना चाहिए। समय पर भोजन करना चाहिए।

## प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह के निर्देशन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर, अंबेडकर नगर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के छठे दिन राजकीय इंटर कॉलेज अकबरपुर, अंबेडकर नगर में प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह के निर्देशन व मार्गदर्शन में गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गृह विभाग प्रभारी डॉ पूनम ने स्वस्थ भोजन की थाली कैसी होनी चाहिए? इस पर विस्तारपूर्वक छात्राओं को बताया। संगीता ने जंक फूड न खाने



की सलाह दी। प्रिया ने छात्राओं को पौष्टिक भोजन एवं स्वास्थ्य के बारे में छात्राओं को बताया। साथ ही उन्होंने भोजन के महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि स्वास्थ्य की आधारशिला भोजन ही है। इस अवसर पर छात्राओं ने जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित की गई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। जिसमें उन्होंने प्राध्यापकों द्वारा पूछे गए पोषण से संबंधित सवालों के उत्साह पूर्वक जवाब दिए जिसमें रुचि, आकांक्षा, अशिका, कृति, सलोनी, खुशी, अंकिता, अनामिका विजयी रही। विद्यालय में प्रधानाचार्य हरेंद्र प्रताप यादव ने इस कार्यक्रम की सराहना की तथा इस तरह के कार्यक्रम पुनः आयोजित करने की बात भी कही। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक तथा विभिन्न संकायों की छात्राएँ उपस्थित रही।

# महाविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

आनन्दी मेल संकलन

अभेडकर नगर। रमाबाई राजकोषमहिता साहकोशर महाविद्यालय अकबरपुर, अभेडकर नगर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के सातवें दिन महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह के निर्देशन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सत्र 2022 विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सत्र में आयोजित की गई कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी असिस्टेंट प्रोफेसर संगीता द्वारा प्रस्तुत की गई। उन्होंने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के राष्ट्रीय पोषण सत्र 2022 की थीम मैग्नेट ए यर्न ऑफ फ्लोवर्स के बारे में जानकारी की विस्तृत जानकारी दी।

वे प्रिजा द्वारा संक्षिप्त रूप में वेने, कुरकुरे, चिप्स, कॉल्ड ड्रिंक, नमकीन, शाउरीन आदि के दुष्प्रभावों के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बताया कि इनके प्रयोग से स्वास्थ्य पर किस प्रकार की समस्याएं आ सकती हैं। प्रोफेसर पूरा की बात उन्होंने यह भी बने हुए पोषण पदार्थों को अपनाने की सलाह दी। उन अवसर पर महाविद्यालय की छात्रों ने अपने अध्ययन सत्र में कहा कि इनके तर्ज राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मानते कि उन्हें स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। और राष्ट्रीय पोषण के सत्र के बारे में आप सत्र के बीच जागरूकता पैदा करना है। इसके लिए संतुलित



आहार और सक्रिय, स्वस्थ जीवन शैली को आवश्यकता होती है। साथ ही उन्होंने छात्रों को सत्रों में ऐंजीव बीजों, सब्जियों का प्रयोग करने की सलाह दी। राष्ट्र विभाग प्रभारी डॉ पूनम ने सभी का आभार ज्ञापित किया इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ अश्विनी वर्मा, डॉ अरुण वर्मा, डॉ रावेरा यादव, डॉ सुधा, विजयलक्ष्मी, रवींद्र वर्मा, धनु द्वारा

अश्विनी वर्मा, डॉ अरुण वर्मा, डॉ रावेरा यादव, डॉ सुधा, विजयलक्ष्मी, रवींद्र वर्मा, धनु द्वारा आभार पर महाविद्यालय के डॉ अश्विनी वर्मा, डॉ अरुण वर्मा, डॉ रावेरा यादव, डॉ सुधा, विजयलक्ष्मी, रवींद्र वर्मा, धनु द्वारा आभार पर महाविद्यालय के डॉ अश्विनी वर्मा, डॉ अरुण वर्मा, डॉ रावेरा यादव, डॉ सुधा, विजयलक्ष्मी, रवींद्र वर्मा, धनु द्वारा



# राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के सातवें दिन प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह के मार्गदर्शन में गृहविज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह- 2022 विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद अभेडकर नगर- रमाबाई राजकोषमहिता साहकोशर महाविद्यालय अकबरपुर, अभेडकर नगर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के सातवें दिन महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह के निर्देशन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सत्र में आयोजित की गई कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी असिस्टेंट प्रोफेसर संगीता द्वारा प्रस्तुत की गई।

उन्होंने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह 2022 की थीम मैग्नेट ए यर्न ऑफ फ्लोवर्स के बारे में जानकारी की विस्तृत जानकारी दी। वे प्रिजा द्वारा संक्षिप्त रूप में वेने, कुरकुरे, चिप्स, कॉल्ड ड्रिंक, नमकीन, शाउरीन आदि के दुष्प्रभावों के बारे में छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। साथ ही बताया कि इनके प्रयोग से स्वास्थ्य पर किस प्रकार की समस्याएं आ सकती हैं। प्रोफेसर

पूरा की जगह उन्होंने घर में करने हुए भोज्य पदार्थों को अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाने का उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने में स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। इसके लिए संतुलित आहार और सक्रिय, स्वस्थ जीवन शैली की आवश्यकता होती

है। साथ ही उन्होंने छात्रों को फलों, सब्जियों का प्रयोग करने की सलाह दी। राष्ट्र विभाग प्रभारी डॉ पूनम ने सभी का आभार ज्ञापित किया इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ अश्विनी वर्मा, डॉ अरुण वर्मा, डॉ सुधा, विजयलक्ष्मी, रवींद्र वर्मा, धनु द्वारा आभार पर महाविद्यालय के डॉ अश्विनी वर्मा, डॉ अरुण वर्मा, डॉ रावेरा यादव, डॉ सुधा, विजयलक्ष्मी, रवींद्र वर्मा, धनु द्वारा आभार पर महाविद्यालय के डॉ अश्विनी वर्मा, डॉ अरुण वर्मा, डॉ रावेरा यादव, डॉ सुधा, विजयलक्ष्मी, रवींद्र वर्मा, धनु द्वारा



# कुरकुरे, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक चाउमीन बना रहे बीमार

## संगोष्ठी

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के सातवें दिन बुधवार को संगोष्ठी का आयोजन हुआ। महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह के निर्देशन व मार्गदर्शन में गृहविज्ञान विभाग की ओर से राष्ट्रीय पोषण सप्ताह-2022 विषय पर हुई संगोष्ठी पोषण का महत्व बताया गया।

असिस्टेंट प्रोफेसर संगीता ने सबसे पहले सप्ताह के कार्यक्रमों की जानकारी दी। बताया कि राष्ट्रीय पोषण

सप्ताह की थीम 'सेलिब्रेट ए वर्ल्ड ऑफ फ्लेवर्स' है। संगोष्ठी में वालेंटिना वी प्रिया ने संसाधित खाद्य पदार्थ जैसे कुरकुरे, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक, नमकीन, चाउमीन के दुष्प्रभावों के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। बताया कि इनके प्रयोग से स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा होती हैं। प्रोसेस्ड फूड की जगह उन्होंने घर में बने हुए भोज्य पदार्थों को अपनाने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने कहा कि प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाने का उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली को बनाए रखने में स्वस्थ खाने की आदतों और उचित पोषण के महत्व के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करना है।

दिनांक : 15 / 09 / 2022 अमर उजाला

काव्यमय का गाला का मा सयन करना चाहए। जनपद क अन्य विकास खंडा न इस तरह क कार्यक्रम। कए जा रह ह।

# हिंदी दिवस पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता।

अंबेडकरनगर। जनपद मुख्यालय के बसखारी रोड पर स्थित रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में आज हिंदी दिवस के पावन अवसर पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत एक विविधताओं वाला देश है और हिंदी देश के सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। वर्तमान परिस्थिति में भारत

के विकास के साथ साथ हिंदी भाषा का महत्व बढ़ना भी निश्चित है। साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ अंग्रेजी एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने हिंदी के व्यापकता एवं ग्राह्यता पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में बोले जाने वाली लगभग 2800 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर बोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा

है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि निज भाषा के बिना राष्ट्र उन्नति संभव नहीं है। भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र बातचीत करते हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिस्थापित किया।

हिंदी में तद्भव, तत्सम, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया की सबसे उदारवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पुरुषोत्तम दास टंडन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी श्रद्धानंद महात्मा गांधी, नेहरू, राम चंद्र शुक्ल, प्रताप नारायण मिश्र, आदि उल्लेखनीय

योगदान रहा। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संगोष्ठी का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता अरविंद्र कुमार वर्मा, डॉ. राजेश यादव, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अतुल कनौजिया, डॉ. महेंद्र, चंद्रमान, विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा यादव, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. पूनम, संगीता, वी. प्रिया, सुश्री सीता, डॉ. भानु प्रताप, डॉ. बी. पी. सिंह संतोष कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अवधेश नंदनी उपस्थित रही।

पु  
रा  
ब  
अ  
इ  
अ  
नं

सं  
शै  
पा  
से  
अ  
स  
पा  
अ  
रि  
के  
भ  
स  
य  
स

# महाविद्यालय में हिन्दी दिवस पर गोष्ठी का हुआ आयोजन

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। बुधवार को रमबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में हिंदी दिवस के पावन अवसर पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर रोफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि भारत एक विविधताओं वाला देश है और हिंदी देश के सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। वर्तमान परिस्थिति में भारत के विकास के साथ साथ हिंदी भाषा का महत्व बढ़ना भी निश्चित है। साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ अरबों एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहाँ हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए।



हिंदी को प्रतिस्थापित किया। हिंदी में तद्भव, तत्सम, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया को सबसे उदारवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पुरुषोत्तम दास टंडन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी श्रद्धानंद, महात्मा गांधी, नेहरू, राम चंद्र शुक्ल, प्रताप नारायण मिश्र, आदि उल्लेखनीय योगदान रहा। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संगोष्ठी का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश यादव, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अतुल कर्नौजिया, डॉ. महेन्द्र, चंद्रभानु, श्रीमती विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा यादव, डॉ. मनोज गुप्त, डॉ. पूनम, संगीता, बी. प्रिया, सीता, डॉ. भानु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह, संतोष कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अक्शेप नंदनी उपस्थित रही।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने हिंदी के व्यापकता एवं प्राधान्य पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में बोले जाने वाली लगभग 2800 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर बोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि निज भाषा के बिना राष्ट्र उन्नति संभव नहीं है। भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र वादचीत करते हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में

## भारत एक विविधताओं वाला देश है-रोफाली सिंह

### हिंदी दिवस पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया

गिरजा शंकर गुप्त ब्यूरो चीफ अम्बेडकरनगर। रमबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में हिंदी दिवस के पावन अवसर पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर रोफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि भारत एक विविधताओं वाला देश है और हिंदी देश के सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। वर्तमान परिस्थिति में भारत के विकास के साथ साथ हिंदी भाषा का महत्व बढ़ना भी निश्चित है। साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ अरबों एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहाँ

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने हिंदी के व्यापकता एवं प्राधान्य पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में बोले जाने वाली लगभग 2800 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर बोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि निज भाषा के बिना राष्ट्र उन्नति संभव नहीं है। भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र वादचीत करते हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिस्थापित किया। हिंदी में तद्भव, तत्सम, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया की सबसे उदारवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पुरुषोत्तम दास

टंडन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी श्रद्धानंद, महात्मा गांधी, नेहरू, राम चंद्र शुक्ल, प्रताप नारायण मिश्र, आदि उल्लेखनीय योगदान रहा। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संगोष्ठी का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश यादव, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अतुल कर्नौजिया, डॉ. महेन्द्र, श्री चंद्रभानु, श्रीमती विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा यादव, डॉ. मनोज गुप्त, डॉ. पूनम, संगीता, बी. प्रिया, सीता, डॉ. भानु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह, संतोष कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अक्शेप नंदनी उपस्थित रही।

हिंदी दिवस पर विचार गोष्ठी का आयोजन

हिंदी देश के सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है : शेफाली सिंह

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान दूरे ब्यूटे अम्बेडकर नगर रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में आज हिंदी दिवस के पावन अवसर पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि भारत एक विविधताओं वाला देश है और हिंदी देश के सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। वर्तमान परिस्थिति में भारत के विकास के साथ साथ हिंदी भाषा का महत्व बढ़ना भी निश्चित है। साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ अंग्रेजी एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए।



मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विधानाथ द्विवेदी ने हिंदी के व्यापकता एवं छात्रों पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में चलते जाने वाली लगभग 2800 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर चोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है। डॉ. द्विवेदी

ने कहा कि निज भाषा के बिना राष्ट्र ऊँचा संभव नहीं है। भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र बातचीत करते हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिस्थापित किया। हिंदी में उद्भव, वल्लभ, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया की सबसे उदारवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पुरुषोत्तम दास टंडन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी श्रद्धानंद महात्मा गांधी, नेहरू, राम चंद्र शुक्ल, प्रताप नारायण मिश्र, आदि उल्लेखनीय योगदान रखे। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संगोष्ठी का संचालन एवं अध्यक्षता ज्ञानम डॉ. सुख द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य रास्ता अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश यादव, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अतुल कर्निकिया, डॉ. महेंद्र, श्री चंद्रभान, श्रीमती विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा यादव, डॉ. मनोज कुल, डॉ. पूनम, संगीता, श्री प्रिया, सुखी खोता, डॉ. धनु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह श्री सतेश कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अमरेश नंदनी उपस्थित रही।

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

रमाकान्त पाण्डेय ब्यूरो

अम्बेडकरनगर अकबरपुर रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में आज हिंदी दिवस के पावन अवसर पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि भारत एक विविधताओं वाला देश है और हिंदी देश के सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। वर्तमान परिस्थिति में भारत के विकास के साथ साथ हिंदी भाषा का महत्व बढ़ना भी निश्चित है। साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ अंग्रेजी एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान

का सम्मान करना चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विधानाथ द्विवेदी ने हिंदी के व्यापकता एवं छात्रों पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में चलते जाने वाली लगभग 2800 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर चोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि निज भाषा के बिना राष्ट्र ऊँचा संभव नहीं है। भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र बातचीत करते हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिस्थापित किया। हिंदी में उद्भव, वल्लभ, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया की सबसे उदारवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पुरुषोत्तम दास टंडन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी श्रद्धानंद महात्मा गांधी, नेहरू, राम चंद्र शुक्ल, प्रताप नारायण मिश्र, आदि उल्लेखनीय योगदान रखे। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संगोष्ठी का संचालन एवं अध्यक्षता ज्ञानम डॉ. सुख द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य रास्ता अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश यादव, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अतुल कर्निकिया, डॉ. महेंद्र, चंद्रभान विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा यादव, डॉ. मनोज कुल, डॉ. पूनम, संगीता, श्री प्रिया, सुखी खोता, डॉ. धनु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह श्री सतेश कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अमरेश नंदनी उपस्थित रही।

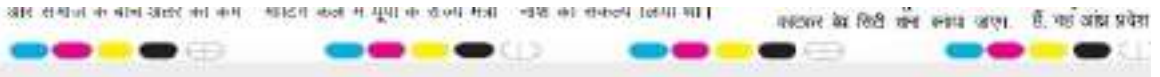


मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विधानाथ द्विवेदी ने हिंदी के व्यापकता एवं छात्रों पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में चलते जाने वाली लगभग 2800 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर चोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि निज भाषा के बिना राष्ट्र ऊँचा संभव नहीं है। भाषा के स्वरूप एवं क्षेत्र बातचीत करते हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिस्थापित किया। हिंदी में उद्भव, वल्लभ, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया की सबसे उदारवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पुरुषोत्तम दास टंडन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी श्रद्धानंद महात्मा गांधी, नेहरू, राम चंद्र शुक्ल, प्रताप नारायण मिश्र, आदि उल्लेखनीय योगदान रखे। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संगोष्ठी का संचालन एवं अध्यक्षता ज्ञानम डॉ. सुख द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य रास्ता अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश यादव, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अतुल कर्निकिया, डॉ. महेंद्र, चंद्रभान विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा यादव, डॉ. मनोज कुल, डॉ. पूनम, संगीता, श्री प्रिया, सुखी खोता, डॉ. धनु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह श्री सतेश कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अमरेश नंदनी उपस्थित रही।

जो पं - अ विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य रास्ता अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश यादव, रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. अतुल कर्निकिया, डॉ. महेंद्र, चंद्रभान विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा यादव, डॉ. मनोज कुल, डॉ. पूनम, संगीता, श्री प्रिया, सुखी खोता, डॉ. धनु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह श्री सतेश कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अमरेश नंदनी उपस्थित रही।

एक और बारदात हई मंत्रावर क्षेत्र में बाडक चोरी की





हिन्दी समाचार

### आदित्य टाइम्स

# हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद

अम्बेडकरनगर। समाचार विभाग महिला महाविद्यालय अकबरपुर अमेडकर नगर में जहां हिंदी विचार एवं चर्चा अखबार पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य व संस्थाक प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारत एक विकसित देश बनने के लिए हिंदी देश को सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। भारतीय परिस्थिति में भारत



के विकास को साथ साथ हिंदी भाषा का महत्व बढ़ाना भी निश्चित है। हम ही उन्होंने कहा कि जहाँ अंग्रेजी एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें अपनी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने हिंदी के मातृभाषा एवं प्रशासन पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में बोले जाने वाली लगभग 2900 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान

पर बोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि निज नाम के बिना राष्ट्र उन्नति संभव नहीं है। भारत के विकास एवं क्षेत्र आर्थिक करने हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिस्थापित किया। हिंदी में कल्याण, उत्साह, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया की सबसे उदात्तवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पूर्णतः प्रगत टैगन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी भद्रानंद महारम गांधी, नेहरू, राम चंद्र मुकुल, प्रताप नारायण मिश्र आदि उल्लेखनीय

योगदान रहे। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संशोधी का संवाहन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मुकुल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. अश्विनी प्रताप सिंह, डॉ. अशुतोष कर्नौजिया, डॉ. मोहन, श्री चंद्रभान, श्रीमती विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. मनेज गुप्ता, डॉ. पूनम सेठिया, डॉ. प्रिया सुशी सेठ, डॉ. भानु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह, श्री संतोष कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अर्चना नंदी उपस्थित रही।

## (हिंदी को चमकाए)

हिंदी को वास्तव में चमकाए, डॉ. शर्मा की वार्ता।

## विधायक का प्रयास लाया रंग, बाबाबाजार पुलिस चौकी को मिला याने का दर्जा

### भारत एक विविधताओं वाला देश है- शेफाली सिंह

# हिंदी दिवस पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया

शिला शर्मा मुख ब्यूरो चीफ

अम्बेडकरनगर। समाचार विभाग महिला महाविद्यालय अकबरपुर में हिंदी दिवस के पानन अवसर पर हिंदी भाषा की चुनौतियां एवं संभावनाएं विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य व संस्थाक प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारत एक विकसित देश बनने के लिए हिंदी देश को सभी लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। वर्तमान परिस्थिति में भारत के विकास के साथ साथ हिंदी भाषा का महत्व बढ़ाना भी निश्चित है। साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ अंग्रेजी एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने हिंदी के विकास एवं प्रशासन पर विस्तार से चर्चा की। दुनिया में बोले



जाने वाली लगभग 2900 भाषाओं में हिंदी तीसरे स्थान पर बोली जाने वाली सबसे बड़ी भाषा है। डॉ. द्विवेदी ने कहा कि निज भाषा के बिना राष्ट्र उन्नति संभव नहीं

है। भाषा के विकास एवं क्षेत्र आर्थिक करने हुए उन्होंने दुनिया की सबसे बड़ी भाषा के रूप में हिंदी को प्रतिस्थापित किया। हिंदी में कल्याण, उत्साह, देशज और विदेशी चार प्रकार के शब्द हैं। दुनिया की सबसे उदात्तवादी भाषा हिंदी है। इसके विकास के लिए पूर्णतः प्रगत टैगन, डॉ. संपूर्णानंद, काका कालेलकर, स्वामी भद्रानंद महारम गांधी, नेहरू, राम चंद्र मुकुल, प्रताप नारायण मिश्र आदि उल्लेखनीय योगदान रहे। द्विवेदी ने चुनौतियों तथा दिशा और दशा पर चर्चा की। संशोधी का संवाहन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मुकुल द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शिक्षक अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. राजेश शर्मा, डॉ. अश्विनी प्रताप सिंह, डॉ. अशुतोष कर्नौजिया, डॉ. मोहन, श्री चंद्रभान, श्रीमती विजयलक्ष्मी, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. मनेज गुप्ता, डॉ. पूनम सेठिया, डॉ. प्रिया सुशी सेठ, डॉ. भानु प्रताप, डॉ. बी.पी. सिंह, श्री संतोष कुमार, सतीश उपाध्याय एवं अर्चना नंदी उपस्थित रही।

आई  
अन  
दव  
मैं  
में  
ए  
सा  
नय  
सा  
ने।  
पु  
कि  
सा  
स  
स  
स  
ए  
एक  
स  
स  
स  
स  
स  
स  
स



Share Save Image Text Listen

राजभाषा हिन्दी के सम्मान में कई कार्यक्रमों का आयोजन, कार्यालयों में हुई संगोष्ठी में हिन्दी में कामकाज करने पर जोर

# हिन्दी को शिखर पर पहुंचाने का संकल्प लिया



अंबेडकरनगर, संवाददाता। मुंबई में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। राजस्थान हिन्दी के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। स्कूल-कॉलेजों में विद्यार्थी सहित कार्यकर्ताओं के साथ कला प्रदर्शन व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। कार्यक्रमों में बच्चों को हिन्दी का महत्व और महत्त्वपूर्ण होने के साथ-साथ हिन्दी को शिखर पर पहुंचाने का संकल्प लिया गया।



श्री. अशोक कुमार ने हिन्दी दिवस कार्यक्रम में बच्चों, पत्र-पत्रिकाओं को हिन्दी दिवस में नया जीवन का संकल्प दिलाया।



## कार्यकर्ता डॉ. विद्याकाश श्रीवास्तव को 'आ सम्मान'

कार्यकर्ता डॉ. विद्याकाश श्रीवास्तव को 'आ सम्मान' प्रदान किया गया। डॉ. श्रीवास्तव ने हिन्दी दिवस का महत्व और महत्त्वपूर्ण होने के साथ-साथ हिन्दी को शिखर पर पहुंचाने का संकल्प लिया।

## बच्चों ने निबंध लेखन में प्रतिभा दिखाई

श्री. अशोक कुमार ने हिन्दी दिवस कार्यक्रम में बच्चों, पत्र-पत्रिकाओं को हिन्दी दिवस में नया जीवन का संकल्प दिलाया।

## निबंध प्रतियोगिता में छात्र हुए पुरस्कृत

असल में बच्चों की प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

## एनटीपीसी टांडा में हिन्दी प्रखण्डा शुरु

एनटीपीसी टांडा में हिन्दी प्रखण्डा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विद्याकाश श्रीवास्तव ने हिन्दी प्रखण्डा के शुभारंभ का कार्यक्रम में बोलते हुए हिन्दी प्रखण्डा का शुभारंभ किया।

## अंकिता को मिली जीत

अंकिता को निबंध प्रतियोगिता में जीत मिली। अंकिता ने निबंध प्रतियोगिता में जीत हासिल की।

## अंबेडकरनगर में शनिवार को महिला एवं स्वास्थ्य...

अंबेडकरनगर में शनिवार को महिला एवं स्वास्थ्य तथा लैंगिक संवेदनशीलता व जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कार्यकर्ता डॉ. विद्याकाश श्रीवास्तव को 'आ सम्मान' प्रदान किया गया। डॉ. श्रीवास्तव ने हिन्दी दिवस का महत्व और महत्त्वपूर्ण होने के साथ-साथ हिन्दी को शिखर पर पहुंचाने का संकल्प लिया।

असल में बच्चों की प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

एनटीपीसी टांडा में हिन्दी प्रखण्डा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विद्याकाश श्रीवास्तव ने हिन्दी प्रखण्डा के शुभारंभ का कार्यक्रम में बोलते हुए हिन्दी प्रखण्डा का शुभारंभ किया।

अंकिता को निबंध प्रतियोगिता में जीत मिली। अंकिता ने निबंध प्रतियोगिता में जीत हासिल की।

अंबेडकरनगर में शनिवार को महिला एवं स्वास्थ्य तथा लैंगिक संवेदनशीलता व जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

**अंकिता को मिली जीत**

अंबेडकरनगर। जिला मुख्यालय स्थित राजकीय रमाबाई महिला पीठ कॉलेज में शनिवार को महिला एवं स्वास्थ्य तथा लैंगिक संवेदनशीलता व जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता में अंकिता प्रथम, वान्याय द्वितीय व अंशिका सक्सेना तीसरे स्थान पर रहीं। प्राचार्या डॉ. शेफाली सिंह ने कहा कि लैंगिक संवेदनशीलता को सभी को समझना होगा। (संवाद)

## लैंगिक संवेदनशीलता और जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन

### रमाबाई पंडे ब्यूरो चीफ बेनकाब भ्रष्टाचार

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर प्राचार्य प्रो शोफाली सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव के दिशा निर्देशन में लैंगिक संवेदनशीलता और जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया गया। साथ ही महिला और स्वास्थ्य विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन



किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकिता वर्मा, द्वितीय स्थान वान्सा मौर्या एवं तृतीय स्थान अंशिका सक्सेना ने प्राप्त किया, निबंध

प्रतियोगिता का परिणाम बाद में घोषित किया जाएगा। निर्णायक जी भूमिका कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, संतोष कुमार एवं डॉ महेन्द्र यादव ने निभाई। इस

अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की इस तरह के कार्यक्रम छात्रों का उन्नयन एवं विकास करते हैं तथा भविष्य के लिए प्रतिभा का निर्माण भी करते हैं। छात्रों द्वारा इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डॉ सुधा, डॉ नंदन सिंह, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, रवींद्र वर्मा सीता पाण्डेय, चन्द्रभान सहित महाविद्यालय के समस्त सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

## जल प्रबंधन पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



### लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। शनिवार को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर प्राचार्य प्रो शोफाली सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव के दिशा निर्देशन में लैंगिक संवेदनशीलता और जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया गया। साथ ही महिला और स्वास्थ्य विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकिता वर्मा, द्वितीय स्थान वान्सा मौर्या एवं तृतीय स्थान अंशिका सक्सेना ने प्राप्त किया, निबंध

प्रतियोगिता का परिणाम बाद में घोषित किया जाएगा। निर्णायक की भूमिका कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, संतोष कुमार एवं डॉ महेन्द्र यादव ने निभाई। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की इस तरह के कार्यक्रम छात्रों का उन्नयन एवं विकास करते हैं तथा भविष्य के लिए प्रतिभा का निर्माण भी करते हैं। छात्रों द्वारा इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डॉ सुधा, डॉ नंदन सिंह, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, रवींद्र वर्मा, सीता पाण्डेय, चन्द्रभान सहित महाविद्यालय के समस्त सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

## एनएसएस के स्थापना दिवस पर रमाबाई राजकीय महिला पीजी कॉलेज में विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

अम्बेडकरनगर रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव के दिशा निर्देशन में शैक्षणिक संवेदनशीलता और जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया गया। साथ ही महिला और

स्वास्थ्य विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकिता वर्मा, द्वितीय स्थान वान्या मौर्या एवं तृतीय स्थान अंशिका सक्सेना ने प्राप्त किया, निबंध प्रतियोगिता का परिणाम बाद में घोषित किया जाएगा। निर्णायक की भूमिका कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, संतोष कुमार एवं डा महेन्द्र यादव ने निभाई।



इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की इस तरह के कार्यक्रम छात्राओं का उन्नयन एवं विकास करते हैं तथा भविष्य के लिए प्रतिभा का निर्माण भी करते हैं। छात्राओं द्वारा इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डॉ सुधा, डा नंदन सिंह, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, रवींद्र वर्मा, सीता पाण्डेय, चन्द्रमान सहित महाविद्यालय के समस्त सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

दिनांक : 25/09/2022

### शैक्षणिक संवेदनशीलता और जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन

संवाददाता, अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव के दिशा निर्देशन में शैक्षणिक संवेदनशीलता और जल प्रबंधन विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया गया। साथ ही महिला और स्वास्थ्य विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंकिता वर्मा, द्वितीय स्थान वान्या मौर्या एवं तृतीय स्थान अंशिका सक्सेना ने प्राप्त किया, निबंध प्रतियोगिता का परिणाम बाद में घोषित किया जाएगा। निर्णायक की भूमिका कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, संतोष कुमार एवं डा महेन्द्र यादव ने निभाई। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की इस तरह के कार्यक्रम छात्राओं का उन्नयन एवं विकास करते हैं तथा भविष्य के लिए प्रतिभा का निर्माण भी करते हैं। छात्राओं द्वारा इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

# रमाबाई में हुई पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता

## सेवा योजना

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मना। दिवस पर प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह की के निदेशन एवं कार्यक्रमाधिकारी डॉ सीमा यादव के संयोजन में 'लैंगिक संवेदनशीलता और जल प्रबंधन' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन हुआ। साथ ही 'महिला और स्वास्थ्य' विषय पर निबंध प्रतियोगिता भी हुई।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अकिता वर्मा को, द्वितीय स्थान चान्या मौर्या को एवं तृतीय स्थान अंशिका सक्सेना ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ संतोष कुमार एवं डॉ महेंद्र यादव



शनिवार रमाबाई में पोस्टर प्रतियोगिता का मूल्यांकन करती प्राचार्य प्रो. शोफाली सिंह ने निभाई। निबंध प्रतियोगिता का परिणाम बाद में घोषित किया जाएगा। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की इस तरह के कार्यक्रमों से छात्राओं का उन्नयन एवं विकास होता है। इस मौके पर छात्राओं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के दौरान डॉ सुधा, डॉ नंदन सिंह, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ रविंद्र वर्मा, डॉ सीता पाण्डेय, डॉ चन्द्रभान सहित महाविद्यालय के समस्त सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

# छात्र-छात्राओं ने दिखाया जलवा कलाकारों का बढ़ाया मान

### संवाद न्यून एमैसी

अंबेडकरनगर। माहोत्सव के अंतिम दिन विभिन्न विधियों से स्तुति में आए छात्र-छात्राओं ने धन्य संस्क्रुतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की। दर्शकों ने उत्तमों की वरदान गढ़ा। छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। अखिलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ रविंद्र वर्मा, डॉ सीता पाण्डेय, डॉ चन्द्रभान सहित महाविद्यालय के समस्त सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।



अंबेडकरनगर महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाला छात्र।

### नाटक के माध्यम से किया जागरूक

अंबेडकरनगर। विज्ञान शक्ति अभियान के तहत महिला व पुरुष पुस्तकालयों में नृत्य नाटक के माध्यम से महिलाओं व पुरुषों को उनके अधिकार व सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। नाटक के अंतर्गत दिखाया गया कि किम प्रथा में महिला हिंसित व उपेक्षित होता है। कुछ महिलाएं व पुरुषों को उत्साह देने उपरान्त को रक्षा के लक्ष्य में प्रेरण करने वाले के लक्ष्य में प्रेरण करने वाले हैं। डॉ दुर्गा देवी ने कहा कि विज्ञान शक्ति अभियान का प्रयोग के विधि में अत्यंत उत्साह, उन्हें प्रेरणित भी मिली। पुस्तकालयों में, टीवी व अन्य प्रसारण उपकरणों को लेकर जो नाटक प्रस्तुत किए जा रहे हैं। महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए। (संवाद)



अंबेडकरनगर महोत्सव में प्रतियोगिताओं को सम्बन्धित करते टीचर्स अभिजात मैसा।

### संवाद न्यून एमैसी

अंबेडकरनगर। सांस्कृतिक उत्सव के अंतर्गत महिला टीचर्स ने नृत्य नाटक को इनोवेटिव पर अपनी प्रस्तुति में लक्ष्य को संयुक्त कर दिया। टीचर्स के साथ उन्होंने न सिर्फ महिलाओं को प्रेरित करने की प्रस्तुति की। हर क्षेत्र में लक्ष्य को बढ़ावा देने के लिए। (संवाद)

विभिन्न व प्रेरित करने में सक्षम रहे। टीचर्स ने कुछ लक्ष्य में प्रेरणित कर उनके मनोबल को प्रेरणित की। इनके साथ ही स्वयं बलवत्ता उत्साह गीत ने भी विभिन्न क्षेत्रों में प्रेरणित कर सभी को प्रेरणित किया। (संवाद)

## हिंदी पखवाड़ा -2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह की अध्यक्षता में काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में हिंदी पखवाड़ा -2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो सुधा के दिशा निर्देशन में 3 काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सीमा सोनी एवं तृतीय स्थान संध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ पूनम, सुशी सीता पांडेय एवं डा महेंद्र खादक ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्रों के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने स्वरचित कविता के वाचन द्वारा छात्रों को प्रेरित

किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व भावनाओं का परिष्करण करती है तथा शक्ति और साहस के भाव पैदाकर उनको उत्तम और उत्कृष्ट बनाती है। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम

में राग और लय के प्रयोग के बारे में छात्रों को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संवादन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर



की संयोजक प्रो सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आनंद की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनंद की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने काव्यपाठ

मुख्य शास्ता प्रो अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर अरुण वरत गौतम, स्वीट वर्मा, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

दिनांक : 30/09/2022 आनन्दी मेल

5

लखनऊ, शुक्रवार, 30 सितम्बर 2022

प्रादेशी

## हिंदी पखवाड़ा -2022के समापन अवसर पर काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन



आनन्दी मेल संवाददाता

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में हिंदी पखवाड़ा -2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो सुधा के दिशा निर्देशन में 3 काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान

सीमा सोनी एवं तृतीय स्थान संध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ पूनम, सुशी सीता पांडेय एवं डा महेंद्र खादक ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्रों के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने स्वरचित कविता के वाचन द्वारा छात्रों को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व

भाषणों का परिष्करण कराती है तथा शक्ति और साहस के भाव पैदाकर उनको उत्तम और उत्कृष्ट बनाती है। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम की संयोजक प्रो सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आनंद की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनंद की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने काव्यपाठ में राग और लय के प्रयोग

के बारे में छात्रों को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संवादन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य शास्ता प्रो अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर अरुण वरत गौतम, स्वीट वर्मा, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

# भारतीय जनयुग

राष्ट्र को समर्पित

## रमाबाई में हिंदी पखवाड़ा 2022 के समापन काव्य पाठ हुआ आयोजित

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बेडकरपुर में हिंदी पखवाड़ा 2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो० सुधा के दिशा निर्देशन में 'काव्य पाठ प्रतियोगिता' आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुश्री चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौम्या सोनी एवं तृतीय स्थान रमेश गुप्त ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ० पूनम, सुश्री सीता चतुर्वेदी एवं डॉ० महेन्द्र वादव ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वोत्कृष्ट उपकरण है। यद्यपि उन्होंने आलोचनात्मक कविता के अभाव में छात्राओं को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व भावनाओं का परिष्करण कराती है तथा शक्ति और साहस के धारण करने में सहायता करता है। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो० सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के अंतर्गत व आलोचनात्मक अर्थों में प्रतीक का महत्व है। कविता जीवन काव्य में दर्शाता है, जो हमको विचारण करने की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विद्यामणि द्विवेदी ने आभारवाच में लग और लग के प्रयोग के बारे में छात्राओं को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्राओं पर उपस्थिति का प्रशंसा व प्रोत्साहन प्रदान किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो० सुधा वर्मा, प्रोफेसर शशी शर्मा, सुश्री सुधा चतुर्वेदी, प्रोफेसर अरुण कांत शर्मा, रवींद्र वर्मा, डॉ० भानु प्रताप राय, डॉ० अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपस्थित, सुश्री सीता चतुर्वेदी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।



# पास

गोरखपुर, वाराणसी, कुशीनगर, गाजीपुर, अम्बेडकर नगर, बहरा

तखनऊ, शुक्रवार, 30 सितम्बर, 2022

## हिंदी पखवाड़ा-2022 के समापन पर काव्य पाठ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

दहेज किरा पुलि

राष्ट्रीय जजमेंट

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बेडकरपुर में हिंदी पखवाड़ा-2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो० सुधा के दिशा निर्देशन में 'काव्य पाठ' प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुश्री चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौम्या सोनी एवं तृतीय स्थान रमेश गुप्त ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ० पूनम, सुश्री सीता चतुर्वेदी एवं डॉ० महेन्द्र वादव ने निभाई।



इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वोत्कृष्ट उपकरण है। साध ही उन्होंने

स्वरचित कविता के वाचन द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व भावनाओं का परिष्करण कराती है तथा शक्ति और साहस के

लौकिक व अलौकिक आनन्द की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनन्द की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विद्यामणि द्विवेदी ने काव्यपाठ में राग और लय के प्रयोग के बारे में छात्राओं को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विद्यामणि द्विवेदी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो० सुधा वर्मा, प्रोफेसर शशी शर्मा, सुश्री सुधा चतुर्वेदी, प्रोफेसर अरुण कांत शर्मा, रवींद्र वर्मा, डॉ० भानु प्रताप राय, डॉ० अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपस्थित, सुश्री सीता चतुर्वेदी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

गाजीपुर समाप्त व कानून व वही को देहाती के चार वर्ष हुआ था, के बाद वालों द्वारा रहा है। किन्तु तहरीर में को दिया सावधि लग भः गया और से नीचे के समय का को फोन करावा ध



## काव्य पाठ प्रतियोगिता में सुभांगी चतुर्वेदी रही अब्बल

अम्बेडकरनगर। गुरुवार को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में हिंदी पखवाड़ा-2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो० सुधा के दिशा निर्देशन में काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुभांगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सीम्या सोनी एवं तृतीय स्थान संध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ० पूनम, सीता पांडेय एवं डा० महेन्द्र यादव ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने स्वरचित कविता के वाचन द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व भावनाओं का परिष्करण करती है तथा शक्ति और साहस के भाव पैदाकर उनको उत्तम और उत्कृष्ट बनाती हैं। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम की संयोजक प्रो० सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आनन्द की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनंद की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विधुनाथ द्विवेदी ने काव्यपाठ में राग और तय के प्रयोग के बारे में छात्राओं को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद आपन प्रोफेसर विधुनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य शास्ता प्रो० अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परदेज, कृष्ण कुंभर, विदुषी, प्रोफेसर अरुण कान्त गौतम, रवींद्र वर्मा, डॉ० अनूप प्रताप राय, डॉ० अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

दिनांक : 30/09/2022 तरुण मित्र

## कविता भावों की अभिव्यक्ति का उपयुक्त माध्यम: प्रो. शोफाली

अम्बेडकरनगर, 29 सितम्बर (तरुणमित्र)। मुख्यालय के बसखारी रोड पर स्थित रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में हिंदी पखवाड़ा-2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो. सुधा के दिशा निर्देशन में 'काव्य पाठ' प्रतियोगिता आयोजन किया गया।

काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुभांगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सीम्या सोनी एवं तृतीय स्थान संध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ० पूनम, सुश्री सीता पांडेय एवं डा० महेन्द्र यादव ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने कहा कि

छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है।

साथ ही उन्होंने स्वरचित कविता के वाचन द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व भावनाओं का परिष्करण करती है तथा शक्ति और साहस के भाव पैदाकर उनको उत्तम और उत्कृष्ट बनाती हैं। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम की संयोजक प्रो. सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आनन्द की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनंद की अनुभूति कराती है।



## छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम: शेफाली सिंह

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान यूपी ब्यूरो अम्बेडकर नगर

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में हिंदी पखवाड़ा -2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो० सुधा के दिशा निर्देशन में



% काव्य पाठ% प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौम्या सोनी एवं तृतीय स्थान संध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका

डॉ पूनम, सुश्री सीता पांडेय एवं डॉ महेन्द्र यादव ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने स्वरचित कविता के वाचन द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व भावनाओं का परिष्करण करती है तथा शक्ति और साहस के भाव पैदाकर उनको उत्तम और उत्कृष्ट बनाती है। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम की संयोजक प्रो०सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आनन्द की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनन्द की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने काव्यपाठ में राग और लय के प्रयोग के बारे में छात्राओं को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य शास्ता प्रो०अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर अरुण कांत गौतम, रवींद्र वर्मा, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

## हिंदी पखवाड़ा समापन अवसर पर काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन



अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अफकरपुर अम्बेडकर नगर में हिंदी पखवाड़ा -2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो० सुधा के दिशा निर्देशन में 'काव्य पाठ' प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हनुमंगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौम्या सोनी एवं तृतीय स्थान सोन्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक श्री भूमिका डॉ पुनम, सीता पांडेय एवं डा महेन्द्र खदक ने निर्भाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रार्थ प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्रों के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने स्वर्णित कविता के वाचन द्वारा छात्रों को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य को अनुभूति कराती है व वाचनों को परिष्करण करती है तथा शक्ति और

साहस के साथ पैदाकर उनके उत्तम और उत्कृष्ट बनाती है। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम को संयोजक प्रो० सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आयाम की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको पिरतान आनंद को अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम में राम और लव के प्रयोग के बारे में छात्रों को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य शास्त्रा प्रो० अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शहिद परवेज, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर अरुण कौत गौतम, रवींद्र वर्मा, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्रार्थ उपस्थित रही।

दिनांक : 30/09/2022 काशीवार्ता

### अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस

#### कविता भाव अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम

अम्बेडकर नगर (काशीवार्ता)। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय (अफकरपुर) में हिंदी

पखवाड़ा -  
2022 के  
समापन  
अवसर पर  
प्राचार्य प्रोफेसर  
शेफाली सिंह  
की अध्यक्षता  
एवं प्रो. सुधा के  
दिशा निर्देशन में



'काव्य पाठ' प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हनुमंगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौम्या सोनी एवं तृतीय स्थान सोन्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक श्री भूमिका डॉ पुनम, सीता पांडेय एवं डा महेन्द्र खदक ने निर्भाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की शेफाली सिंह डॉ सोनी, डॉ वासुदेव शिवा ने कहा कि छात्रों के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। उन्होंने स्वर्णित कविता के वाचन द्वारा छात्रों को प्रेरित किया। प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने काव्यपाठ में राम और लव के प्रयोग के बारे में छात्रों को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य शास्त्रा प्रो. अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शहिद परवेज, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर अरुण कौत गौतम, रवींद्र वर्मा, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्रार्थ उपस्थित रही।

## काव्य पाठ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

स्वतन्त्र प्रभात

अम्बेडकर नगर-रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में हिंदी पखवाड़ा -2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो० सुधा के दिशा निर्देशन में काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौम्या सोनी एवं तृतीय स्थान संध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ पूनम, सीता पांडेय एवं डा महेन्द्र यादव ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने स्वरचित कविता के वाचन द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व

भावनाओं का परिष्करण करती है तथा शक्ति और साहस के भाव पैदाकर उनको उत्तम और उत्कृष्ट बनाती हैं। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम की संयोजक सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आनन्द की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनन्द की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने काव्यपाठ में राग और लय के प्रयोग के बारे में छात्राओं को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य शास्ता अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर अरुण कांत गौतम, रवींद्र वर्मा, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

दिनांक : 30/09/2022 विशाल इंडिया

## हिंदी पखवाड़ा 2022 के समापन अवसर पर काव्य पाठ का आयोजन

**'कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है' : डॉ शेफाली**

पूनम तिवारी विशाल इंडिया

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में हिंदी पखवाड़ा -2022 के समापन अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता एवं प्रो० सुधा के दिशा निर्देशन में काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजन किया गया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभांगी चतुर्वेदी, द्वितीय स्थान सौम्या सोनी एवं तृतीय स्थान संध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका डॉ



पूनम, सुश्री सीता पांडेय एवं डा महेन्द्र यादव ने निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि छात्राओं के लिए कविता अपने भावों की अभिव्यक्ति का सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम है। साथ ही उन्होंने स्वरचित

कविता के वाचन द्वारा छात्राओं को प्रेरित किया। कविता विद्यार्थियों में सौंदर्य की अनुभूति कराती है व भावनाओं का परिष्करण करती है तथा शक्ति और साहस के भाव पैदाकर उनको उत्तम और उत्कृष्ट बनाती हैं। इस अवसर पर हिंदी विभाग प्रभारी व कार्यक्रम की संयोजक प्रो० सुधा ने कहा कि कविता मानव-जीवन के लौकिक व अलौकिक आनन्द की प्राप्ति का साधन है। कविता ललित कलाओं में सर्वोत्तम कला है, जो हमको चिरन्तन आनन्द की अनुभूति कराती है। प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने

काव्यपाठ में राग और लय के प्रयोग के बारे में छात्राओं को परिचित कराया और प्रतिभागी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य शास्ता प्रो० अरविंद वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, प्रोफेसर अरुण कांत गौतम, रवींद्र वर्मा, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सतीश उपाध्याय, सुनीता सिंह व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

## आज महाविद्यालयों के तैराकी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के इच्छुक प्रतिभागी करेंगे प्रतिभाग

आदित्य टाइम्स संवाद अम्बेडकर नगर। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालयीय तैराकी (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर, अम्बेडकर नगर के तत्वावधान में दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 को एकलव्य स्टेडियम के तरणताल में संपन्न होना सुनिश्चित है। प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त महाविद्यालयों के तैराकी

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के इच्छुक प्रतिभागी प्रतिभाग करेंगे प्रतियोगिता प्रातः 9 बजे से प्रारंभ की जाएगी। महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी/ आयोजन सचिव श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद एवं भारतीय तैराकी संघ द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत संपन्न होगी। टीमों के साथ निम्नलिखित का पत्रों का होना आवश्यक है 1-प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित पात्रता जांच पत्र एवं महाविद्यालय से निर्गत परिचय

पत्र।

2- टीम मैनेजर होना आवश्यक है।

3- खेल पर ध्यान में स्विमिंग कॉस्ट्यूम का होना आवश्यक है।

4- हाई स्कूल इंटर प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं मूल प्रति एवं फीस की रसीद।

5- विगत परीक्षा के अंक पत्र की प्रमाणित छाया प्रति।

साथ ही उन्होंने बताया कि तैराकी के इच्छुक प्रतिभागी का ससमय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करें।

दिनांक : 11/10/2022 हिन्दुस्तान



### महाविद्यालयों की तैराकी प्रतियोगिता आज से

#### स्पर्धा

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या की ओर से आयोजित अंतर महाविद्यालयीय तैराकी (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता नगर में होगी। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर

करेगा। प्रतियोगिता मंगलवार को एकलव्य स्टेडियम के तरणताल में होगी।

इस स्पर्धा में तैराकों के बीच कड़े मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में अवध विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालयों के तैराक प्रतिभाग करेंगे। रमाबाई महाविद्यालय के क्रीड़ा प्रभारी व आयोजन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि

प्रतियोगिता सुबह नौ बजे शुरू होगी। बताया कि प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद एवं भारतीय तैराकी संघ के निर्धारित नियमों के तहत होगी। टीमों के प्राचार्य से हस्ताक्षरित परिचय पत्र, मैनेजर, स्विमिंग कॉस्ट्यूम, हाई स्कूल व इंटर के प्रमाण पत्र की छाया प्रति, पिछले साल के बोर्डिंग पत्र की छाया प्रति होना आवश्यक है।

04

रायबरेली/अम्बेडकरनगर

# खेल शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास में भी सहायक हैं: प्रो. शेफाली सिंह

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के क्रीडा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ-साथ हमारी आवश्यकता भी है। प्रतियोगिता में डा. राम मनोहर लोहिया अथर्व विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकी ने सहभागिता की। क्रीडा विभाग प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ. अखिलेश प्रताप सिंह ने

किया। 50 मीटर बैक में फवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मीटर बटरफ्लाय में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मीटर फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर फ्री स्टाइल में मोहन गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्री स्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिखर सिंह एवं डा. शिमेद सिंह हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीडा अधिकारी शोला भट्टाचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डा.



नन्दन सिंह, डा. महेन्द्र यादव, संतोष परनेज, चन्द्रभान, सीता पाण्डेय, प्रताप राय, डा. अजीत प्रताप सिंह कुमार, रवीन्द्र वर्मा, प्रोफेसर शाहिद सतीश कुमार, डॉ. सुनीता, डॉ. भानु मौजूद रहे।

राय फरी मिला को ब्राह्मण एच. फेर लि., कैपि न्हा न्हा मेने एव मेने सिन एक च्च 18 हर्षि प्रि ला कर विभ 65- लीं ऊर अर्द

दिनांक : 12/10/2022 अमृत विचार

## मित्रता की भावना विकसित करते हैं खेल: प्रो. शेफाली

अमृत विचार, अम्बेडकरनगर

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के क्रीडा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। तैराकी स्वास्थ्य



प्रतिभागियों को शील्ड देकर सम्मानित करती प्रो. शेफाली सिंह व मौजूद अन्य।

की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ-साथ हमारी आवश्यकता भी है। प्रतियोगिता में डॉ. राम मनोहर लोहिया अथर्व विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकी ने सहभागिता की। तैराकी प्रतियोगिता क्रीडा विभाग प्रभारी

कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीडा अधिकारी शोला भट्टाचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डॉ. नन्दन सिंह, डॉ. महेन्द्र यादव, संतोष कुमार आदि रहे।

सम्मानित किया

50 मीटर बैक में फवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मीटर बटरफ्लाय में अभिषेक और 100 मीटर फ्री स्टाइल में प्रथम रहे। 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर फ्री स्टाइल में मोहन गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान। 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम और 50 मीटर फ्री स्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस तरह तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं हुईं और खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता संपन्न होने के बाद प्रतिभागियों को प्रो. शेफाली सिंह ने शील्ड देकर सम्मानित किया।

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन



आनन्दी मेल संवाददाता

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे

शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है प्रतियोगिता में डा राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकी ने सहभागिता की। क्रीड़ा विभाग प्रभारी कुष्मा कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। 50 मी बैक में पवन निषाद

ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी बटरफ्लाय में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मी फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी फ्री स्टाइल में मोहन गौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्री स्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी

प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगी संपादित हुई तथा खिलाड़ियों ने प्राप्त किया। इस अवसर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिव सिंह एवं डा शिवेंद्र सिंह रहे। अतिथि के रूप में जिला अधिकारी शीला महुाचार्य, प्रो अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा लक्ष्मी यादव, डा नन्दन सिंह महेंद्र यादव, संतोष कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद प, चन्द्रभान, सीता पाण्डेय, र कुमार, डॉ सुनीता, डॉ भानु प्रता, डा अजीत प्रताप सिंह मौजूद

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन

रमाकांत पांडे ब्यूरो चीफ  
बेनकाब भ्रष्टाचार

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं तैराकी



### मानसिक अभियान

हर निर्मला एस मौर्य

शिवकर्मा सिके सिंह प्रिया यादव, अंजली मिश्रा, दिव्या सोनकर आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है प्रतियोगिता में डा राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकी ने सहभागिता की। क्रीड़ा विभाग प्रभारी कुष्मा कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। 50 मी बैक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी बटरफ्लाय में प्रथम स्थान

अभिषेक एवं 100 मी फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी फ्री स्टाइल में मोहन गौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्री स्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं संपादित

हुई तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिवकल्ल सिंह एवं डा शिवेंद्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला महुाचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डा नन्दन सिंह, डा महेंद्र यादव, संतोष कुमार, रवीन्द्र वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परकेज, चन्द्रभान, सीता पाण्डेय, सतीश कुमार, डॉ सुनीता, डॉ भानु प्रताप राय, डा अजीत प्रताप सिंह मौजूद रहे।

**हिन्दुस्तान** WWW.  
लखनऊ, बुधवार, 12 अक्टूबर 2022 **05**

# पवन, अभिषेक व आशीष रहे प्रथम

## प्रतियोगिता

अम्बेडकरनगर, सोनभद्र जिला। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के क्रीडा विभाग की मेजबानी में अन्तर्महाविद्यालयी तैराकी प्रतियोगिता हुई। मंगलवार को प्रतियोगिता एकलव्य स्टेडियम में हुई। प्रतियोगिता में विरचविद्यालय के पर्यवेक्षक शिवकरन सिंह हैं या शिमेन्द्र सिंह मौजूद रहे। मुख्य अतिथि महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर सेमसती सिंह रही। विशिष्ट अतिथि जिला क्रीडा अधिकारी शीला भट्टाचार्य रही।

प्रतियोगिता में डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकी ने प्रतिभाग किया। रमाबाई के क्रीडा विभाग प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में हुई। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ अश्विनेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

प्रतियोगिता के 50 मीटर बैक स्ट्रोक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 50 मीटर बटरफ्लाय में प्रथम स्थान अभिषेक ने एवं 100

मीटर फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान अतीत यादव ने प्राप्त किया। आशीष यादव ने 50 मीटर के फ्री स्टाइल में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 200 मीटर फ्री स्टाइल में मोहन गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता के 50 मीटर बैक स्ट्रोक में सोनी यादव को प्रथम स्थान मिला।

50 मीटर बैक स्ट्रोक में रजनी साहनी को फलता स्थान तथा 50 मीटर फ्री स्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य प्रोफेसर सेमसती सिंह ने प्रतिभागियों को बुरास्कृत किया और कहा कि खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना को विकसित करते हैं। शारीरिक विकास के साथ मनसिक विकास में भी सहायक होते हैं। वैज्ञानिक स्वास्थ्य की दृष्टि से वेदद लाभकारी होता है। इस सैक पर प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डॉ नन्दन सिंह, डॉ मोहन यादव, संतोष कुमार, रवीन्द्र वर्मा, प्रोफेसर साहित्य परवेज, चन्द्रभान, सीता कण्डेय, उशील कुमार, डॉ सुनीता, डॉ भन्नु प्रताप राय, डॉ अश्वीत प्रताप सिंह मौजूद रहे।

# तैराकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। मंगलवार को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के क्रीडा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयी तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन एकलव्य स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो सेमसती सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है। प्रतियोगिता में डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय केजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकी ने सहभागिता की। क्रीडा विभाग प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का



संचालन डॉ अश्विनेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। 50 मी बैक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी बटरफ्लाय में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मी फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी फ्री स्टाइल में मोहन गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर बैकस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त

किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं संपादित हुईं तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिवकरन सिंह एवं डॉ शिमेन्द्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीडा अधिकारी शीला भट्टाचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डॉ नन्दन सिंह, डॉ मोहन यादव, संतोष कुमार, रवीन्द्र वर्मा, प्रोफेसर साहित्य परवेज, चन्द्रभान, सीता कण्डेय, उशील कुमार, डॉ सुनीता, डॉ भन्नु प्रताप राय, डॉ अश्वीत प्रताप सिंह मौजूद रहे।

## रमाबाई महिला कॉलेज में तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन



अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयी तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो शोफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है प्रतियोगिता में डा राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकों ने सहभागिता की। क्रीड़ा विभाग प्रभारी कृष्णा कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। 50 मी बैक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी बटरफ्लाइ में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मी फ्रीस्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी फ्री स्टाइल में मोहन गौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में अंकिता मौर्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

दिनांक : 12/10/2022 तरुण मित्र

## खेलों से होता है सर्वांगीण विकास : प्रो. शोफाली

अम्बेडकर नगर, 11 अक्टूबर (तरुणमित्र)। जनपद मुख्यालय के बसखारी रोड पर स्थित रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयी तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो शोफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं।

खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है।



प्रतियोगिता में डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकों ने सहभागिता की।

क्रीड़ा विभाग प्रभारी कृष्णा कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। 50 मी बैक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी बटरफ्लाइ में

प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मी. फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी फ्री स्टाइल में मोहन गौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में अंकिता मौर्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं संपादित हुईं तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिवकरन सिंह एवं डा शिमंदा सिंह रहे।



# खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक : शैफाली सिंह

अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन



दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान यूपी न्यूज  
अंबेडकर नगर

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन मिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो. शोफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही शिक्षा की भावना विकसित करती है। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। तैराकी स्वास्थ्य को दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी अभिरूपाका भी है। प्रतियोगिता में डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय कैम्पस, अम्बेडकर से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकी ने सहभागिता की। क्रीड़ा विभाग द्वारा कृष्ण कुमार विद्यार्थियों के संयोजन में सफल हुई। इस प्रतियोगिता का संयोजन टी. अरविन्द प्रताप सिंह ने किया। 50 मीटर फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मीटर बटर फ्लाइंग में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मीटर फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान अशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।



200 मीटर फ्री स्टाइल में मोहन गौड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्री स्टाइल में अंकिता मोर्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर

प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिवशंकर सिंह एवं डा. विमल सिंह रहे। विभिन्न अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी शोभा भट्टाचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डा. नन्दन मिश्र, डा. मोहन यादव, संतोष कुमार, रवीन्द्र जर्वाल, प्रोफेसर शशिधर पटेल, चन्द्रभान, सोनू पाण्डेय, संतोष कुमार, डॉ. सुनीता, डा. अनीता प्रताप सिंह मौजूद रहे।

दिनांक : 12/10/2022 संवाद न्यूज

## पवन व आशीष ने तैराकी प्रतियोगिता में मारी बाजी

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबेडकरनगर। अकबरपुर नगर स्थित एकलव्य स्टेडियम में मंगलवार को अंतर महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता में पांच महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। 50 मीटर तैराकी में बभनान के पवन जबकि 100 मीटर में नंदनीनगर के आशीष यादव ने बाजी मारी।

प्रतियोगिता में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, आचार्य नरेंद्र देव किसान स्नातकोत्तर बभनान गोंडा, नंदनीनगर पीजी कॉलेज नंदनीनगर, विनायक पीजी कॉलेज खजुरहट व रमाबाई राजकीय महिला पीजी कॉलेज अकबरपुर की टीम ने भागीदारी की। जिला क्रीड़ा अधिकारी शोभा ने बताया कि 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक तैराकी में आचार्य नरेंद्र देव किसान पीजी कॉलेज बभनान गोंडा के



अंबेडकरनगर के एकलव्य स्टेडियम में तैराकी प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभाग्यी। संवाद

पवन निराद को पहला स्थान मिला।

50 मीटर बटर फ्लाइंग में अवध विश्वविद्यालय के अभिषेक ने बाजी मारी। 100 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी में नंदनीनगर के आशीष को पहला स्थान मिला। 200 मीटर फ्री स्टाइल में मोहन गौड़ ने जीत दर्ज की। महिला तैराकी में 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में रजनी साहनी, 50 मीटर फ्री स्टाइल में अंकिता मोर्य ने सभी को पीछे किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ रमाबाई कॉलेज की प्राचार्या डॉ. शोफाली सिंह ने किया।

## एकलव्य स्टेडियम में हुआ तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन

राष्ट्रीय जजमेन्ट

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है प्रतियोगिता में डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकों ने सहभागिता की। क्रीड़ा विभाग प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने

किया। 50 मी. बैक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी. बटरफ्लाई में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मी. फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी. फ्री स्टाइल में मोहन गौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं संपादित हुईं तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिवकरन सिंह एवं डा. शिमेन्द्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डा. नन्दन सिंह, डा. महेन्द्र यादव आदि।

अम्बेडकरनगर, बुधवार 12 अक्टूबर 2022

3

### रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के क्रीड़ा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं। तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है। प्रतियोगिता में डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकों ने सहभागिता की। क्रीड़ा विभाग प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का

संचालन डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। 50 मी. बैक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी. बटरफ्लाई में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मी. फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम

स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं संपादित हुईं तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिवकरन सिंह एवं डा. शिमेन्द्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीड़ा



स्थान प्राप्त किया। 200 मी. फ्री स्टाइल में मोहन गौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजनी साहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान

अधिकारी शीला भट्टाचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डा. नन्दन सिंह, डा. महेन्द्र यादव, संतोष कुमार, रवीन्द्र वर्मा, प्रो. फो. सर शाहिद परवेज, चन्द्रमान, सीता पाण्डेय, सतीश कुमार, डॉ. सुनीता, डा. अजीत प्रताप सिंह मौजूद रहे।

### अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अम्बेडकर नगर-रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के क्रीडा विभाग द्वारा अन्तर्महाविद्यालयीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन जिले के एकलव्य स्टेडियम में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह ने कहा खेल अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही मित्रता की भावना विकसित करते हैं। खेल हमारे शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होते हैं तैराकी स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी होने के साथ साथ हमारी आवश्यकता भी है। प्रतियोगिता में डा राम मनोहर लोहिया अवधि विश्वविद्यालय फैजाबाद, अयोध्या से सम्बद्ध महाविद्यालयों के तैराकों ने सहभागिता की। क्रीडा विभाग प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता का संचालन डॉ अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। 50 मी बैक में पवन निषाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मी बटरफ्लाय में प्रथम स्थान अभिषेक एवं 100 मी फ्री स्टाइल में प्रथम स्थान आशीष यादव एवं 50 मीटर में आशीष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 200 मी फ्री स्टाइल में मोहन चौड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला तैराकी प्रतियोगिता में 50 मीटर ब्रेस्टस्टोक में सोनी यादव प्रथम स्थान 50 मीटर बैकस्टोक में रजनी सहनी प्रथम स्थान तथा 50 मीटर फ्रीस्टाइल में अंकिता मौर्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रकार तैराकी प्रतियोगिता में अन्य प्रतियोगिताएं सम्पन्न हुईं तथा खिलाड़ियों ने स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक शिवकरन सिंह एवं डा शिवेंद्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला क्रीडा अधिकारी शैल भद्राचार्य, प्रोफेसर अरविन्द वर्मा, प्रोफेसर सुधा, विजय लक्ष्मी यादव, डा नन्दन सिंह, डा महेंद्र यादव, संतोष कुमार, रवीन्द्र वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, चन्द्रभान, सीता पाण्डेय, सतीश कुमार, डॉ सुनीता, डॉ भानु प्रताप राय, डा अजीत प्रताप सिंह मौजूद रहे।

पहले दिन दोनों पालियों में सकुशल सम्पन्न हुई पीईटी की परीक्षा, डीएम और एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण

# 7390 परीक्षार्थियों ने छोड़ी पीईटी की परीक्षा

**पीईटी**  
 अम्बेडकरनगर, 13 अक्टूबर (पीटी) पाली दिन परीक्षा को लेकर केंद्रों में सकुशल सम्पन्न हुई। दोनों पालियों में कुल 7390 परीक्षार्थियों ने परीक्षा देना था। परीक्षा के दौरान एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।



**असम में जिले के 20 केंद्रों पर है पीईटी परीक्षा**  
 असम में पी जिले के 20 केंद्रों पर पीईटी में 20 हजार से अधिक परीक्षार्थी भाग लेंगे, जिसमें पाली दिन परीक्षा के दौरान एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

पुलिस की सहायता से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

परीक्षा के दौरान एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

परीक्षा के दौरान एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। एच डीएम और एसपी के निरीक्षण में परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

**साहजन के लिए बट काटते हैं शौच**  
 साहजन के लिए बट काटते हैं शौच। साहजन के लिए बट काटते हैं शौच। साहजन के लिए बट काटते हैं शौच।

दिनांक : 13 / 11 / 2022

**राजकीय महिला पीजी कॉलेज में निबंध, पोस्टर व विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन**

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत निबंध, पोस्टर व विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता प्रभारी डॉ.बी.एन. द्विवेदी तथा प्रतियोगिता समिति के सदस्य रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ.पूनम, अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि यातायात कानूनों को सख्ती से लागू करना बेहद प्रभावी होगा तथा सार्वजनिक संचार के माध्यम से सड़क उपयोगकर्ताओं और आम लोगों को सड़क सुरक्षा के मानदंडों और भावना के बारे में जागरूक किया।



दिनांक : 13 / 11 / 2022

## रमाबाई डिग्री कालेज में आयोजित हुई किज प्रतियोगिता

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत निबंध, पोस्टर व किज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता प्रभारी डॉ.बी.एन. द्विवेदी तथा प्रतियोगिता समिति के सदस्य रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ.पूनम, अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि यातायात कानूनों को सख्ती से लागू करना बेहद प्रभावी होगा तथा सार्वजनिक संचार के माध्यम से सड़क उपयोगकर्ताओं और आम लोगों को सड़क सुरक्षा के मानदंडों और भावना के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य शास्ता प्रो. अरविंद वर्मा डॉ. सुधा, डॉ. नंदन सिंह, डॉ.अजीत प्रताप सिंह एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. द्विवेदी ने परिवार एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिनांक : 13 / 11 / 2022 आनन्दी मेल

## सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत निबंध, पोस्टर व किज प्रतियोगिता का आयोजन

आनन्दी मेल संकलन

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत निबंध, पोस्टर व किज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता प्रभारी डॉ.बी.एन. द्विवेदी तथा प्रतियोगिता समिति के सदस्य रवीन्द्र कुमार वर्मा, डॉ.पूनम, अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि यातायात कानूनों को सख्ती से लागू करना बेहद प्रभावी होगा तथा सार्वजनिक संचार के माध्यम से सड़क उपयोगकर्ताओं और आम लोगों को सड़क सुरक्षा के मानदंडों और भावना के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य शास्ता प्रो. अरविंद वर्मा डॉ. सुधा, डॉ. नंदन सिंह, डॉ.अजीत प्रताप सिंह एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. द्विवेदी ने परिवार एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।



शेफाली तथा सार्वजनिक संचार के माध्यम से सड़क उपयोगकर्ताओं और आम लोगों को सड़क सुरक्षा के मानदंडों और भावना के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य शास्ता प्रो. अरविंद वर्मा डॉ. सुधा, डॉ. नंदन सिंह, डॉ.अजीत प्रताप सिंह एवं महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. द्विवेदी ने परिवार एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. द्विवेदी ने परिवार एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. द्विवेदी ने परिवार एवं सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

## इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है जो समाज को भविष्य का उचित पथ बतलाता है – प्रोफेसर शोफाली सिंह

आदित्य टाइम्स संवाद अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत इतिहास की उपयोगिता साहित्य तथा समाज के विशेष संदर्भ में विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने कहा कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है जो समाज को भविष्य का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र को सजीव, उन्नतिशील तथा गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वतौर मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.एन.वर्मा, राजकीय बालिका महाविद्यालय सेवापुरी ने कहा कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है जो समाज को भविष्य का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र

को सजीव, उन्नतिशील तथा गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इतिहास हमें मानव प्रकृति के विभिन्न आयामों एवं पक्षों से अवगत कराता है। इसके अध्ययन से हमें सभ्यता के क्रमिक विकास का ज्ञान होता

का दायित्व और बढ़ जाता है कि वह अतीत का भली प्रकार से अध्ययन करने के पश्चात् इतिहास अतीत को एक सार्थक अर्थ प्रदान करे। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग प्रभारी प्रोफेसर शाहिद परवेज ने किया तथा



है। इतिहास की उपयोगिता परिस्थिति पर निर्भर है। इस अवसर पर प्रोफेसर पंकज कुमार झा ने इतिहास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास तब तक उपयोगी नहीं होता जब तक इतिहासकारों से उपयोगी नहीं बनाता। इतिहास अतीत का सर्वप्रथम अर्थ यही है कि वह वर्तमान में अतीत से प्रेरणा लेकर सुखद भविष्य का निर्माण करे। ऐसे में इतिहासकार

तकनीकी सहायता रवीन्द्र कुमार वर्मा द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, डॉ. अतुल कर्नौजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विन्वकर्मा, डा. भानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, श्रीमती अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित

कार्यक्रम

साहित्य तथा समाज विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी आयोजित

## इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक : शोफाली

अमृत विचार, अंबेडकरनगर

रमाबाई राजकीय महिला पीजी कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत इतिहास की उपयोगिता, साहित्य तथा समाज के विशेष संदर्भ विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने कहा कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है जो समाज को भविष्य का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र को सजीव, उन्नतिशील तथा



ऑनलाइन संगोष्ठी में मौजूद महाविद्यालय के शिक्षक।

अमृत विचार

गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वतौर मुख्य वक्ता राजकीय बालिका महाविद्यालय सेवापुरी के प्रोफेसर एस.एन.वर्मा ने कहा कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है,

जो समाज को भविष्य का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र को सजीव, उन्नतिशील तथा गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इतिहास हमें मानव प्रकृति के

विभिन्न आयामों एवं पक्षों से अवगत कराता है। प्रोफेसर पंकज कुमार झा ने इतिहास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास तब तक उपयोगी नहीं होता जब तक इतिहासकारों से उपयोगी नहीं बनाता। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग प्रभारी प्रोफेसर शाहिद परवेज ने किया तथा तकनीकी सहायता रवींद्र कुमार वर्मा द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, राजेश यादव, कुंवर संजय भारती, डॉ. अतुल कर्नौजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

## साहित्य तथा समाज के संदर्भ में विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

एगवकलत माडडे खुरो चीक-  
बेनकाब प्रष्टाचार  
एगवकलत राजकीय महिला पी.  
जी. कॉलेज अकबरपुर अवेडकर  
नगर में एकेडमिक सोंसाइटी के  
अंतर्गत इतिहास की उपयोगिता  
साहित्य तथा समाज के विशेष  
संदर्भ में विषय पर ऑनलाइन  
संगोष्ठी का आयोजन  
महाविद्यालय के प्राचार्य व संस्थाक  
प्रोफेसर शेफाली सिंह की अ-  
ध्यक्षता में किया गया। इस अवसर  
पर महाविद्यालय के प्राचार्य  
प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा  
कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा  
शिक्षक है जो समाज को भविष्य  
का उचित पथ बताता है। किसी  
भी जाति या राष्ट्र को सजीव,  
उन्नतिशील तथा गतिशील बने  
रहने के लिए इतिहास का अ-



ध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः  
मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.एन.वर्मा,  
राजकीय बालिका महाविद्यालय  
सेवापुरी ने कहा कि इतिहास  
मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है,  
जो समाज को भविष्य का उचित  
पथ बताता है। किसी भी जाति  
या राष्ट्र को सजीव, उन्नतिशील  
तथा गतिशील बने रहने के लिए  
इतिहास का अध्ययन अत्यंत  
महत्वपूर्ण है। इतिहास हमें मानव  
प्रकृति के विभिन्न आयामों एवं  
पक्षों से अवगत करता है। इसके  
अध्ययन से हमें सभ्यता के क्रमिक  
विकास का ज्ञान होता है। इतिहास  
की उपयोगिता परिस्थिति पर  
निर्भर है इस अवसर पर प्रोफेसर  
पंकज कुमार झा ने इतिहास की  
उपयोगिता पर प्रकाश डालते  
हुए कहा कि इतिहास तब तक  
उपयोगी नहीं होता जब तक  
इतिहासकारों से उपयोगी नहीं  
बनाता। इतिहास अतीत का

सर्वप्रथम अर्थ नहीं है कि वह  
वर्तमान में अतीत से प्रेरणा लेकर  
सुखद भविष्य का निर्माण करे।  
ऐसे में इतिहासकार का दायित्व  
और बढ़ जाता है कि वह अतीत  
का काली प्रकार से अध्ययन करने  
के पश्चात् इतिहास अतीत को  
एक सार्थक अर्थ प्रदान करे।  
संगोष्ठी का संघालन व धन्यवाद  
ज्ञापन इतिहास विभाग प्रभारी  
प्रोफेसर शहीद परवेज ने किया  
तथा तकनीकी सहायता रवीन्द्र  
कुमार वर्मा द्वारा प्रदान की  
गई। इस अवसर पर महाविद्यालय  
के मुख्य शिक्षा अधिकारी कुंभार  
वर्मा, राजेश यादव, कुंभार संजय  
भारती, डॉ. अनुसुला कर्नाजिज, डॉ.  
शिवज्य प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन  
सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा.  
मानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता,  
डॉ. अशीत प्रताप सिंह, अजयेश मन्दी  
व महाविद्यालय की छात्राएं  
उपस्थित थीं।

## क कुमार कर्नाजिज द्वारा की का औचक निरीक्षण



## इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है- प्रो. शेफाली सिंह

अवेडकर नगर। एगवकलत राजकीय  
महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में  
एकेडमिक सोंसाइटी के अंतर्गत  
इतिहास की उपयोगिता साहित्य तथा  
समाज के विशेष संदर्भ में विषय पर  
ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन  
महाविद्यालय के प्राचार्य व संस्थाक  
प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता में  
किया गया। इस अवसर पर  
महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर  
शेफाली सिंह ने कहा कि इतिहास  
मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है जो  
समाज को भविष्य का उचित पथ  
बताता है। किसी भी जाति या राष्ट्र  
को सजीव, उन्नतिशील तथा गतिशील  
बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन  
अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अतः मुख्य वक्ता प्रोफेसर  
एस.एन.वर्मा, राजकीय बालिका  
महाविद्यालय सेवापुरी ने कहा कि  
इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक  
है, जो समाज को भविष्य का उचित

पथ बताता है। किसी भी जाति या  
राष्ट्र को सजीव, उन्नतिशील तथा  
गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का  
अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इतिहास  
हमें मानव प्रकृति के विभिन्न आयामों  
एवं पक्षों से अवगत करता है। इसके  
अध्ययन से हमें सभ्यता के  
विकास का ज्ञान होता है। इतिहास  
की उपयोगिता परिस्थिति पर निर्भर है।

इस अवसर पर प्रोफेसर पंकज  
कुमार झा ने इतिहास की उपयोगिता पर  
प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास  
तब तक उपयोगी नहीं होता जब तक  
इतिहासकारों से उपयोगी नहीं  
बनाता। इतिहास अतीत का सर्वप्रथम  
अर्थ नहीं है कि वह वर्तमान में अतीत  
से प्रेरणा लेकर सुखद भविष्य का  
निर्माण करे। ऐसे में इतिहासकार का  
दायित्व और बढ़ जाता है कि वह  
अतीत का काली प्रकार से अध्ययन  
करने के पश्चात् इतिहास अतीत को  
एक सार्थक अर्थ प्रदान करे।

## ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर-रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के आंगण इतिहास की उपयोगिता साहित्य तथा समाज के विशेष संदर्भ में विश्व पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संसृष्टक प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है जो समाज को धर्मियता का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र को सजीव, ऊर्जितशील तथा गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहीं मुख्य अतिथि प्रोफेसर एस.एन. वर्मा, राजकीय बालिका महाविद्यालय सेवापुरी ने कहा कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है, जो समाज को धर्मियता का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र को सजीव, ऊर्जितशील तथा गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है। इतिहास हमें मानव प्रकृति के विभिन्न आयामों एवं पक्षों से अवगत कराता है। इसके अध्ययन से हमें सभ्यता के प्रथम विकास का ज्ञान होता है। इतिहास की उपयोगिता परिस्थिति पर निर्भर है।



इस अवसर पर प्रोफेसर पंकज कुमार झा ने इतिहास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास जब तक उपयोगी नहीं होता जब तक इतिहासकारों से उपयोगी नहीं बनता। इतिहास अतीत का सर्वप्रथम अर्थ वही है कि वह वर्तमान में अतीत से प्रेरणा लेकर सुखद धर्मियता का निर्माण करे। ऐसे में इतिहासकार का दायित्व और बड़ा जवाब है कि वह अतीत का भली प्रकार से अध्ययन करने के पश्चात् इतिहास अतीत को एक सार्थक अर्थ प्रदान करे। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग प्रभारी प्रोफेसर शाहिद परवेज ने किया तथा तकनीकी सहायता रवीन्द्र कुमार वर्मा द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शालिका डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, राजेश यादव, कुँवर संजय भारती, डॉ. अतुल कन्नौजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

दिनांक : 16/11/2022 बेनकाब

## अतीत से सबक लेकर जीवन बनाया जा सकता है सुखद

### संगोष्ठी

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय महिला पीजी कॉलेज अकबरपुर में एकेडमिक सोसाइटी के तहत इतिहास की उपयोगिता: साहित्य तथा समाज के विशेष पर ऑनलाइन संगोष्ठी हुई। प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह के संयोजन हुई संगोष्ठी में राजकीय बालिका महाविद्यालय सेवापुरी के प्रोफेसर एसएन वर्मा ने कहा कि इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है। जो समाज को धर्मियता का उचित पथ बतलाता है।

प्रोफेसर पंकज कुमार झा ने इतिहास की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अतीत से प्रेरणा लेकर ही सुखद धर्मियता का निर्माण हो सकता है। संचालन इतिहास विभाग प्रभारी प्रोफेसर शाहिद परवेज ने तथा तकनीकी सहायता रवीन्द्र कुमार वर्मा ने किया। मुख्य शालिका डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, राजेश यादव, कुँवर संजय भारती, डॉ. अतुल कन्नौजिया, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, डॉ. नंदन सिंह, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. सुनीता, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अवधेश नंदनी व छात्राएं संगोष्ठी में उपस्थित रहीं।

## एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकर नगर— रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोकाती सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ० सुचिता एसोसिएट प्रोफेसर हिन्दी ने कहा कि स्त्री-मुक्ति चेतना हिन्दी उपन्यास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो पुरुष वर्चस्ववाद को तोड़ने का रचनात्मक प्रयास कर रही है। अफ़का बंदी उपन्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उपन्यास के माध्यम से नन्-

भंडारी ने सिर्फ बाल विमर्श ही नहीं, नारी विमर्श की बातों को भी खामने लाने का प्रयास किया है। नारी मन की व्यथा और उसकी वेदना, ऐसा लगता है मानो शकुन एक नारी, एक माँ



दोनों पार्टों में पिस कर रह गईं। वर्तमान मध्य और निम्न मध्य वर्ग की उस औरत का प्रतिनिधित्व कर रही है, जो निरंतर प्रगति और उत्थान की नयी-नयी इबारतें लिख रही है। अगर काम नहीं करती है, घर से कदम नहीं उठाती है तो

उसका खुद का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है और अगर गृहस्थी छोड़ कर काम करने निकलती है फिर पारिवारिक जीवन को खतरे में डालती है, वहीं से शुरू होता है संघर्ष, दो-दो

जिंदगियाँ जीने का। औरत को भी महत्वकांक्षी होने का अधिकार है। पुरुष के बराबर वो क्यों दबी-सहमी रहे या उस पर निर्भर रहे? यह सवाल मुंह बाये खड़ा ही रहता है! प्रोफेसर कमलेश वर्मा प्रोफेसर कमलेश वर्मा राजकीय महिला

महाविद्यालय सेवापुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि फणीश्वर नाथ रेणु के मैला जांचल उपन्यास के स्त्री विमर्श पर बात करें तो स्पष्ट होता है कि नारी मुहोर्षी अभिर्चक और नारी दृष्टि से 'मूठया' बन करने पर हम उन छिपे हुए 'त'ुखी' को जोड़ पाते हैं जो रेणु की 'नारी विधायक सूक्ष्मदृष्टि' को मूल थे। उपन्यास में लक्ष्मी नारी शोषण के चरम का प्रतीक तो है ही, लेकिन समाज में एक विधवा और अबला नारी की क्या स्थिति होती है इस बात पर रेणु ने मंगला देवी का आभार लेकर कलम चलाई है। इसके अलावा लेखक ने कुछ चरित्रों को माध्यम से स्त्रियों के प्रति दोहरी मानसिकता का परिचय भी दिया।

— बालदेव और कालीचरण एक और स्त्रियों के प्रति एक विशेष प्रकार की सोच और कुटा से ग्रसित हैं और दूसरी ओर कुछ स्त्रियों के प्रति उनके मन में श्रद्धा और अंतर का स्वभाव है। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शाखा प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि कहा कि हिन्दी उपन्यास पर स्त्री-विमर्श का गहरा प्रभाव पड़ा है और वैसे-वैसे यह प्रभाव बढ़ता जा रहा है। कृष्ण सोबती, नन्नु भंडारी, उषा प्रियंवदा आदि ने स्त्री-जीवन का सामाजिक अंकन प्रारंभ किया था जो बाद के उपन्यासों में और घनीभूत हुआ है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर शाहिद परवेज द्वारा किया गया वह तकनीकी सहयता रवीन्द्र कुमार वर्मा द्वारा प्रदान की गई।

## आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

आनन्दी मेल संवादप्रदाता

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोकाती सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ० सुचिता, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी ने कहा कि स्त्री-मुक्ति चेतना हिन्दी उपन्यास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो पुरुष वर्चस्ववाद को तोड़ने का रचनात्मक प्रयास कर रही है। अफ़का बंदी उपन्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उपन्यास के माध्यम से नन्-



नारी विमर्श की बातों को भी खामने लाने का प्रयास किया है। नारी मन की व्यथा और उसकी वेदना, ऐसा लगता है मानो शकुन एक नारी, एक माँ दोनों पार्टों में पिस कर रह गईं। वर्तमान मध्य और निम्न मध्य वर्ग की उस औरत का प्रतिनिधित्व कर रही है, जो निरंतर प्रगति और उत्थान की नयी-नयी इबारतें लिख रही है।

अगर काम नहीं करती है, घर से कदम नहीं उठाती है तो उसका खुद का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है और अगर गृहस्थी छोड़ कर काम करने निकलती है फिर पारिवारिक जीवन को खतरे में डालती है, वहीं से शुरू होता है संघर्ष, दो-दो जिंदगियाँ जीने का। औरत को भी महत्वकांक्षी होने का अधिकार है।

पुरुष के बराबर वो क्यों दबी-सहमी रहे या उस पर निर्भर रहे यह सवाल मुंह बाये खड़ा ही रहता है। प्रोफेसर कमलेश वर्मा प्रोफेसर कमलेश वर्मा राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि फणीश्वर नाथ रेणु के मैला जांचल उपन्यास के स्त्री विमर्श पर बात करें।



# आज़ादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन



**दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान वृत्ति अम्बेडकर नाम**

रामदास रामजीय महिला से.जे. कॉलेज अम्बेडकर, अम्बेडकर नगर में एलेक्ट्रॉनिक संगोष्ठी का आयोजन - अम्बेडकर के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श- विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के ज्ञानार्थ व सहायक प्रोफेसर शोभनी सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर राखीद परसेज के संयोजकत्व में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ० सुनिता, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली ने कहा कि स्त्री-युक्ति चेतना' हिंदी उपन्यास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो पुरुष वर्चस्ववाद को तोड़ने का

सबसे अधिक प्रयत्न कर रही है। अक्सर बड़ी उपन्यास का चित्र बनाने हुए उन्होंने कहा कि उपन्यास के माध्यम से यह संघर्ष में विमर्श बनाए विमर्श ही नहीं, नारी विमर्श की धारों को भी समझे सपने का प्रकट किया है। पहले नया नया और जल्दी से, ऐसा लगता है पहले बहुत कम नहीं, एक ही दोषों धारों में फिसल कर जा रही। सर्वोच्च सत्य और विमर्श सत्य नहीं की उस ज़िंदगी का प्रतिबिम्ब बन रही है, जो विमर्श प्रतीति और जल्दी की नयी-नयी इच्छाएँ लिख रही है। अगर बस नहीं करते हैं, पर से नरम नहीं उठते हैं तो उनका खुद का अस्तित्व छल्लों में यह जगत है और अगर कुल्लों लेटकर नरम करने निकलती है फिर प्रतिबिम्ब

जीवन को खारे में खलती है, वहीं से शुरू होता है संघर्ष, 'दे-दो विमर्श' होने का। औरत को भी महत्वपूर्ण होने का अर्थवाद है। पुरुष के वर्चस्ववाद को बने एकात्मता को या उस पर निर्भर रहे? यह सवाल मुझे बने खड़ा ही रहता है प्रोफेसर बरमेश का प्रोफेसर बरमेश का प्रोफेसर महिला महाविद्यालय सेवापुरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि स्त्रीविमर्श का यह सेना अन्वेषण उपन्यास के स्त्री विमर्श पर बना करे दो एकात्मता है कि नारी मुझे भी प्रतिबिम्बित और नारी मुझे से मूल्यवान करने पर इस बात जिसे हुए नरुमी को जोड़ फले हैं जो नारी को 'नारी विमर्श-एकमुद्रि' के मूल में उपन्यास में लक्ष्मी नारी विमर्श के साथ बना प्रतीति को है ही, लेकिन सत्यन में एक विषय और अन्वेषण नारी को क्या स्थिति होती है इस बात पर नैपु ने जोर देते हुए का अन्वेषण विमर्श बनाने चलाई है। इसके अन्वेषण विमर्श ने कुछ नारीयों के माध्यम से विमर्श के प्रति दोषों चर्चामत्त का परिचय भी दिया है- बालदेव और बालदेवण एक और विमर्श के प्रति एक विषय प्रकट को सौच और कृष्ण से प्रकट हैं और दुर्गा और कुल्लियों के प्रति उनके मन में बड़ा और अर्थ का भाव भी है। इस अवसर पर प्रोफेसर रामदास रामजीय, प्रोफेसर राखीद परसेज, नरम ने कहा कि प्रोफेसर डॉ० ज्ञानार्थ का प्रस्ताव प्रकट है और डॉ०-पति यह प्रस्ताव प्रकट न कर है। सुनिता शोभनी, वक्तु संघर्षी, जब विमर्श अर्थि ने स्त्री-जीवन का प्रारम्भिक अन्वेषण प्रकट किया था जो बाद के उपन्यासों में और संशोधन हुआ है। संगोष्ठी का संयोजक व अध्यक्ष प्रोफेसर राखीद परसेज द्वारा किया गया था। उपन्यासों के माध्यम से स्त्रीय विमर्श का प्रकट रूपों द्वारा प्रकट करे गई।

# स्त्री विषय पर आनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अम्बेडकरनगर। रामदास रामजीय महिला से.जे. कॉलेज अम्बेडकर में एलेक्ट्रॉनिक संगोष्ठी के अंतर्गत अम्बेडकर के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व सहायक प्रोफेसर शोभनी सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर राखीद परसेज के संयोजकत्व में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ० सुनिता, एसोसिएट प्रोफेसर, दिल्ली ने कहा कि स्त्री-युक्ति चेतना' हिंदी उपन्यास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो पुरुष वर्चस्ववाद को तोड़ने का सबसे अधिक प्रयत्न कर रही है। अक्सर बड़ी उपन्यास का चित्र बनाने हुए उन्होंने कहा कि उपन्यास के माध्यम से यह संघर्ष में विमर्श बनाए विमर्श ही नहीं, नारी विमर्श की धारों को भी समझे सपने का प्रकट किया है। पहले नया नया और जल्दी से, ऐसा लगता है पहले बहुत कम नहीं, एक ही दोषों धारों में फिसल कर जा रही। सर्वोच्च सत्य और विमर्श सत्य नहीं की उस ज़िंदगी का प्रतिबिम्ब बन रही है, जो विमर्श प्रतीति और



उत्पत्ती की नयी-नयी इच्छाएँ लिख रही है। अगर बस नहीं करते हैं, पर से नरम नहीं उठते हैं तो उनका खुद का अस्तित्व छल्लों में यह जगत है और अगर कुल्लों लेटकर नरम करने निकलती है फिर प्रतिबिम्ब जीवन को खारे में खलती है, वहीं से शुरू होता है संघर्ष, 'दे-दो विमर्श' होने का। औरत को भी महत्वपूर्ण होने का अर्थवाद है। पुरुष के वर्चस्ववाद को बने एकात्मता को या उस पर निर्भर रहे? यह सवाल मुझे बने खड़ा ही रहता है।

प्रोफेसर बरमेश का प्रोफेसर बरमेश का प्रोफेसर महिला महाविद्यालय सेवापुरी ने अपने वक्तव्य में कहा कि उपन्यास के माध्यम से विमर्श का प्रकट किया है। पहले नया नया और जल्दी से, ऐसा लगता है पहले बहुत कम नहीं, एक ही दोषों धारों में फिसल कर जा रही। सर्वोच्च सत्य और विमर्श सत्य नहीं की उस ज़िंदगी का प्रतिबिम्ब बन रही है, जो विमर्श प्रतीति और जल्दी की नयी-नयी इच्छाएँ लिख रही है। अगर बस नहीं करते हैं, पर से नरम नहीं उठते हैं तो उनका खुद का अस्तित्व छल्लों में यह जगत है और अगर कुल्लों लेटकर नरम करने निकलती है फिर प्रतिबिम्ब

अन्वेषण नारी को क्या स्थिति होती है इस बात पर नैपु ने जोर देते हुए का अन्वेषण विमर्श बनाने चलाई है। इसके अन्वेषण विमर्श ने कुछ नारीयों के माध्यम से विमर्श के प्रति दोषों चर्चामत्त का परिचय भी दिया है- बालदेव और बालदेवण एक और विमर्श के प्रति एक विषय प्रकट को सौच और कृष्ण से प्रकट हैं और दुर्गा और कुल्लियों के प्रति उनके मन में बड़ा और अर्थ का भाव भी है। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य प्राध्यापक, प्रोफेसर राखीद परसेज

वर्षों में कहा कि प्रकट कि हिंदी उपन्यास पर स्त्री-विमर्श का प्रकट प्रयास प्रकट है और डॉ०-पति यह प्रस्ताव प्रकट न कर है। सुनिता शोभनी, वक्तु संघर्षी, जब विमर्श अर्थि ने स्त्री-जीवन का प्रारम्भिक अन्वेषण प्रकट किया था जो बाद के उपन्यासों में और संशोधन हुआ है। संगोष्ठी का संयोजक व अध्यक्ष प्रोफेसर राखीद परसेज द्वारा किया गया था। उपन्यासों के माध्यम से स्त्रीय विमर्श का प्रकट रूपों द्वारा प्रकट करे गई।

## नारी मन की व्यथा और उसकी वेदना समझना जरूरी : डॉ. सुचिता

ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कर स्त्री विमर्श विषय पर हुई चर्चा

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। बुधवार को रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में एकेडमिक सेलसिटी के अंतर्गत आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. सुचिता एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी ने कहा कि स्त्री-मुक्ति चेतना हिन्दी उपन्यास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो मुख्य वर्चस्ववाद को तोड़ने का रचनात्मक प्रयत्न कर रही है। आपका बंदी उपन्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उपन्यास के माध्यम से मधु भंडारी ने सिर्फ बाल विमर्श ही



नहीं, नारी विमर्श की बातों को भी सामने लाने का प्रयास किया है। नारी मन की व्यथा और उसकी वेदना, ऐसा लगता है मानो शकुन एक नारे, एक याँ दोनों पाटों में पिस कर रह गई। वर्तमान मध्य और निम्न मध्य वर्ग को उस औरत का प्रतिनिधित्व कर रही है जो निरंतर प्रगति और उन्नति की नहीं-नहीं इबारतें लिख रही है। अगर काम नहीं करती है, घर से कदम नहीं उठती है तो उसका खुद का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है और अगर गृहस्थी छोड़ कर काम करने निकलती है फिर पारिवारिक जीवन को खतरे में डालती है, वहीं से शुरू होता है संघर्ष, दो-दो जिंदगियाँ जीने का। औरत को भी महत्वकांक्षी होने का अधिकार है। पुरुष के बरअक्स वो क्यों दबी-सहमी रहे या उस पर निर्भर रहे यह सवाल मुँह बन्दे खड़ा ही रहता है।

प्रोफेसर कमलेश वर्मा प्रोफेसर कमलेश वर्मा राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि फणीश्वर नाथ रेणु के मैला आंचल उपन्यास के स्त्री विमर्श पर बात करें तो स्पष्ट होता है कि नारी मुझे बड़े अभिव्यक्ति और नारी दृष्टि से मूल्यांकन करने पर हम उन छिपे हुए तंतुओं को जोड़ पाते हैं जो रेणु की 'नारी विषयक सूक्ष्मदृष्टि' के मूल थे। उपन्यास में लक्ष्मी नामी शोषण के चरम का प्रतीक तो है ही, लेकिन

समाज में एक विषय और अमला नारी की क्या स्थिति होती है। इस बात पर रेणु ने मैला रेणु का आंधर लेखन करवाया है इसके अलावा लेखक ने कुछ चर्चियों के माध्यम से दिवसों के प्रति दोहरी मानसिकता का परिचय भी दिया है-बालदेव और कालीचरण एक ओर स्त्रियों के प्रति एक विशेष इतर की सोच और कुछ से प्रतिष्ठित हैं और दूसरी ओर कुछ दिवसों के प्रति उनके मन में बड़ा और आदर का भाव भी है इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शस्त्रा, प्रोफेसर अश्विनी कुमार वर्मा ने कहा कि कहा कि हिन्दी उपन्यास पर स्त्री-विमर्श का गहरा प्रभाव पड़ है और धीरे-धीरे यह प्रभाव बढ़ता जा रहा है। मधु भंडारी, उषा शिरोकटा आदि ने स्त्री-जीवन का प्रामाणिक अंकन प्रारंभ किया था जो बाद के उपन्यासों में और बनीभूत हुआ है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर शाहिद परवेज द्वारा किया गया वह तकनीकी सहायता रवीन्द्र कुमार वर्मा द्वारा प्रदान की गई।

दिनांक : 17/11/2022 रीडर मैसंजर

## स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

शिराजा शंकर गुप्ता, रीडर्स मैसंजर नेटवर्क

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में एकेडमिक सेलसिटी के अंतर्गत आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. सुचिता, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी ने कहा कि स्त्री-मुक्ति चेतना हिन्दी उपन्यास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो पुरुष वर्चस्ववाद को तोड़ने का रचनात्मक प्रयत्न कर रही है। आपका बंदी उपन्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उपन्यास के माध्यम से मधु



भंडारी ने सिर्फ बाल विमर्श ही नहीं, नारी विमर्श की बातों को भी सामने लाने का प्रयास किया है। नारी मन की व्यथा और उसकी वेदना, ऐसा लगता है मानो शकुन एक नारी, एक माँ दोनों पाटों में पिस कर रह गई। वर्तमान मध्य और निम्न मध्य वर्ग की उस औरत का प्रतिनिधित्व कर रही है, जो निरंतर प्रगति और उन्नति की नहीं-नहीं इबारतें लिख रही है। अगर काम नहीं करती है, घर से

कदम नहीं उठती है तो उसका खुद का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है और अगर गृहस्थी छोड़ कर काम करने निकलती है फिर पारिवारिक जीवन को खतरे में डालती है, वहीं से शुरू होता है संघर्ष, दो-दो जिंदगियाँ जीने का। औरत को भी महत्वकांक्षी होने का अधिकार है। पुरुष के बरअक्स वो क्यों दबी-सहमी रहे या उस पर निर्भर रहे यह सवाल मुँह बन्दे खड़ा ही रहता है। प्रोफेसर कमलेश वर्मा प्रोफेसर कमलेश वर्मा राजकीय महिला महाविद्यालय सेवापुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि फणीश्वर नाथ रेणु के मैला आंचल उपन्यास के स्त्री विमर्श पर बात करें तो स्पष्ट होता है कि नारी मुझे बड़े अभिव्यक्ति और नारी दृष्टि से मूल्यांकन करने पर हम उन छिपे हुए तंतुओं को जोड़ पाते हैं जो रेणु की 'नारी विषयक सूक्ष्मदृष्टि' के मूल थे।

# आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर-रवावर्डी राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अम्बेडकरनगर में एकेडमिक सोसाइटी के अर्थात् आजादी के बाद हिन्दी उपन्यासों में स्त्री विमर्श विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ० सुचिता एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी ने कहा कि स्त्री-मुक्ति 'चेतना' हिन्दी उपन्यास का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो पुरुष वर्चस्ववाद को तोड़ने का रचनात्मक प्रयास कर रही है। आपका नंदी उपन्यास का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उपन्यास के माध्यम से मनु भंडारी ने सिर्फ बाल विमर्श ही नहीं, नारी विमर्श की बातों को भी सामने लाने का प्रयास किया है। नारी मन की व्यथा और उसकी वेदना, ऐसा लगता है माने शकून एक नारी, एक माँ दोनों पाठों में पिस कर रह गई। वर्तमान मध्य और निम्न मध्य वर्ग की उस

औरत का प्रतिनिधित्व कर रही है, जो निरंतर प्रगति और उन्नति की नयी-नयी इबारतें लिख रही है। अगर काम नहीं करती है, घर से कदम नहीं उठाती है तो उसका खुद का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है और अगर गृहस्थ छोड़ कर काम करने निकलती है फिर पारिवारिक जीवन को खतरे में डालती है, वहीं से शुरू होता है संघर्ष, दो-दो जिंदगियाँ जीने का। औरत को भी महत्वकांशी होने का अधिकार है। पुरुष के बरअक्स वो क्यों दबी-सहमी रहे या उस पर निर्भर रहे? यह सवाल मुंह बाये खड़ा ही रहता है। प्रोफेसर कमलेश वर्मा प्रोफेसर कमलेश वर्मा राजकीय महिला महाविद्यालय सेवतपुरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि फनीशर नाथ रेणु के मैला ऑनलाइन उपन्यास के स्त्री विमर्श पर बात करें तो स्पष्ट होता है कि नारी मुर्चों की अभिव्यक्ति और नारी दृष्टि से मूल्यांकन करने पर हम उन छिपे हुए तंतुओं को जोड़ पाते हैं जो रेणु की 'नारी विषयक सूक्ष्मदृष्टि' के मूल थे। उपन्यास में लक्ष्मी नारी शोषण के चरम का प्रतीक तो है ही,

लेकिन समाज में एक विधवा और अबला नारी की क्या स्थिति होती है इस बात पर रेणु ने मंगला देवी का आधार लेकर कलम चलाई है। इसके अलावा लेखक ने कुछ चरित्रों के माध्यम से स्त्रियों के प्रति दोहरी मानसिकता का परिचय भी दिया है-बालदेव और कालीचरण एक ओर स्त्रियों के प्रति एक विशेष प्रकार की सोच और कृत्य से ग्रसित हैं और दूसरी ओर कुछ स्त्रियों के प्रति उनके मन में श्रद्धा और आदर का भाव भी है। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि कहां कि हिन्दी उपन्यास पर स्त्री-विमर्श का बहरा प्रभाव पड़ा है और धीरे-धीरे यह प्रभाव बढ़ता जा रहा है। कृष्णा सोबती, मनु भंडारी, उषा प्रियंवदा आदि ने स्त्री-जीवन का प्रामाणिक अंकन प्रारंभ किया था जो बाद के उपन्यासों में और घनीभूत हुआ है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर शाहिद परवेज द्वारा किया गया व तकनीकी सहायता रवीन्द्र कुमार वर्मा द्वारा प्रदान की गई।

दिनांक : 18/11/2022 हिन्दुस्तान

## बायोटेक्नोलॉजी से खेती हाइटेक हुई: डॉ. डीडी पांडेय

**संगोष्ठी**

अम्बेडकरनगर, संसाधन। राजकीय राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अम्बेडकरनगर एकेडमिक सोसाइटी के द्वारा 'बायोटेक्नोलॉजी एवं मध्यम जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी हुई। प्राचार्य शोफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में हुई संगोष्ठी में डॉ. डीडी पांडेय व बायोटेक्नोलॉजी एवं मध्यम जीवन में

- बायोटेक्नोलॉजी एवं मध्यम जीवन में उसके उपयोग पर संगोष्ठी
- डॉ. डीडी पांडेय के उपस्थित में बायोटेक्नोलॉजी के बारे में सत्र चल रहा

बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग या उनमें सुधार का आयोजन किया जाता है। इसके अंतर्गत अन्न क्षेत्र समन्वित है। स्वास्थ्य और शिक्षा, कृषि, पर्यावरण, उद्योग और परिवार प्रमुख है। मध्यम स्वास्थ्य से जीवन के जीवितकाल एवं जैविक तंत्रों के उपयोग पर, आनुवंशिक वैज्ञानिक तंत्रों की चर्चा करने हुए हाइटेक जीवन एवं चर्चा के उपखंड में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग सतत रूप से होता है। इससे पर्यावरण का सुदृढीकरण तथा नई औद्योगिकों से लागू करने की आवश्यकता दृष्टिगत रखा करे नई खोजों में बायो टेक्नोलॉजी करी न कहीं हमें जानने देखने को मिलती है। संवाहन एवं विज्ञान प्रकाश विज्ञान विज्ञान, प्रो. सुधा, कुमर मजरा धारणी, उर्वरक कर्त: डॉ० अरुण कर्नोजिक, डॉ० महेंद्र पाटन, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ० भानु प्रताप राय, डॉ० मनोज सुधा, डॉ० सुनील, कर्नोजिक प्रिंस, डॉ० अजीत प्रताप सिंह, आरंभित वेदनी व छात्रों उद्योग्यता रही।

# बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर-रमाचर्च गुजरात महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में एकैडमिक सोसाइटी के अंतर्गत बायो टेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर रोमाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर ललित राजेश के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी. पी. पांडेय ने बायो टेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि जीव प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवपरियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं। जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग और पर्यावरण आदि। मानव स्वास्थ्य में जीन के मॉडिफिकेशन एवं जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की चर्चा की। हाइब्रिड बीजे एल फलों के उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रकृति के दुष्प्रभावों को रोकने में बायो

टेक्नोलॉजी के प्रवास, आधुनिक औषधियों के उत्पादन, जीन ड्रिस्क के बनाने में बायो टेक्नोलॉजी के उपयोग पर अपना विचार रखा। एंजाइम, हार्मोन, नए एंटीबायोटिक्स के बनाने में और बायोटेक्नोलॉजी का ही प्रयोग था जिसने भारत के साथ-साथ अन्य देशों को भी वैश्वीय उल्लस्य कराया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे पर्यावरण का सुदृढिकरण तथा नई औषधियों से लड़ने की आवश्यक दवाइयों तथा कई नई खादों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है। माना जा रहा है अने वाले समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें भ्रंशकर मछमारी से बचा सकती है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. सुधा, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ. अतुल कर्नैलिया, डॉ. महेंद्र रावत, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ. प्रताप राय, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. सुनील, चर्चितना प्रिया, डॉ. अनील प्रताप सिंह, अश्वेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

04

अम्बेडकर

शालिवार, सुक्रवार 18 नवंबर 2022

केसरिया हिन्दुस्तान

# बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी



माना जा रहा है अने वाले समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें भ्रंशकर मछमारी से बचा सकती है

सैनिक केसरिया हिन्दुस्तान पुरी अम्बेडकर नगर अम्बेडकर रायचौप महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर

अम्बेडकर नगर में एकैडमिक सोसाइटी के अंतर्गत - बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर रोमाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर ललित राजेश के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी. पी. पांडेय जी ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि जीव प्रौद्योगिकी का उपयोग है जिसमें जीवधारियों व

जीवपरियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं। जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग और पर्यावरण आदि। मानव स्वास्थ्य में जीन के मॉडिफिकेशन एवं जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की चर्चा की। हाइब्रिड बीजे एल फलों के उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रकृति के दुष्प्रभावों को रोकने में बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग, आधुनिक औषधियों के उत्पादन, जीन ड्रिस्क के बनाने में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग पर अपना विचार रखा। एंजाइम, हार्मोन, नए एंटीबायोटिक्स के बनाने में और बायोटेक्नोलॉजी का ही प्रयोग था जिसने भारत के साथ-साथ अन्य देशों को भी वैश्वीय उल्लस्य कराया। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे पर्यावरण का सुदृढिकरण तथा नई औषधियों से लड़ने की आवश्यक दवाइयों तथा कई नई खादों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है। माना जा रहा है अने वाले समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें भ्रंशकर मछमारी से बचा सकती है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. सुधा, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ. अतुल कर्नैलिया, डॉ. महेंद्र रावत, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ. प्रताप राय, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. सुनील, चर्चितना प्रिया, डॉ. अनील प्रताप सिंह, अश्वेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

## एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी.डी. पांडेय जी ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं, जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग और पर्यावरण आदि। मानव स्वास्थ्य में जीन के मॉडिफिकेशन एवं

जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की चर्चा की। ट्रांसजेनिक बीजों एवं फलों के उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रकृति के दुष्प्रभावों को रोकने में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयास, आधुनिक औषधियों के उत्पादन

पर्यावरण का शुद्धिकरण तथा नई बीमारियों से लड़ने की आवश्यक दवाइयों तथा कई नई खोजों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है। माना जा रहा है आने वाले समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें भयंकर



जैव उर्वरक के बनाने में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग पर अपना विचार रखा। एंजाइम, हार्मोन, नए एंटीबॉडी के बनाने में औषध बायोटेक्नोलॉजी का ही प्रयोग था जिसने भारत के साथ-साथ अन्य देशों को भी वैकसीन उपलब्ध कराई। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे

महामारी से बचा सकती है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो.सुधा, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ.अतुल कर्नौजिया, डॉ. महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा. भानु प्रताप राय, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ.सुनीता, चार्लोतिना प्रिया, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, श्रीमती अमपेरा नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

### बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी.डी. पांडेय जी ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं, जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग और पर्यावरण आदि। मानव स्वास्थ्य में जीन के मॉडिफिकेशन एवं जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की चर्चा की। ट्रांसजेनिक बीजों एवं फलों के उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रकृति के दुष्प्रभावों को रोकने में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयास, आधुनिक औषधियों के उत्पादन, जैव उर्वरक के बनाने में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग पर अपना विचार रखा। एंजाइम, हार्मोन, नए एंटीबॉडी के बनाने में औषध बायोटेक्नोलॉजी का ही प्रयोग था जिसने भारत के साथ-साथ अन्य देशों को भी वैकसीन उपलब्ध कराई। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे पर्यावरण का शुद्धिकरण तथा नई बीमारियों से लड़ने की आवश्यक दवाइयों तथा कई नई खोजों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है। माना जा रहा है आने वाले समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें भयंकर महामारी से बचा सकती है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो.सुधा, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ.अतुल कर्नौजिया, डॉ. महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा. भानु प्रताप राय, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ.सुनीता, चार्लोतिना प्रिया, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, श्रीमती अमपेरा नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

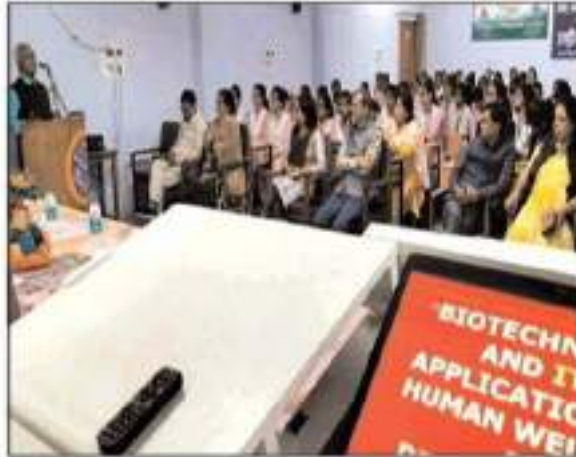
## फैजाबाद की आवाज 3

# ऑनलाइन गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रफुल्ल श्रीवास्तव

अम्बेडकर नगर (फैजाबाद की आवाज)। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में एक-दैनिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी.डी. चडिध ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया जाता है। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग लगभग



हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे परिवारण का सुदृढकरण तथा नई बीमारियों से लड़ने की आवश्यक दवाइयों तथा कई नई खोजों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है। संगोष्ठी का संयोजन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस

अवसर पर महाविद्यालय के प्रो.सुख, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ.अतुल कर्नौनिया, डॉ.महेंद्र वाद्य, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ.पानु प्रताप राय, डॉ.मनोज गुप्त, डॉ.एसुनील, खलौतिना प्रिया, डॉ.अनीत प्रताप सिंह, श्रीमती अक्शय नंदनी व महाविद्यालय की सखार्य उपस्थित थीं।

दिनांक : 18/11/2022 राष्ट्रीय जजमेंट

## बायोटेक्नोलॉजी का मानव जीवन में उपयोग विषय पर विस्तृत चर्चा

राष्ट्रीय जजमेंट

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में एक-दैनिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संयोजकत्व में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी.डी. चडिध जी ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित



हैं, जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण, उद्योग और परिवारण आदि मानव स्वास्थ्य में जीन के माडिफिकेशन एवं जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की चर्चा की। शाहिद जी एवं फलै के उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रकृति के दुष्प्रभावों को रोकने में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयास,

आधुनिक औद्योगिकों के उत्पादन, जैव उर्वरक के बनने में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग पर अपना विचार रखे। एंजाइम, हार्मोन, नए एंटीबॉडी के बनाने में औषधि बायोटेक्नोलॉजी का ही प्रयोग था जिसने भारत के साथ-साथ अन्य देशों को भी वैश्वीन उपलब्ध कराई। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का

उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे परिवारण का सुदृढकरण तथा नई बीमारियों से लड़ने की आवश्यक दवाइयों तथा कई नई खोजों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है। आज का दौर है अनेक नए समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें परिवारण महामारी से बचा सकती है। संगोष्ठी का संयोजन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो.सुख, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ.अतुल कर्नौनिया, डॉ.महेंद्र वाद्य, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ.पानु प्रताप राय, डॉ.मनोज गुप्त, डॉ.एसुनील, खलौतिना प्रिया, डॉ.अनीत प्रताप सिंह, श्रीमती अक्शय नंदनी व महाविद्यालय की सखार्य उपस्थित थीं।

# बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

आनन्दी मेल संवाददाता

अंबेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अफ वरपुर अंबेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्रान्तिय व सरलक प्रोफेसर देवकाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संचालन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी.डी. फंडेय जी ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने बताया कि जीव प्रौद्योगिकी यह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं, जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण, उद्योग और परिवारण आदि (मानव स्वास्थ्य में जीन के मॉडिफिकेशन एवं जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक प्रोथों की चर्चा



की। हाइब्रिड जीनो एवं प्लांट के उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रकृति के दुष्प्रभावों को रोकने में बायोटेक्नोलॉजी के प्रयास, आधुनिक औषधियों के उत्पादन, जीव उत्पन्न के बनाने में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग पर अपना विचार रखा। एंजाइम, हार्मोन, नए एंटीबायोटिक के बनाने में जीव बायोटेक्नोलॉजी का ही प्रयोग था जिसने भारत को सहा-साथ अन्य देशों को भी वैश्वीय उपलब्ध कराई। इस अवसर पर अपने अन्वेषीय वद्वोधन में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे परिवारण का

शुद्धिकरण तथा गैर जीमारियों से राहने की आवश्यक उपकरणों तथा कई नई खोजों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है (मानव जा रहा है आने वाले समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें भयंकर महामारी से बचा सकता है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो.मुधा, कुंजर संजय भाली, रवीन्द्र वर्मा, डॉ.अनुरा कर्णविवर, डॉ महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विद्यकर्मा, डा भन्नु प्रताप राय, डॉ मधोक गुला, डॉ.सुनीता, चार्लोतिना प्रिया, डॉ अमोठ प्रताप सिंह, श्रीमती अमधेश गंधारी व महाविद्यालय की अग्रणी उपस्थित थीं।

Title Code: UPHIN-50097

<http://bbliven>

बेनकाब भ्रष्टाचार (हिन्दी दैनिक)

भारत/गोरखपुर/उत्तरांच/देवरिया/सन्तकान्ठी

## बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर आनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

समाचार एवं सूत्री पीक केसरव संपादक रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अफ वरपुर अंबेडकर नगर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्रान्तिय व सरलक प्रोफेसर देवकाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शाहिद परवेज के संचालन में किया गया इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी.डी. फंडेय जी ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने बताया कि जीव प्रौद्योगिकी यह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया

जाता है। इनके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पर्यावरण, उद्योग और परिवारण आदि (मानव स्वास्थ्य में जीन के मॉडिफिकेशन एवं जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक प्रोथों की चर्चा की उन्होंने बताया कि जीव प्रौद्योगिकी यह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें सुधार का अध्ययन किया



अधीन उत्पादन में प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जा रहा है। हमारे परिवारण का शुद्धिकरण तथा गैर जीमारियों से राहने की आवश्यक उपकरणों तथा कई नई खोजों में बायो टेक्नोलॉजी कहीं न कहीं हमें जरूर देखने को मिलती है (मानव जा रहा है आने वाले समय में बायोटेक्नोलॉजी हमें भयंकर महामारी से बचा सकता है। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो.मुधा, कुंजर संजय भाली, रवीन्द्र वर्मा, डॉ.अनुरा कर्णविवर, डॉ महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विद्यकर्मा, डा भन्नु प्रताप राय, डॉ मधोक गुला, डॉ.सुनीता, चार्लोतिना प्रिया, डॉ अमोठ प्रताप सिंह, श्रीमती अमधेश गंधारी व महाविद्यालय की अग्रणी उपस्थित थीं।

हेतुमोक्षी का संकलन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ विजय प्रकाश सिंह द्वारा किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो.मुधा, कुंजर संजय भाली, रवीन्द्र वर्मा, डॉ.अनुरा कर्णविवर, डॉ महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विद्यकर्मा, डा भन्नु प्रताप राय, डॉ मधोक गुला, डॉ.सुनीता, चार्लोतिना प्रिया, डॉ अमोठ प्रताप सिंह, श्रीमती अमधेश गंधारी व महाविद्यालय की अग्रणी उपस्थित थीं।

# मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

लिटिंगा शंकर गुप्ता, रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

अंबेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में एकेडमिक सोसाइटी के अंतर्गत बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर शहीद परवेज के संयोजकत्व में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डॉ. डी.डी. पांडेय जी ने बायोटेक्नोलॉजी एवं मानव जीवन में उसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि जैव प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जिसमें जीवधारियों या जीवधारियों से प्राप्त होने वाले पदार्थों का उपयोग करके उत्पादों का निर्माण या उनमें



सुधार का अध्ययन किया जाता है। इसके अंतर्गत अनेक क्षेत्र सम्मिलित हैं, जैसे स्वास्थ्य और चिकित्सा, कृषि, पशुपालन,

उद्योग और पर्यावरण आदि। मानव स्वास्थ्य में जीन के मॉडिफिकेशन एवं जेनेटिकल रोगों के उपचार पर आधुनिक वैज्ञानिक शोधों की चर्चा की। हाइब्रिड बीजों एवं फलों के उत्पादन में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग के बारे में बताया। प्रकृति के दुष्प्रभावों को रोकने में

बायोटेक्नोलॉजी के प्रयास, आधुनिक औषधियों के उत्पादन, जैव उर्ध्वक के बनाने में बायोटेक्नोलॉजी के उपयोग पर अपना विचार रखा। एंजाइम, हार्मोन, नए एंटीबायोटिक के बनाने में औद्योगिक बायोटेक्नोलॉजी का ही प्रयोग था जिसने भारत के साथ-साथ अन्य देशों को भी वैकसीन उपलब्ध कराई।



# राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

अंबेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अंबेडकर नगर में कौमी एकता सत्र के अंतर्गत एकेडमिक सोसाइटी के तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर गुप्ता के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि भारत को विकसित बनाने में हमकी अपनी अलग-थकी विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि देश की महिलाएँ सक्रिय हों। देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध करना जरूरी है, जिससे उनका सर्वोत्तम विकास हो सके। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह महिलाओं की शक्ति को समर्थ और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करें, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण प्रदान कर सकें। मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर विजयलक्ष्मी ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आजादी के



समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलकर सक्रिय सहभागिता निभाते हुए राष्ट्र को साक्षित किया है। उचित राष्ट्र की कल्पना सभी वर्गों का रूप धारण कर सकती है, जब महिला सक्रिय होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला स्वयं सिद्ध है, वह पुरुषों की समर्थ है। आवश्यकता इन शक्तियों को महज प्रोत्साहन देने की है। किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य जब राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के सम्मिलित प्रयास आवश्यक हैं। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है तो निश्चित ही देश भी सुदृढ़ व सशक्त होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़े है। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनीता सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज

के पितृशासक सोप व दुर्लक्ष्य में बदलाव, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्माण से जुड़ी शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी, महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की गारंटीकरण व्यवस्था, परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य स्थलों को महिला द्वितीय बनाया जाना, उनकी नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना महिला को अधिकतर सशक्त बनाकर, उन्हें कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मिलनजनक रूप से अपनी योग्यताओं, क्षमताओं के बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर, एक सुशासक समाज का निर्माण कर, उसके वास्तविक को महिला द्वितीय बनाकर ही एक सशक्त शक्ति समाज को संकल्पना पूर्ण की जा सकती है। सभी महिला दिवस की एक राष्ट्र के वस्तुनिष्ठ विकास की संकल्पना एकांगी होगी, अर्थात् होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शिक्षक प्रो.अखिलेश वर्मा, कुंभ संसद भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ. अतुल कर्नोविया, डॉ. महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डॉ. पानु प्रताप राय, डॉ. मंगल गुप्त, डॉ. सुनीता, कलौतिया शिवा, डॉ. अनीत प्रताप सिंह, अविषा नंदी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।



# राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका: शेफाली

**रामबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अफ कानपुर में मनाया गया 100वीं एकता समारोह**

लोक भारती न्यूज थ्रू



अम्बेडकरनगर। बुधवार को रामबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अफ कानपुर में 100वीं एकता समारोह के अन्तर्गत एक उद्घोषक सोसाइटी के तन्वाधान राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेखली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर सुधा के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय की प्रचार्य प्रोफेसर शेखली सिंह ने कहा कि भारत को विकसित बनाने में इसकी जापी आबादी की विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है, कि देश की महिलाएं सशक्त हों। देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध करना जरूरी है, जिससे उनका योग्य विकास हो सके। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज के लिए यह आवश्यक है कि यह महिलाओं को शक्ति को समर्थ और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर सकें। प्रोफेसर शेखली सिंह ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आजादी के समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव

निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय सहभागिता निभाते हुए राष्ट्र को सशक्त किया है। आज राष्ट्र की कल्पना सभी वर्गों का रूप धारण कर सकती है, जब महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला सशक्त प्रोत्साहित है, वह पुरुषों की सभ्यता है। आवश्यकता इन शक्तियों को सशक्त प्रोत्साहित देने की है। किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य उस राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के सम्मिलित प्रयास आवश्यक हैं। यदि महिलाओं की शक्ति सुदृढ़ है तो विघ्न ही देता भी सुदृढ़ व सशक्त होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक हितसंगी नहीं है। इस अवसर पर डॉ. अशोक प्रोफेसर डॉ. सुनील सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज के पितृसत्तात्मक सोच व दृष्टिकोण में बदलाव, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्माण से जुड़े प्रक्रिया में महिलाओं की कार्यवाही महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य स्थलों को महिला हितों बनाया जाए, उनकी नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना महिला को अधिकतर संघन बनाकर, उन्हें कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मानजनक ढंग से अपनी योग्यताओं, क्षमताओं के बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर, एक सुरक्षात्मक समाज का निर्माण का, उनके कार्यक्षेत्र को महिला हितों बनाकर ही एक समावेशी समाज की संकल्पना पूर्ण की जा सकती है। तथा महिला दिवस को एक राष्ट्र के राष्ट्रियक निर्यात की संकेतिका एकमात्र होगी, अतः ही। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शिक्षक प्रो. अशोक वर्मा, कुंजर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ. अतुल कर्नोडिया, डॉ. महेश चवला, कुंजर सुधा निधकरणी, डॉ. भाद्र प्रसाद बन, डॉ. पनीर सुभा, डॉ. सुनील, वसुदेव प्रिय, डॉ. अमर प्रसाद सिंह, श्रीमती अश्वेश देवी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

दिनांक : 25/11/2022 राष्ट्रीय जजमेंट

## राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका, विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय जजमेंट

अम्बेडकरनगर। रामबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अफ कानपुर में 100वीं एकता समारोह के अन्तर्गत एक उद्घोषक सोसाइटी के तन्वाधान राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका, विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेखली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर सुधा के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपनी अध्यक्षीय उद्घोषण में भारत को विकसित बनाने में इसकी जापी आबादी की विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि देश की महिलाएं सशक्त हों। देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध करना जरूरी है, जब महिलाओं की शक्ति को समर्थ और महिलाओं की आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर सकें। राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आजादी के समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय सहभागिता निभाते हुए राष्ट्र को सशक्त किया है। आज राष्ट्र की कल्पना सभी वर्गों का रूप धारण कर सकती है, जब

महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला सशक्त प्रोत्साहित है, वह पुरुषों की सभ्यता है। आवश्यकता इन शक्तियों को सशक्त प्रोत्साहित देने की है। किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य उस राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के सम्मिलित प्रयास आवश्यक हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज के पितृसत्तात्मक सोच व दृष्टिकोण में बदलाव, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्माण से जुड़े प्रक्रिया में महिलाओं की कार्यवाही, महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की मांगिनी आवश्यकता, परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य स्थलों को महिला हितों बनाया जाए, उनकी नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना महिला को अधिकतर संघन बनाकर, उन्हें कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मानजनक ढंग से अपनी योग्यताओं, क्षमताओं के बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर, एक सुरक्षात्मक समाज का निर्माण कर, उनके कार्यक्षेत्र को महिला हितों बनाकर ही एक समावेशी समाज की संकल्पना पूर्ण की जा सकती है।

# राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्वातंत्र प्रभात

**अमरोहतकनगर-समाज** राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अंडेडकर नगर में चौथी एकता सप्ताह के अन्तर्गत एकेडेमिक सेमिनारों के तत्कालीन राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर सुधा के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत को विकसित बनाने में इसकी आधी आधाई की विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि देश की महिलाएं सशक्त हों। देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह महिलाओं को शक्ति को सन्देश और महिलाओं की आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करे, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान कर सकें। सुद्धा ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं को आत्म भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आधुनिक



समाज से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय सहभागिता निर्याते हुए राष्ट्र को सशक्त किया है। आज राष्ट्र को कल्पना तथा स्वार्थ परमा धारण कर सकती है, जब महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला स्वयं सिद्धा है, वह पुरुषों को सम्पन्न है। आवश्यकता इन शक्तियों को मान्य प्रोत्साहन देने की है। किन्तु वे राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का उत्तर इस राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के स्त्रीमूलित प्रयास आवश्यक हैं। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है तो निश्चित ही देश भी सुदृढ़ व सशक्त होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक स्थितियाँ बड़ी हैं। इस अन्तर्गत पर अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ सुनीता सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज

के विद्युत्कारक-सोच व दृष्टिकोण में बदलाव, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के विवेक से जुड़ी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी, महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की महिलाओं के अधिकार, परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कर्म स्थलों को महिला हितों, बनाया जाना, उनके नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना/महिला को अधिकार संगत बनाना, उनके कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मानजनक रूप से अपनी योग्यताओं, क्षमताओं के बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर, एक सुव्यवस्थाक समाज का निर्माण कर, उनके कार्यस्थल को महिला हितों पर ध्यान देना, एक स्वयंसेवी समाज को संवर्धन पूर्ण की जा सकती है। सभी महिला शिक्षा को एक राष्ट्र के न्यायिक विचारों की संरक्षण प्रदान करनी, अपूर्ण होनी। इस अन्तर्गत पर महाविद्यालय के सुद्धा ने कहा डॉ अश्विनी वर्मा, कुल संयोजक भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ अशुतोष कन्नौज्या, डॉ मंडी शर्मा, कुल सुधार विधायिका, डॉ पद्म प्रताप राय, डॉ मनोज सुधा, डॉ सुनीता, ज्योतिषा सिंहा, डॉ अश्विनी प्रताप सिंह, अमरोहतक नरती व महाविद्यालय की छात्रा उपस्थित थीं।

दिनांक : 25/11/2022 बेनकाब भ्रष्टाचार

## राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर आनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

**रमाकांत पांडे ब्यूरो चीफ बेनकाब भ्रष्टाचार**

रमाकांत राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अंडेडकर नगर में चौथी एकता सप्ताह के अन्तर्गत एकेडेमिक सेमिनारों के तत्कालीन राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर सुधा के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत को विकसित बनाने में इसकी आधी आधाई की विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि देश की महिलाएं सशक्त हों। देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना जरूरी है जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह महिलाओं को शक्ति को सन्देश और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करे जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान कर सकें। सुद्धा ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं को आत्म भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आधुनिक



यथा अतिरिक्त डॉ प्रोफेसर शिवायलक्ष्मी ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आजादी के समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय सहभागिता निर्याते हुए खुद को सशक्त किया है। वर्तमान राष्ट्र की कल्पना लक्ष्य यथाथा का रूप धारण कर सकती है, जब महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला स्वयं सिद्धा है, वह पुरुषों की सम्पदा है। आवश्यकता इन शक्तियों को महज प्रोत्साहन देने

की है। किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य उस राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के स्त्रीमूलित प्रयास आवश्यक हैं। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है तो निश्चित ही देश भी सुदृढ़ व सशक्त होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक स्थितियाँ बड़ी हैं। इस अन्तर्गत पर अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ सुनीता सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज के विद्युत्कारक-सोच व दृष्टिकोण में बदलाव,

परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्णय से जुड़ी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी, महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की महिलाओं के अधिकार, परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य स्थलों को महिला हितों पर ध्यान देना, उनके नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना महिला को अधिकार संगत बनाना, उनके कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मानजनक रूप से अपनी योग्यताओं, क्षमताओं

के बेह प्रदान समाज कार्यरत बनाने की संघ है। तर्क राष्ट्र, संकल्प होगी। इसके मुक्त कुंवर र डॉ.अनु यादव डा भार गुप्ता, र डॉ अर नंदनी, उपस्थि फि से सुधीर मनीष सं संघ आयोज

## राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम

### भूमिका- विजय लक्ष्मी



गिरजा शंकर गुप्ता ब्यूरो चीफ

अंबेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में कौमी एकता सप्ताह के अन्तर्गत एकेडमिक सोसाइटी के तत्वाधान "

राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका" विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर सुधा के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपनी अध्यक्षीय उद्घोषण में कहा कि भारत को विकसित बनाने में इसकी आधी आबादी की विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि देश की महिलाएं सशक्त हों। देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना जरूरी है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह महिलाओं की शक्ति को समझें और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करें, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर सकें। मुख्य वक्ता जसिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विजयलक्ष्मी ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आजादी के समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय सहभागिता निभाते हुए खुद को साबित किया है। उन्नत राष्ट्र की कल्पना तभी यथार्थ का रूप धारण कर सकती है, जब महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला स्वयं सिद्धा है, वह गुणों की सम्पदा हैं। आवश्यकता इन शक्तियों को महज प्रोत्साहन देने की है। किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य उस राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के सम्मिलित प्रयास आवश्यक हैं। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है तो निश्चित ही देश भी सुदृढ़ व सशक्त होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ी है। इस अवसर पर जसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुनीता सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज के पितृसत्तात्मक सोच व दृष्टिकोण में बदलाव, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्णय से जुड़ी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी, महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग व्यवस्था, परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य स्थलों को महिला हितैषी बनाया जाना, उनकी नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना। महिला को अधिकार संपन्न बनाकर, उन्हें कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मानजनक ढंग से अपनी योग्यताओं, क्षमताओं के बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर, एक सुरक्षात्मक समाज का निर्माण कर, उनके कार्यस्थल को महिला हितैषी बनाकर ही एक समावेशी समाज की संकल्पना पूर्ण की जा सकती है। तभी महिला दिवस की एक राष्ट्र के चतुर्दिक विकास की संकल्पना एकांगी होगी, अपूर्ण होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रो० अरविंद वर्मा, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ. अतुल कनौजिया, डॉ महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा भानु प्रताप राय, डॉ मनोज गुप्ता, डॉ सुनीता, वार्लेतिना प्रिया, डॉ अजीत प्रताप सिंह, श्रीमती अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

# रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद

अम्बेडकर नगर- रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में कौमी एकता सप्ताह के अन्तर्गत एकेडमिक सोसाइटी के तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर सुधा के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत को विकसित बनाने में इसकी आधी आबादी की विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि देश की महिलाएं सशक्त हों। देश की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना जरूरी है, जिससे उनका

सर्वांगीण विकास हो सके। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह महिलाओं की शक्ति को सम्झे और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करें, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में



अपना सहयोग प्रदान कर सकें। मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विजयलक्ष्मी ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आजादी के समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय

सहभागिता निभाते हुए खुद को साबित किया है। उन्नत राष्ट्र की कल्पना तभी यथार्थ का रूप धारण कर सकती है, जब महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला स्वयं

सिद्धा है, वह गुणों की सम्पदा है। आवश्यकता इन शक्तियों को महज प्रोत्साहन देने की है। किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य उस राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के सम्मिलित प्रयास

आवश्यक हैं। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है तो निश्चित ही देश भी सुदृढ़ व सशक्त होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ी है। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुनीता सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज के पितृसत्तात्मक सोच व दृष्टिकोण में बदलाव, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्णय से जुड़ी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी, महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग व्यवस्था, परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य स्थलों को महिला हितैषी बनाया जाना, उनकी नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना। महिला को अधिकार संपन्न बनाकर, उन्हें कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान

कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मानजनक ढंग से अपनी योग्यताओं, क्षमताओं के बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान कर, एक सुरक्षात्मक समाज का निर्माण कर, उनके कार्यस्थल को महिला हितैषी बनाकर ही एक समावेशी समाज की संकल्पना पूर्ण की जा सकती है। तभी महिला दिवस की एक राष्ट्र के चतुर्दिक विकास की संकल्पना एकांगी होगी, अपूर्ण होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रो० अरविंद वर्मा, कुंवर संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ. अतुल कनौजिया, डॉ. महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा. भानु प्रताप राय, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. सुनीता, वॉलेरिना प्रिया, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, श्रीमती अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

दिनांक : 25 / 11 / 2022 अमर उजाला

## राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर में रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में कौमी एकता सप्ताह के अन्तर्गत एकेडमिक सोसाइटी के तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोफेसर सुधा के संयोजकत्व में किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि भारत को विकसित बनाने में इसकी आधी आबादी की विशेष भूमिका है। इसके लिए आवश्यक है कि देश की महिलाएं सशक्त हों। देश की

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना जरूरी है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। भारत जैसे पुरुष प्रधान समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह महिलाओं की शक्ति को सम्झे और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग करें, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर सकें। मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर श्रीमती विजयलक्ष्मी ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका की अनदेखी नहीं की जा सकती है। आजादी के समय से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय सहभागिता निभाते हुए खुद को

साबित किया है। उन्नत राष्ट्र की कल्पना तभी यथार्थ का रूप धारण कर सकती है, जब महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करें। महिला स्वयं सिद्धा है, वह गुणों की सम्पदा है। आवश्यकता इन शक्तियों को महज प्रोत्साहन देने की है।

किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य उस राष्ट्र के प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व पुरुषों दोनों के सम्मिलित प्रयास आवश्यक है। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है तो निश्चित ही देश भी सुदृढ़ व सशक्त होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ी है। इस अवसर पर

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सुनीता सिंह ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज के पितृसत्तात्मक सोच व दृष्टिकोण में बदलाव, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्णय से जुड़ी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी, महिला केंद्रित योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग व्यवस्था, परिवार, स्कूल व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य स्थलों को महिला हितैषी बनाया जाना, उनकी नेतृत्व क्षमता व कौशल को प्रोत्साहित किया जाना।

महिला को अधिकार संपन्न बनाकर, उन्हें कार्य व शिक्षा के समान अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मानजनक ढंग से

अपनी योग्यताओं, क्षमताओं के बेहतर प्रदर्शन का अवसर प्रदान। एक सुरक्षात्मक समाज का निर्माण कर, उनके कार्यस्थल को महिला हितैषी बनाकर ही एक समावेशी समाज की संकल्पना पूर्ण की जा सकती है। तभी महिला दिवस एक राष्ट्र के चतुर्दिक विकास संकल्पना एकांगी होगी, अपूर्ण होगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रो० अरविंद वर्मा, व संजय भारती, रवीन्द्र वर्मा, डॉ. अतुल कनौजिया, डॉ. महेंद्र यादव, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, डा. भानु प्रताप राय, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. सुनीता, वॉलेरिना प्रिया, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, श्री अवधेश नंदनी व महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित थीं।

साप्ताहिक **अम्बेडकरनगर**

# रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

निराला साहित्य संघ, रमाबाई राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज अकबरपुर अम्बेडकर नगर में कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत एंथ्रोपिक रोज़डायरी के आयोजन में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शोफली सिंह के मार्गदर्शन व प्रोब्लेम सुलभ के संयोजकत्व में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोब्लेम सुलभ जी सिंह ने अपनी अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि नरत को निरचित बनाने में इसकी अग्री

अग्रणी की विशेष भूमिका है। इससे लिए आवश्यक है कि देश को महिला सशक्त हो। देश को महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कुशल महिला सशक्त बनाना जरूरी है। जिसकी उपाय सर्वोपरि विद्या हो चके। यहाँ जैसे कुछ प्रदान करना के लिए वह आवश्यक है कि यह महिलाओं की सक्ति को समझे और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में सक्षम करे जिसकी वे राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग प्रदान कर चके कुछ का ऑनलाइन प्रोब्लेम सुलभ जी सिंह ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की अग्र भूमिका को समझें नहीं की

जा सकती है। आर्य की समन से लेकर आज तक समाज व राष्ट्र के नव निर्माण में महिलाओं ने पुण्य के रूप में वे कंस विरुद्ध संघर्ष प्रदर्शित निश्चय ही सुर को प्रदर्शित किया है। 100वें राष्ट्र की कल्पना अभी चलाने का समय बन सकती है, जब महिला सशक्त होकर राष्ट्र को सशक्त करे। महिला सशक्त हो, जो सुखों की सम्पदा है। आवश्यकता इन सतियों को महत्व प्रोत्साहन देने की है। किसी भी राष्ट्र को सुदृढ़, समर्थ व आत्मनिर्भर बनाने का समय जब राष्ट्र को प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाकर ही प्राप्त

किया जा सकता है, जिसके लिए महिलाओं व दूरियों दोनों को समन्वित प्रयास आवश्यक है। यदि महिलाओं की स्थिति सुदृढ़ है तो विभिन्न ही देश भी सुदृढ़ व समर्थ होगा। वर्तमान में महिलाओं की सामाजिक आर्थिक तथ्यांकिक स्थितियों को ही इस अवसर पर ऑनलाइन संगोष्ठी में तुलना विषय में कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समाज के विद्युतात्मक संघ व कृषि क्षेत्र में बढ़ाकर, परिवार से लेकर राष्ट्र तक के निर्माण से जुड़ी प्रक्रिया में महिलाओं की भारतीय, महिला

संघर्ष योजनाओं के क्रियान्वयन की नीतिनिर्देश कार्यालय, परिवार, स्मृत व महाविद्यालय में महिलाओं के कार्य बलों को महिला विरोधी व्यवस्था अन्वयित करने तथा व कोशल को प्रोत्साहित किया जाना। महिला को अधिकार सम्पन्न बनाकर उन्हें कार्य व शिक्षा से समन अवसर प्रदान कर, उनकी सामाजिक, आर्थिक, तकनीकी और औद्योगिक प्रत्येक क्षेत्र में सम्मिलित कर देनी उचित होगी। राज्यों के विकास निर्माण का अवसर प्रदान कर, एक सुसशक्त समाज का निर्माण कर, उनमें कार्यरत को महिला है।

नगर ही एक समावेशी समाज को कल्पना पूर्ण की जा सकती है। अभी महिला विद्या को एक राष्ट्र के बुनियादी विकास को संकलन एकंगी होगी, इन्हीं ही नीतियों अनुसार पर महाविद्यालय में कुछ सशक्त प्रोब्लेम सुलभ जी सिंह के मार्गदर्शन में, स्मृत कार्य करनी, स्मृत कार्य, जो अनुभव सर्वोपरि, जो सशक्त समाज, कृष्ण सुख विचारणी, जो प्रदान तथा, डॉ. मनेश गुप्ता, उच्चशिक्षा, सर्वोपरि विद्या, डॉ. कौमोता प्रताप सिंह, सीमा सुलभ सुलभ व महाविद्यालय की अग्रणी प्राध्यापिका थीं।

दिनांक : 26/11/2022 आनन्दी मेला

## कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

आनन्दी मेला संवादादाता

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शोफली सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के दिशा निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों की स्वयं सेविकाओं द्वारा कौमी एकता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही ग्राम सुझारी में स्वयं सेविकाओं द्वारा नुकड़



नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

दिनांक : 26 / 11 / 2022

# राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन



अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शोफाली सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के दिशा

निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों की स्वयं सेविकाओं द्वारा कौमी एकता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ

ही ग्राम सुडारी में स्वयं सेविकाओं द्वारा नुकड़ नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

दिनांक : 26 / 11 / 2022 विशाल इंडिया

## राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया



पूनम तिवारी विशाल इंडिया

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में शुक्रवार को कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो.शोफाली सिंह की अध्यक्षता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के दिशा निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय विशेष

शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों की स्वयं सेविकाओं द्वारा कौमी एकता जागरूकता रैली निकाली गई। साथ ही ग्राम सुडारी में स्वयं सेविकाओं द्वारा नुकड़ नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

## महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा सप्ताह जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन



लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर। मंगलवार को रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु यह प्रतियोगिता का आयोजन किया। महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेखारी सिंह के मार्गदर्शन व डॉ विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं क्रिच में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - सुष्टि सिंह, तृतीय स्थान - सीम्या सोनी तथा क्रिच प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - साक्षी विश्वकर्मा, तृतीय स्थान - शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान - यश्री सैनी तृतीय स्थान - पूजा राय ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कंत गौतम,

विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ वागीश शुक्ला, डॉ भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारे खुशियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमेशा अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विश्लेषण करने का एक माध्यम है। प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक व विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

हिन्दी दैनिक

### आदित्य टाइम्स

## रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेखारी सिंह के मार्गदर्शन व डॉ विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं क्रिच में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान

प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - सुष्टि सिंह, तृतीय स्थान

विश्वकर्मा, तृतीय स्थान - शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान - यश्री सैनी तृतीय स्थान - पूजा



राय ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कंत गौतम, विजयलक्ष्मी यादव,

रवींद्र वर्मा, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ वागीश शुक्ला, डॉ भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खुशियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमेशा अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विश्लेषण करने का एक माध्यम है। प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ

द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक व विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

## महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक प्रोफेसर शेकाली सिंह के मार्गदर्शन व डॉ विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के

महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं विज्ञान में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - सुष्टि सिंह, तृतीय स्थान - रीत्या सोनी तथा

विज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - सखी विश्वकर्मा, तृतीय स्थान - शिवम विश्वकर्मा जबकि

शुक्ला, डॉ भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि

संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर



पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान - यशी सीनी तृतीय स्थान- पूजा राय ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत गौतम, विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ वागीश

प्रतियोगिताएं हमारी खुशियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमें शा अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विश्लेषण करने का एक माध्यम है। प्रतियोगिता के

वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आग्रह किया।

दिनांक : 30/11/2022 आनन्दी मेल

## सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन

आनन्दी मेल संवाददाता

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महा विद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेकाली सिंह के मार्गदर्शन व डॉ विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं विज्ञान में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र- छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - सुष्टि सिंह, तृतीय स्थान -



सौम्या सोनी तथा विज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान- सखीविश्वकर्मा, तृतीय स्थान - शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान - यशी सीनी तृतीय स्थान- पूजा राय ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत गौतम ,

विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ वागीश शुक्ला, डॉ भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खुशियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार

साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमें शा अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विश्लेषण करने का एक माध्यम है। प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आग्रह किया। इस अवसर पर महा विद्यालय के समस्त अध्यक्ष व विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं उपस्थित थीं।



## छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन

रमाकांत पांडे ब्यूरो चीफ  
बेनकाब भ्रष्टाचार

रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अकेडर नगर में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संस्थाक प्रोफेसर रोमवली सिंह के मार्गदर्शन व डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं क्विज में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - सुष्टि सिंह, तृतीय स्थान - सौम्या सोनी तथा क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान - सखीविश्वकर्मा, तृतीय स्थान - शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान - यशी सैनी तृतीय स्थान - पूजा



राय ने प्राप्त किया। निर्वाचक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत गौतम, विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ. अखिलेश प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय डॉ. वागीश शुक्ला, डॉ. भानु प्रताप राय ने निर्वाह कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खुबिये को निरखने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमेशा अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेना चाहिए। ये सही आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विरलेखन करने का एक माध्यम है।

प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेब ब्रासिंग पर खहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आह्वान किया इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक व विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

## निबंध व क्विज में शुभा पोस्टर में मानवी अक्वल

### प्रतियोगिता

अम्बेडकरनगर, बेनकाब। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में संयोजन को निबंध लेखन, पोस्टर एवं क्विज प्रतियोगिता हुई। सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के तहत हुई जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में कई कॉलेजों के प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

रमाबाई की प्राचार्य प्रोफेसर रोमवली सिंह के निर्देशन व डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में हुई निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभा सिंह

को, द्वितीय स्थान सुष्टि सिंह को और तृतीय स्थान सौम्या सोनी को मिला। वहीं क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभा सिंह ने, द्वितीय स्थान सखी विश्वकर्मा ने और तृतीय स्थान शिवम विश्वकर्मा ने प्राप्त किया।

दूसरी ओर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मानवी वर्मा को, दूसरा स्थान यशी सैनी को और तृतीय स्थान पूजा राय को मिला।

निर्वाचक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत गौतम, विजय लक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ. अखिलेश प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ. वागीश शुक्ला और डॉ. भानु प्रताप राय ने निर्वाह।

## महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

—कार्यालय संवाददाता अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा

महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं विडज में प्रथम, द्वितीय व तृतीय

विश्वकर्मा ,तृतीय स्थान—शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान -

अभ्यक्षाता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खुशियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमेशा अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विश्लेषण करने का एक माध्यम है। प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेबा क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे पातापत्ता संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आग्रहान किया।



के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संस्थाक प्रोफेसर शेफाली सिंह से मार्गदर्शन व डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के सबसे

स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान -सुष्मि सिंह, तृतीय स्थान -सौम्या सोनी तथा विजय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान- साशी

यशी सैनी तृतीय स्थान- पूजा राय ने प्राप्त किया। निबंधक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत शौतन , विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ. अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर शुभा, सतीश उपाध्याय, डॉ. वाणीश शुक्ला, डॉ. भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की

## प्रतियोगिताएं हमारी खुशियों को निखारने में मदद करती हैं अरविंद कुमार वर्मा

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अम्बेडकरपुर में छात्र- छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संस्थाक प्रोफेसर शेफाली सिंह से मार्गदर्शन व डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिता-निबंध लेखन, पोस्टर एवं विडज में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभा सिंह, द्वितीय स्थान सुष्मि सिंह, तृतीय स्थान सौम्या सोनी तथा विजय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभा सिंह, द्वितीय स्थान- साशी विश्वकर्मा ,तृतीय



स्थान शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान वशी सैनी तृतीय स्थान पूजा राय ने प्राप्त किया। निबंधक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत शौतन, विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ. अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर

शुभा, सतीश उपाध्याय, डॉ. वाणीश शुक्ला, डॉ. भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खुशियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को

परखने के लिए आपको हमेशा अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विश्लेषण करने का एक माध्यम है। प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेबा क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे पातापत्ता संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आग्रहान किया। हम अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक व विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं उपस्थित रहें।

नगर, बहराइच, मऊ, जौनपुर

7

दिसंबर, 2022

राष्ट्रीय जजमेन्ट

## सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय जजमेन्ट अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में छात्र-छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह के मार्गदर्शन व डॉ विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं विजय में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान -सृष्टि सिंह, तृतीय स्थान -सौम्या सोनी तथा विजय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान- साक्षी विश्वकर्मा ,तृतीय स्थान -शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान - यशी सैनी तृतीय स्थान- पूजा राय ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत गौतम , विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ वागीश शुक्ला, डॉ भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खूबियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, उचित दूरी बनाकर चलने, जेन्ना क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे वातावात संबंधी निदेशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आग्रह किया।

दिनांक : 30/11/2022 रीडर्स मैसेंजर

## प्रतियोगिताएं हमारी खूबियों को निखारने में मदद करती हैं : अरविंद कुमार वर्मा

गिरिजा शंकर गुप्ता, रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में छात्र-छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शोफाली सिंह के मार्गदर्शन व डॉ विश्वनाथ द्विवेदी के संयोजन में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता - निबंध लेखन, पोस्टर एवं विजय में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - शुभा सिंह, द्वितीय स्थान -सृष्टि सिंह, तृतीय स्थान -सौम्या सोनी तथा विजय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान -



शुभा सिंह, द्वितीय स्थान- साक्षी विश्वकर्मा ,तृतीय स्थान -शिवम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान - मानवी वर्मा, द्वितीय स्थान - यशी सैनी तृतीय स्थान- पूजा राय ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कांत गौतम , विजयलक्ष्मी यादव, रवींद्र वर्मा, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ वागीश शुक्ला, डॉ भानु प्रताप राय ने निभाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खूबियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारी प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमेशा अलग-अलग प्रतिस्पर्धियों में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सीखने की क्षमता का विश्लेषण करने का एक माध्यम है।

## छात्र छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर-रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में छात्र-छात्राओं में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न किए जाने हेतु प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफारी सिंह के मार्गदर्शन व डॉ विभ्रनाथ द्विवेदी के संयोजकत्व में किया गया। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में जनपद के समस्त महाविद्यालयों में महाविद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता निबंध लेखन, पोस्टर एवं क्विज में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जनपद स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभा सिंह, द्वितीय स्थान सृष्टि सिंह, तृतीय स्थान सौम्या सोनी तथा क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शुभा सिंह, द्वितीय स्थान-सखी विश्वकर्मा, तृतीय स्थान सितम विश्वकर्मा जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मन्वी वर्मा, द्वितीय स्थान यशो सैनी तृतीय स्थान पूजा राय ने प्राप्त



किया। निर्णायक की भूमिका प्रोफेसर अरुण कान्त गौतम, विजयलक्ष्मी यादव, स्वैद वर्मा, डॉ अखिलेंद्र प्रताप सिंह, प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ वागीश शुक्ल, डॉ भानु प्रताप राय ने निर्धारित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिताएं हमारी खुशियों को निखारने में मदद करती हैं जो हमारे प्रगति में मददगार साबित होता है। खुद को परखने के लिए आपको हमेशा अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहना चाहिए। ये सभी आपके ज्ञान और सौख्ये की क्षमता का विश्लेषण करने का

एक माध्यम है। प्रतियोगिता के संयोजक प्रोफेसर विभ्रनाथ द्विवेदी ने कहा कि चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट का प्रयोग करने, नशा व शराब पीकर वाहन न चलाने, ऊँचा दूरी बनाकर चलने, जेब्रा क्रॉसिंग पर वाहन की गति धीमी करने व पैदल यात्रियों को चलने का अवसर देने, सड़कों पर लगे यातायात संबंधी निर्देशों का पालन करने, दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट लगाने, वाहन तेज गति से न चलाने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापक व विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

दिनांक : 12/12/2022 अमर उजाला

दिनांक : 12/12/2022 हिन्दुस्तान

**अंतर महाविद्यालयीय योग प्रतियोगिता का आयोजन 12 दिसम्बर को**  
अम्बेडकरनगर। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या से संबद्ध महाविद्यालयों की अंतर महाविद्यालयीय योग (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर, अम्बेडकर नगर में दिनांक 12 दिसम्बर, 2022 को संपन्न की जाएगी। सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं क्रीड़ा प्रभारी अपने महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को प्रतिभाग कराना सुनिश्चित करें। उक्त प्रतियोगिता प्रातः 9:00 बजे से प्रारंभ की जाएगी। प्रतियोगी छात्र विगत परीक्षा की अंक-पत्र की प्रमाणित छायाप्रति, वैध पहचान प्रमाण पत्र, निर्धारित खेल पोशाक आदि के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। योग (पु0/म0) अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले महाविद्यालय अपनी सूचना आयोजन सचिव लुग्न कुमार विश्वकर्मा असिस्टेंट प्रोफेसर शारीरिक शिक्षा के सदस्य का नंबर 9451034019 पर प्रेषित कर सकते हैं।

**योग प्रतियोगिता रमाबाई में कल**  
अम्बेडकरनगर। डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की अंतर महाविद्यालयीय योग (पुरुष एवं महिला) प्रतियोगिता रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में मंगलवार को होगी। क्रीड़ा प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने यह जानकारी दी।

# योगासन में किया कौशल का प्रदर्शन

## प्रतियोगिता

अम्बेडकरनगर, मंगलदयाल। डॉ राम मनोहर लोहिया अल्प विद्यालय अयोध्या से संबद्ध महाविद्यालयों के मध्य अंतर महाविद्यालयी योगासन (महिला-पुरुष) प्रतियोगिता शुरू हुई। सोमवार को प्रतियोगिता का शुभारम्भ रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर में हुआ। पांच दर्जन महाविद्यालयों की योग प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य प्रोफेसर रोफाली सिंह ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। प्रतियोगिता का फाइनल संगलवार को होगा।

प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक डॉ विनय कुमार सिंह तथा सुधीर कुमार सिंह मौजूद रहे।

- रमाबाई में शुरू हुई अंतर महाविद्यालयी योग प्रतियोगिता
- पांच दर्जन महाविद्यालयों की प्रतियोगिता का फाइनल आज

निर्वायक की भूमिका डॉ विक्रम सिंह, देवेश वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह ने निभाई। पर्यवेक्षकों का स्वागत रवीन्द्र वर्मा, सतीश उपध्याय, डॉ भानु प्रताप राय, अतुल कर्नीजवा, डॉ सोमा यादव ने किया। आयोजन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में योगासन की विभिन्न प्रतिस्पर्धाएं हुईं। जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

इस मौके पर प्राचार्य प्रोफेसर

रोफाली सिंह ने कहा कि योग शरीर और मन को नियंत्रित करता है। भारतीय धर्म और दर्शन में योग का अत्यधिक महत्व है।

आध्यात्मिक उन्नति या शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की आवश्यकता व महत्व को प्रायः सभी दर्शनों एवं भारतीय धार्मिक सम्प्रदायों ने एकमत व मुक्तकंठ से स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि मानव अपने जीवन को अ्रेष्टता के चरम पर योग के ही माध्यम से ही बढ़ा सकता है। इसलिए योग के महत्व को समझना चाहिए। संघालन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने किया और मुख्य शास्त्र प्रोफेसर अरविंद वर्मा, प्रोफेसर सुधा, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सीता पांडेय, प्रोफेसर शशिंद परवेज, विजय रावनी यादव, डॉ प्रिय मौजूद रहीं।

# योगासन महिला- पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन



दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान थूपी ब्यूरो अम्बेडकर नगर

डॉ राम मनोहर लोहिया अल्प विद्यालय अयोध्या से संबद्ध महाविद्यालयों के मध्य अंतर महाविद्यालयी योगासन (महिला- पुरुष ) प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार महाविद्यालय रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर रोफाली सिंह द्वारा मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा सुधीर कुमार सिंह ने अहम भूमिका निभाई। डॉ विक्रम सिंह, देवेश वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्वायक की भूमिका में और-और विवेक की निष्पत्ति दिया। अतिथियों के स्वागत में रवीन्द्र वर्मा, सतीश उपध्याय, डॉ भानु प्रताप राय, अतुल कर्नीजवा, डॉ सोमा यादव आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रोफाली सिंह ने कहा कि योग, शरीर और मन को नियंत्रित करने

के लिए हर आकांक्षी शक्तियों पर धरोहर करता है। भारतीय धर्म और दर्शन में योग का अत्यधिक महत्व है। आध्यात्मिक उन्नति या शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की आवश्यकता व महत्व को प्रायः सभी दर्शनों एवं भारतीय धार्मिक सम्प्रदायों ने एकमत व मुक्तकंठ से स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि मानव अपने जीवन को अ्रेष्टता के चरम पर योग के ही माध्यम से ही बढ़ा सकता है, इसलिए योग के महत्व को समझना होता। योग व्यवहार नहीं, योग है विज्ञान का चौथा आधम और उससे भी आगे कार्यक्रम के आयोजन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा के संयोजन में योगासन के प्रतिस्पर्धाएं संपन्न हुईं। स्वागत भाषण में डॉ विश्वकर्मा ने मुख्य अतिथि एवं आतुल अतिथियों के प्रति बद्ध सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम का संघालन सुधी संघालन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर मुख्य शास्त्र प्रोफेसर अरविंद वर्मा, प्रोफेसर सुधा, डॉ अजीत प्रताप सिंह, सुधी सीता पांडेय, प्रोफेसर शशिंद परवेज, विजय रावनी यादव, डॉ प्रिया, शशिंद प्रोफेसर महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

# भारतीय धर्म और दर्शन में योग का अत्यधिक महत्व है: डा. शेफाली



करी कसौटी धरो

अम्बेडकरनगर। डॉ राम मनोहर लोहिया अक्व विश्वविद्यालय अशीष से संबद्ध महाविद्यालयों के मध्य अंतर महाविद्यालयी योगसन (महिला- पुरुष ) प्रतियोगिता का आयोजन मेजबान महाविद्यालय रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अक्वपुर अम्बेडकर नगर में महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह द्वारा डॉ मनोहर लोहिया के दर्शन में दीप इन्वितिक का कार्यक्रम का सुपरारंभ किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ कृष्ण कुमार सिंह तथा सुधीर कुमार सिंह ने अक्व भूमिका निभाई।

डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्णायक की भूमिका में दौर-कार विवेक को निर्णय दिया। अतिथियों के स्वागत में सीमा कर्मा, अरुण प्रताप राय, अतुल कर्मा, डॉ मनु प्रताप राय, अतुल कर्मा, डॉ सीमा यादव आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि योग, शरीर और मन को नियंत्रित करने के लिए हर आकांक्षी शक्तियों पर

संभलने पर योग का अत्यधिक महत्व है। आध्यात्मिक उन्नति का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की आवश्यकता व महत्व को प्राम: प्राची दर्शन एवं भारतीय धार्मिक ग्रंथों ने एकत्रित व मुक्तकंठ से स्वीकार किया है। मानव अपने जीवन की श्रेष्ठता के लिए या अब योग के ही माध्यम से अक्व बढ़ सकता है, इसलिए योग के महत्व को समझना होगा। योग कार्यक्रम नहीं, योग है विज्ञान का वैश्व अध्ययन और उससे ही अक्व अवसर के आयोजन सहित कुष्ण कुष्ण विद्यार्थी के संशोधन में योगसन के प्रतियोगिताएँ आयोजन हुई।

स्वागत भाषण में डॉ विक्रम सिंह ने कुष्ण अतिथि एवं अक्वभक्त अतिथियों के प्रति बड़ा सुजन अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन सुधीरा संवर्धन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर कुष्ण राजका प्रोफेसर अशीष वर्मा, प्रोफेसर सुधीरा अशीष वर्मा, प्रोफेसर सुधीरा अशीष वर्मा, सुधीरी सीता पांडेय, प्रोफेसर नरेश्वर पांडेय, प्रोफेसर विजयलक्ष्मी यादव, की प्रिया, सहित संपूर्ण महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

**अम्बेडकरनगर, मंगलवार 13 दिसम्बर 2022** 5

## रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालयी योगसन (महिला- पुरुष ) प्रतियोगिता का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद अम्बेडकर नगर- डॉ राम मनोहर लोहिया अक्व विश्वविद्यालय अक्वया से संबद्ध महाविद्यालयों के मध्य अंतर महाविद्यालयी योगसन (महिला- पुरुष ) प्रतियोगिता का आयोजन मेजबान महाविद्यालय रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अक्वपुर अम्बेडकर नगर में महाविद्यालय की प्राचार्य व संरक्षक प्रोफेसर शेफाली सिंह द्वारा डॉ मनोहर लोहिया के दर्शन में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का सुभारंभ किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा सुधीर कुमार सिंह ने अक्व भूमिका निभाई। डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्णायक की भूमिका में नीर-क्षीर विवेक की निर्णय दिया। अतिथियों के स्वागत में रवीन्द्र वर्मा, सीता उपाध्याय, डॉ मनु प्रताप राय, अतुल कर्मा, डॉ सीमा यादव आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि योग, शरीर और मन को नियंत्रित करने



के लिए हर आकांक्षी शक्तियों पर संभलने पर योग का अत्यधिक महत्व है। आध्यात्मिक उन्नति या शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की आवश्यकता व महत्व को प्राय: सभी दर्शनों एवं भारतीय धार्मिक ग्रंथों ने एकत्रित व मुक्तकंठ से स्वीकार किया है। मानव अपने जीवन की श्रेष्ठता के लिए या अब योग के ही माध्यम से अक्व बढ़ सकता है, इसलिए योग के महत्व को समझना होगा। योग व्यायाम नहीं, योग है विज्ञान का वैश्व अध्ययन और उससे

भी आगे कार्यक्रम के आयोजन सहित कुष्ण कुष्ण विद्यार्थी के संशोधन में योगसन के प्रतियोगिताएँ आयोजन हुई। स्वागत भाषण में डॉ विश्वकर्मा ने मुख्य अतिथि एवं आंगतुक अतिथियों के प्रति बड़ा सुजन अर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन सुधीरा संवर्धन प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर कुष्ण राजका प्रोफेसर अशीष वर्मा, प्रोफेसर सुधीरा अशीष वर्मा, सुधीरी सीता पांडेय, प्रोफेसर नरेश्वर पांडेय, प्रोफेसर विजयलक्ष्मी यादव, की प्रिया, सहित संपूर्ण महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

# अम्बेडकरनगर

06

## दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का हुआ समापन

अम्बेडकरनगर। आज दिनांक 13 दिसंबर 2022 को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रहीं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्णायक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में टीम चैंपियनशिप का खिताब के.एन.आई.पी.एस.एस.सुल्तानपुर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सफलता दूसरी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार जीत का उतना महत्व नहीं है, महत्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के आंतरिक एवं बाह्य अंगों



को मजबूती प्राप्त होती है। साथ ही शरीर भी ऊर्जावान एवं स्फूर्तिमय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविन्द कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी में अनिवार्य रूप से हिस्सा ले। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आत्मविश्वास के रहते आप करियर बनाने के लिए अपनी योग्यता और कर्तव्यता का सही एवं सुनियोजित ढंग से इस्तेमाल कर सकेंगे। आयोजन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने आभारों में अतिथियों टीम

मैनेजर, कोच तथा मॉडिया कर्मियों सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा, सुधा, सतीश जगध्याय, डॉ अतुल कुमार कर्नौजिया, प्रोफेसर अरुण कौंडे डॉ पूनम, संगीता, डॉ अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, सुश्री सौता पांडे, सुनीता सिंह, वी प्रिया, डॉ अजीत प्रताप सिंह व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दिनांक : 14 / 12 / 2022

022

# अम्बेडकरनगर

04

## दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का हुआ समापन

अम्बेडकरनगर। आज दिनांक 13 दिसंबर 2022 को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रहीं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्णायक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में टीम चैंपियनशिप का खिताब के.एन.आई.पी.एस.एस.सुल्तानपुर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सफलता दूसरी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार जीत का उतना महत्व नहीं है, महत्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के आंतरिक एवं बाह्य अंगों



को मजबूती प्राप्त होती है। साथ ही शरीर भी ऊर्जावान एवं स्फूर्तिमय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविन्द कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी में अनिवार्य रूप से हिस्सा ले। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आत्मविश्वास के रहते आप करियर बनाने के लिए अपनी योग्यता और कर्तव्यता का सही एवं सुनियोजित ढंग से इस्तेमाल कर सकेंगे। आयोजन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने आभारों में अतिथियों टीम

मैनेजर, कोच तथा मॉडिया कर्मियों सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा, सुधा, सतीश जगध्याय, डॉ अतुल कुमार कर्नौजिया, प्रोफेसर अरुण कौंडे डॉ पूनम, संगीता, डॉ अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, सुश्री सौता पांडे, सुनीता सिंह, वी प्रिया, डॉ अजीत प्रताप सिंह व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

## दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन



आनन्दी मेल संवाददाता

अम्बेडकर नगर (रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में) दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शोफली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रहीं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्णायक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में टीम चैंपियनशिप का खिताब

के.एन.आई.पी.एस.एस.सुल्तानपुर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शोफली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सफलता दूसरी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार जीत का उतना महत्व नहीं है, महत्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के आंतरिक एवं बाह्य अंगों मजबूती प्राप्त होती है। साथ ही भी ऊर्जावान एवं स्फूर्तिमय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें।

## अंतर महाविद्यालयीय योगासन प्रतियोगिता का हुआ समापन

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शोफली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रहीं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्णायक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में टीम चैंपियनशिप का खिताब के.एन.आई.एस.एस.सुल्तानपुर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शोफली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सफलता दूसरी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार जीत का उतना महत्व नहीं है, महत्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के

आंतरिक एवं बाह्य अंगों की मजबूती प्राप्त होती है। साथ ही शरीर भी ऊर्जावान एवं स्फूर्तिमय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ता है। आत्मविश्वास के छोटे अंग को बल बनाने के लिए अपनी योग्यता और कमिश्नरिप का रूढ़ि एवं सुनिश्चित ढंग से इस्तेमाल कर सकते हैं। (आर्जेवन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने आभारपूर्वक सभी अतिथियों टीम मैनेजर, पर्यवेक्षक तथा सहायक कर्मियों सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विधुनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर राजेश मल्लिक, सीतल वर्मा, सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ अशोक कुमार वर्मा, प्रोफेसर अरुण कंत डॉ पुनम, संगीता, डा अश्विनी प्रताप सिंह, डॉ धनु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, सुश्री सीता शंडे, सुनीता सिंह, डॉ शिव, डॉ अर्चना प्रताप सिंह व प्रतिभाजी उपस्थित रहे।



# दो दिवसीय योगासन रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संपन्न

अमित कुमार मौर्य

अंबेडकरनगर (फैजाबाद की आवाज़)। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रहीं।

इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्वाचक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान के.एन. आई. पी.एस. एस. मुल्तानपुर, द्वितीय स्थान डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या परिसर तथा तृतीय स्थान विश्वनाथ पीजी कॉलेज कलान ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सफलता दूसरी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार



जीत का उतारना महत्व नहीं है, महत्त्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के ऑर्गेनिक एवं बाह्य अंगों को मजबूती प्राप्त होती है। साथ ही शरीर भी ऊर्जावान एवं स्मूर्तिमय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आत्मविश्वास के रहते आप करियर बनाने के लिए अपनी योग्यता और कर्तव्यता सब सही एवं सुनिश्चित ढंग से इस्तेमाल कर

सकेगे। आयोजन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने आभूत सभी अतिथियों टीम मैनेजर, कोच तथा मीडिया कर्मियों सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर साहित्य परवेश, रवीन्द्र वर्मा, सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ अतुल कुमार कर्नाजिब, प्रोफेसर अरुण कान्त डॉ पुनम, संगीता, डॉ अखिलेश्वर प्रताप सिंह, डॉ धानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, सुश्री सोना पंडे, सुनीता सिंह, बी शिवा, डॉ अणीत प्रताप सिंह व प्रतिभागों उपस्थित रहे।



## दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का हुआ समापन

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान सूची सूची अम्बेडकर नगर

अम्बेडकर नगर में दिनांक 13 दिसम्बर 2022 को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रहीं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्वाचक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान के.एन.आई.पी.एस.एस. मुल्तानपुर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सफलता दूसरी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार जीत का जतन महत्व नहीं है, महत्त्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के ऑर्गेनिक एवं बाह्य अंगों को मजबूती प्राप्त होती है। साथ ही शरीर भी ऊर्जावान एवं

स्मूर्तिमय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आत्मविश्वास के रहते आप करियर बनाने के लिए अपनी योग्यता और कर्तव्यता सब सही एवं सुनिश्चित ढंग से इस्तेमाल कर सकेगे। आयोजन सचिव कृष्ण कुमार



विश्वकर्मा ने आभूत सभी अतिथियों टीम मैनेजर, कोच तथा मीडिया कर्मियों सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर साहित्य परवेश, रवीन्द्र वर्मा, सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ अतुल कुमार कर्नाजिब, प्रोफेसर अरुण कान्त डॉ पुनम, संगीता, डॉ अखिलेश्वर प्रताप सिंह, डॉ धानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, सुश्री सोना पंडे, सुनीता सिंह, बी शिवा, डॉ अणीत प्रताप सिंह व प्रतिभागों उपस्थित रहे।

# योगासन प्रतियोगिता में केएनआई चैम्पियन

अम्बेडकरनगर, संकायकता: डॉ रायचन्दर लोहिया अध्यक्ष विश्वविद्यालय की अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता में ओवरऑल चैम्पियन केएनआई सुलतनपुर रहा है। प्रतियोगिता में पहले स्थान के स्वयं केएनआई ने जहां चैम्पियनशिप जीता वहीं अवधि विश्वविद्यालय अयोध्या के आकाशीय परिसर के महाविद्यालय को दूसरा स्थान मिला। अकबरपुर के रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई दो दिवसीय प्रतियोगिता का समापन करे हुए फाइनल में विश्वनाथ पीओ कालेज कला सुलतनपुर को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

40 कौलीनों की हुई सहभागिता: रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में योगासन प्रतियोगिता के आयोजन सचिव कुष्मा कुमार विश्वकर्मा के देखरेख में हुई।

अवधि विधि की अंतर महाविद्यालयी प्रतियोगिता सम्पन्न  
प्रथम तीन स्थान केएनआई, विधि अकासीय परिसर को मिला



विश्वविद्यालय की टीम के साथ विजेता योगासन प्रतियोगिता के प्रतिभागी

दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन करे समापन हुआ। समापन रचनाबाई की प्राचार्य प्रोफेसर सेक्रेटरी सिंह ने किया।

प्रतियोगिता में 40 महाविद्यालयों के छात्रों ने जहां प्रतिभाग किया वहीं प्रतियोगिता विश्वविद्यालय के पर्यवेक्षक डॉ विनय कुमार सिंह तथा

**प्रतियोगिता में इनकी रही मौजूदगी**

योगासन प्रतियोगिता के प्रतिभागियों का उत्सवपूर्ण प्रोफेसर शोभली सिंह व मुख्य शास्ता डॉ अश्विद कुमार वर्मा ने किया। महात्मा को हुई फाइनल प्रतियोगिता में महाविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा, सुभा, सतीश झाकाया, डॉ अनुरा कुमार कर्नौजिया, प्रोफेसर अरुण कर्त, डॉ पूनम, मनीता, डॉ अश्विनेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ मनु प्रताप राय, डॉ मदन सिंह, मीरा प्रोडेट, सुनील सिंह, बालदेव प्रिय, डॉ अजीत प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

डॉ विक्रम सिंह मौजूद रहे। निर्देशक की भूमिका देवेद वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह ने निभाई।

## आदित्य टाइम्स

# रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय योगासन प्रतियोगिता का हुआ समापन

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकर नगर- रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ। समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शोभली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रही। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेद वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्देशक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में टीम चैम्पियनशिप का विजय केएनआई, वी एनएस सुलतनपुर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शोभली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविकास बढ़ता है तथा एक सफल दसरो सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार



जीत का जतन महत्व नहीं है, महत्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के अंतर्गत एवं बाह्य अंगों को बलशुक्ति प्राप्त होती है। साथ ही शरीर की ऊर्जावान एवं स्फूर्तिमय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अश्विद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी ने अनिवार्य रूप से हिस्सा ले। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविकास बढ़ता है। आत्मविकास के उल्टे आग केंद्रित बनने के लिए अपनी योग्यता और काबिलियत का सही एवं सुनिश्चित ढंग से इस्तेमाल कर सकने आयोजन सचिव कुष्मा कुमार विश्वकर्मा ने कामचुका सारी अतिथियों टीम मैनेजर कोष तथा मीडिया कर्मियों सहित महाविद्यालय के संस्था अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति स

न्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा, सुभा, सतीश झाकाया, डॉ अनुरा कुमार कर्नौजिया, प्रोफेसर अरुण कर्त, डॉ पूनम, मनीता, डॉ अनुरा कुमार राय, डॉ मदन सिंह, सुधीर पीता पारे, सुनील सिंह, की शिवा, डॉ अजीत प्रताप सिंह व प्रतिभागियों उपस्थित रहे।

## दो दिवसीय योगासन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



लोक भारती न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकरनगर ज्वनपद पर स्थित मंगलवार को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में दो दिवसीय अंतर महाविद्यालयी योगासन प्रतियोगिता का समापन हुआ।

समापन की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह प्राचार्य रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर रहीं। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के 40 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। पर्यवेक्षक के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह तथा डॉ विक्रम सिंह, देवेन्द्र वर्मा तथा डॉ सुधीर सिंह निर्णायक की भूमिका अदा की। इस प्रतियोगिता में टीम चैंपियनशिप का

खिताब के.एन. आई.पी. एस.एस. मुल्तानपुर को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर शेफाली सिंह ने कहा कि प्रतियोगिताओं से आत्मविश्वास बढ़ता है तथा एक सफलता दूसरी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रतियोगिता में हार जीत का तनाव महत्त्व नहीं है, महत्त्व प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का है। योग, हमारे दैनिक जीवन के लिए अनिवार्य एवं आवश्यक है। योगासन द्वारा शरीर के आंतरिक एवं बाह्य अंगों को मजबूती प्राप्त होती है। साथ ही शरीर भी ऊर्जावान एवं सक्रिय बना रहता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि प्रतियोगिता छोटी हो या बड़ी, सभी में अनिवार्य रूप से हिस्सा लें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से

आत्मविश्वास बढ़ेगा। आत्मविश्वास के रहते आप करियर बनाने के लिए अपनी योग्यता और कौशलियत का सही एवं सुनिश्चित ढंग से इस्तेमाल कर सकेंगे। आयोजन सचिव कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने आभार सभी अतिथियों टीम मैनेजर, कोच तथा मॉडरिना कर्मियों सहित महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर विश्वनाथ द्विवेदी, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा, सुधा, सतीश उपस्थित, डॉ अतुल कुमार कनौजिया, प्रोफेसर अरुण कांत डॉ पूनम, संगीता, डा अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, सुश्री सीता पांडे, सुनीता सिंह, वी प्रिया, डॉ अजीत प्रताप सिंह व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

हिन्दी डेजिक

### आदित्य टाइम्स

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह आज दिनांक 22/12/2022 को रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती शीला मट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने वाणी वधना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य महोदय ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का

अभिर्नंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने माल्यार्पण द्वारा प्राचार्य महोदय का स्वागत किया। देश रंगीला गीत पर यश्री एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने



दायित्वों का निर्वहन किया। मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया।

क्रीड़ा प्रभारी श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर

महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका

निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला मट्टाचार्य ने स्वस्थ शरीर के विभिन्न उपचार बताते हुए अत्यंत सारगर्भित आशीर्वाचन प्रदान किए। आयोजित प्रतियोगिताओं में 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान—काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान—अंकिता वर्मा, तृतीय स्थान—रीना राजभर, लंबी कूद प्रतियोगिता में काव्या गुर्जर—प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा—द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान डिस्कस थ्रो में

प्रथम स्थान काव्या गुर्जर द्वितीय स्थान संजू चौहान तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा प्राप्त किया। डॉ विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम का गौरव पूर्ण संचालन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा प्रोफेसर सुधा, सतीश उपस्थित, डॉ अतुल कुमार कनौजिया, चंद्रमान, प्रोफेसर अरुण कांत डॉ पूनम, संगीता, डा अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, डॉ राजेश यादव, सीता पांडे, सुनीता सिंह, डॉ अजीत प्रताप सिंह, अक्षेश नंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

# रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह सम्पन्न

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला मट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने वाणी वधना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने माल्यार्पण द्वारा प्राचार्य का स्वागत किया। देश रंगीला गीत पर यशी एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने वाचित्वों का निर्वहन किया मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। क्रीड़ा प्रमारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध



यक्षीय उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ दीं। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है।

यक्षीय उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ दीं। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है।

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह हुआ प्रारंभ

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला मट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने वाणी वधना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने माल्यार्पण द्वारा प्राचार्य का स्वागत किया। देश रंगीला गीत पर यशी एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने वाचित्वों का निर्वहन किया मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। क्रीड़ा प्रमारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध



ने आने-आने वाले दिनों का निरंतर विकास मुहूर्त बनाए रखने के लिए जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

हैं उन्हें कहा कि समय-समय पर विद्यालय की विद्यार्थिनीयों को खेल खेल कर प्रसन्न करने के लिए जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

समय-समय पर विद्यालय की विद्यार्थिनीयों को खेल खेल कर प्रसन्न करने के लिए जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

स्वयं संयुक्त पहल में जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

स्वयं संयुक्त पहल में जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।

## मण्डल)

## अम्बेडकर नगर/अमेठी

### स्वस्थ शरीर व दिमाग को विकसित करने के लिए खेल जरूरी: शेफाली

लोक भारती न्यूज व्यूरो

अम्बेडकरनगर। गुरुवार को नगर में स्थित रमानाई राजकोष महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शोला भट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने बागी बंदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने माल्यार्पण द्वारा प्राचार्य का स्वागत किया। देश रंगीला गीत पर यशी एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दाखिलों का निर्वहन



किए। मुख्य शास्त्रा एवं शास्त्रा मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कौर्तमान स्थापित किया। क्रीड़ा प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्घोषण में खेलों का जीवन में महत्व विशेष पर महत्वपूर्ण टिप्पण दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते

हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है।

मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शोला भट्टाचार्य ने स्वस्थ शरीर के विभिन्न उपचार बताते हुए अत्यंत सारगर्भित आशीर्वाचन प्रदान किए। आयोजित प्रतियोगिताओं में 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम

स्थान -कान्या गुर्जर, द्वितीय स्थान- अंकिता वर्मा, तृतीय स्थान -रीना राजभर, लंबी कूद प्रतियोगिता में कान्या गुर्जर- प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा -द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान डिस्कस शो में प्रथम स्थान कान्या गुर्जर द्वितीय स्थान संजू चौहान तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा प्राप्त किया। डॉ विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम का गौरव पूर्ण संचालन किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ अतुल कुमार कर्नीजिया, चंद्रभान, प्रोफेसर अरुण कान्त डॉ पुनम, संगीता, डा अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, डॉ राजेश यादव, सीता पंडे, सुनीता सिंह, डॉ अजीत प्रताप सिंह, अनशेष नैदीनी च प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दिनांक : 22/12/2022

### खेल शारीरिक के साथ मानसिक विकास में भी मदद करता है : कृष्ण कुमार

अम्बेडकरनगर। रविवार को रविवारीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह गुरुवार को रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शोला भट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने बागी बंदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने माल्यार्पण द्वारा प्राचार्य का स्वागत किया। देश रंगीला गीत पर यशी एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दाखिलों का निर्वहन किया, मुख्य शास्त्रा एवं शास्त्रा मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कौर्तमान स्थापित किया। क्रीड़ा प्रभारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्घोषण में खेलों का जीवन में महत्व विशेष पर महत्वपूर्ण टिप्पण दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और



दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शोला भट्टाचार्य ने स्वस्थ शरीर के विभिन्न उपचार बताते हुए अत्यंत सारगर्भित आशीर्वाचन प्रदान किए। आयोजित प्रतियोगिताओं में

200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कान्या गुर्जर, द्वितीय स्थान अंकिता वर्मा, तृतीय स्थान रीना राजभर, लंबी कूद प्रतियोगिता में कान्या गुर्जर प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान डिस्कस शो में प्रथम स्थान कान्या गुर्जर द्वितीय स्थान संजू चौहान तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा प्राप्त किया। डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम का गौरव पूर्ण संचालन

किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ अतुल कुमार कर्नीजिया, चंद्रभान, डा अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ भानु प्रताप राय, डॉ नंदन सिंह, डॉ राजेश यादव, सीता पंडे, सुनीता सिंह, डॉ अजीत प्रताप सिंह, अनशेष नैदीनी च प्रतिभागी उपस्थित रहे।

# रमाबाई राजकीय महाविद्यालय का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह प्रारंभ

गिरजा शंकर गुप्ता, रीडर्स मैसेंजर नोटवर्क

अंबेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अंबेडकर नगर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का 22 दिसम्बर को रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती शीला भट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने बाणी वदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य महोदय ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने

माल्यार्पण द्वारा प्राचार्य महोदय का स्वागत किया। देश रंगीला गीत पर यशी एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। क्रीड़ा प्रभारी श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं।

लगातार पहाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य ने स्वस्थ शरीर के विभिन्न उपचार बताते हुए अत्यंत सारगर्भित आशीर्वाचन प्रदान किए। आयोजित प्रतियोगिताओं में 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान -काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान- अंकिता वर्मा, तृतीय स्थान -रीना राजभर, लंबी कूद प्रतियोगिता में काव्या गुर्जर- प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा -द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर द्वितीय स्थान संजू चौहान तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा प्राप्त किया। डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम का गौरव पूर्ण संचालन किया।

## वायस ऑफ अमेठी

अमेठी, शुक्रवार 23 दिसम्बर 2022

## अम्बेडकरनगर

### रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह हुआ प्रारंभ

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अंबेडकर नगर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह आज दिनांक 22/12/2022 को रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती शीला भट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने बाणी वदना एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य महोदय ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने



ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। क्रीड़ा प्रभारी श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अध्यक्षीय उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं।

लगातार पहाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य ने स्वस्थ शरीर के विभिन्न उपचार बताते हुए अत्यंत सारगर्भित आशीर्वाचन प्रदान किए। आयोजित प्रतियोगिताओं में 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान -काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान- अंकिता वर्मा, तृतीय स्थान -रीना राजभर, लंबी कूद प्रतियोगिता में काव्या गुर्जर- प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा -द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर द्वितीय स्थान संजू चौहान तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा प्राप्त किया। डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम का गौरव पूर्ण संचालन किया।

अमेठी, शुक्रवार 23 दिसम्बर 2022

अमेठी, शुक्रवार 23 दिसम्बर 2022

अमेठी, शुक्रवार 23 दिसम्बर 2022

# प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर किया माल्यार्पण

रमाकांत पांडे झूरो पीप बेनकाब भ्रष्टाचार

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अंबेडकर नगर का 24 वां वार्षिक ज्रीड़ा समारोह रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला ज्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया।

प्रोफेसर सुभा ने माल्यार्पण द्वारा प्राथम्य का स्वागत किया। देश रबीला नीत पर यही एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया। मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। ज्रीड़ा प्रमारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अख्यतीव उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्पण दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने

के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है। मुख्य अतिथि जिला ज्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य ने स्वस्थ शरीर के विभिन्न उपचार बताते हुए अख्यतीव स्वरगमित आशीर्षक प्रदान किए। आयोजित प्रतिस्पर्धियों में 200 मीटर चौड़ा प्रतिस्पर्धियों में प्रथम स्थान - काव्य नुर्जर, द्वितीय स्थान - अंकित वर्मा तृतीय स्थान - रीना राजभर, लंबी कूद प्रतिस्पर्धियों में काव्य नुर्जर - प्रथम स्थान, अंकित वर्मा - द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान द्विस्त जो में प्रथम स्थान काव्य नुर्जर द्वितीय स्थान संजू चौहान तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा प्राप्त किया। डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम का गौरव पूर्ण संबोधन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय



डॉ. प्रोफेसर प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर राहुलप्रसेन लखीन वर्मा प्रोफेसर सुभा, स्त्री शा उपकल्प, डॉ. अशुत कुमार पन्नाशिया, चंद्रमान, प्रोफेसर अरुण चर्त डॉ. पूनमसोनी, डॉ. अश्विनेंद्र प्रहल मिश्र, डॉ. मानु प्रताप राय, डॉ. मदन सिंह, डॉ. राजेश खदक, शीला पांडे, सुनीता सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह अशोक नैदी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

## जल निगम विभाग की गलती से ग्रामीण परेशान

रमाकांत पांडे झूरो पीप बेनकाब भ्रष्टाचार



3
शुक्रवार, 23 दिसम्बर 2022
अमेठी/सुलतानपुर/आसपास
फै

# रमाबाई राजकीय महाविद्यालय स्नातकोत्तर का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया

## छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया

**पंकज कुमार वर्मा**  
फैजाबाद की आवाज

अंबेडकरनगर। एकदम उत्कृष्ट प्रतिभा प्रदर्शकों पर विचार अकबरपुर का 24 वां वार्षिक ज्रीड़ा समारोह रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला ज्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया।

प्रोफेसर सुभा ने माल्यार्पण द्वारा प्राथम्य का स्वागत किया। देश रबीला नीत पर यही एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया। मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। ज्रीड़ा प्रमारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अख्यतीव उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्पण दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने

रमाकांत पांडे झूरो पीप बेनकाब भ्रष्टाचार

प्रोफेसर सुभा ने माल्यार्पण द्वारा प्राथम्य का स्वागत किया। देश रबीला नीत पर यही एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया। मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। ज्रीड़ा प्रमारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अख्यतीव उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्पण दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने

प्रोफेसर सुभा ने माल्यार्पण द्वारा प्राथम्य का स्वागत किया। देश रबीला नीत पर यही एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया। मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। ज्रीड़ा प्रमारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अख्यतीव उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्पण दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने

प्रोफेसर सुभा ने माल्यार्पण द्वारा प्राथम्य का स्वागत किया। देश रबीला नीत पर यही एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया। मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। ज्रीड़ा प्रमारी कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अख्यतीव उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्पण दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने

## 200 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर का 24वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह आयोजित हुआ। गुरुवार को हुए रंगारंग कार्यक्रम वाले समारोह को मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य रहीं। प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह की अध्यक्षता में हुए समारोह में छात्राओं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

आयोजित प्रतियोगिताओं के 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान अकिता वर्मा व तृतीय स्थान रीना राजभर ने प्राप्त किया। लम्बी कूद प्रतियोगिता में काव्या गुर्जर प्रथम, अकिता वर्मा द्वितीय संजू चौहान तृतीय स्थान पर रहीं।



रमाबाई पौड़ी कालेज में जिला क्रीड़ा अधिकारी को सम्मानित करती प्राचार्य।

डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान संजू चौहान और तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा ने प्राप्त किया। संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने किया

व प्रो. अरविंद कुमार वर्मा, प्रो. शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा, प्रो. सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ. अतुल कुमार कनौजिया, चंद्रभान, प्रो. अरुण कांत मौजूद रहे।

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया 24 वां क्रीड़ा समारोह

अम्बेडकरनगर 23 दिसम्बर (भिनोट।सं०)। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह आज दिनांक 22 / 12 / 2022 को रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी श्रीमती शीला भट्टाचार्य एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने वाणी बदन एवं स्वागत गान प्रस्तुत किया। प्राचार्य महोदय ने स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ

भेंट कर मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। प्रोफेसर सुधा ने माल्यार्पण द्वारा प्राचार्य महोदय का स्वागत किया। देश रंगीला गीत पर यशी एवं उनकी टीम ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। विभिन्न समितियों ने अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन किया मुख्य शास्ता एवं शास्ता मंडल के सदस्यों ने अनुशासन व्यवस्था में कीर्तिमान स्थापित किया। क्रीड़ा प्रभारी श्री कृष्ण कुमार विश्वकर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने अक्षयीय उद्बोधन में खेलों का जीवन में महत्व विषय पर महत्वपूर्ण टिप्स दिए। साथ ही

उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल कई प्रकार के होते हैं, जो हमारे शारीरिक के साथ मानसिक विकास में मदद करते हैं। लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति होती है।

मुख्य अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य ने स्वस्थ शरीर के विभिन्न उपचार बताते हुए अत्यंत सारगर्भित आशीर्वाचन प्रदान किए। आयोजित प्रतियोगिताओं में 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान अकिता वर्मा, तृतीय स्थान रीना राजभर, लंबी कूद प्रतियोगिता में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान अकिता वर्मा

द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर द्वितीय स्थान संजू चौहान तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा प्राप्त किया। डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी ने कार्यक्रम का गौरव पूर्ण संचालन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा प्रोफेसर सुधा, सतीश उपाध्याय, डॉ. अतुल कुमार कनौजिया, चंद्रभान, प्रोफेसर अरुण कांत डॉ. पूनम, संगीता, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. राजेश यादव, सीता पांडे, सुनीता सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अवधेश नंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

### जल निगम विभाग की



## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का हुआ समापन

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आज समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्वचन प्रदान किए। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद के अद्वितीय महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्फूर्त, चुरत और त्वरित रखता है। खेल वह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को आवश्यक कर दिया गया है। अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलजगत में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके साथ ही मानसिक विकास भी होता है। क्रीड़ा प्रमारी के. विश्वकर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य महोदया का अभिनंदन किया। 24 वे वार्षिक

खेलकूद प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की काव्या गुर्जर ने चौपिनशिप तथा कुमारी अकिता वर्मा ने उपविजेता का खिताब जीता। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन आयोजित भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा तथा तृतीय

साइकिल रेस प्रतियोगिता में सपना मिश्रा प्रथम, अंशिका द्वितीय स्थान, रस्सा-कसी की विजेता बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएं रही। रिले रेस में प्रथम स्थान पर संजू चौहान, ब्यूटी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता



स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान रोबू, 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा अकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अकिता यादव तृतीय स्थान, स्लो

झापन के.के. विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा प्रोफेसर सुधा बी. प्रिया, सतीश उपाध्याय, डॉ. अतुल कुमार कर्नाजिया, चंद्रमान, प्रोफेसर अरुण कांत डॉ. पूनम संगीता, डा. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. राजेश यादव, सीता पांडे, सुनीता सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अक्षेश नंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कृतज्ञता मंडल भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता की विजेता मंगलिका

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के 24वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का हुआ समापन

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर के 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आज समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्वचन प्रदान किए। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद के अद्वितीय महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्फूर्त, चुरत और त्वरित रखता है। खेल वह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए



खेल को आवश्यक कर दिया गया है। अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलजगत में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके साथ ही मानसिक विकास भी होता है। क्रीड़ा प्रमारी के. विश्वकर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य महोदया का

अभिनंदन किया। 24 वे वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की काव्या गुर्जर ने चौपिनशिप तथा कुमारी अकिता वर्मा ने उपविजेता का खिताब जीता। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन आयोजित भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा

तथा तृतीय स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान रोबू, 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा अकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अकिता यादव तृतीय स्थान, स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिता में सपना मिश्रा प्रथम, अंशिका द्वितीय स्थान, रस्सा-कसी की विजेता बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएं रही।

# काव्या गुर्जर बनी चैंपियन, अंकिता वर्मा रहीं उपविजेता

अमृत विचार, अंबेडकरनगर

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का शुक्रवार समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्वाचन प्रदान किए। उन्होंने कहा कि खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्फूर्त, चुस्त और त्वरित रखता है। खेल वह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को आवश्यक कर दिया गया है। अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलजगत में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके साथ ही मानसिक विकास भी होता है। क्रीड़ा प्रभारी केके विश्वकर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य का अभिनंदन किया। 24 वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की काव्या गुर्जर ने चैंपियनशिप तथा कुमारी अंकिता वर्मा ने उपविजेता का खिताब जीता। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा,

प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा प्रोफेसर सुधा, श्री प्रिया, सतीश उपाध्याय, डॉ. अतुल कुमार कर्नौनिया, चंद्रभान, प्रोफेसर अरुण कांत, डॉ. पूनम, संगीता, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. राजेश यादव, सोला पांडे, सुनीता सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अवधेश नंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

## भाला प्रक्षेपण में काव्या रही अत्तल

वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन आयोजित भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और तृतीय स्थान शंभु, 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और अंकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अंकिता यादव तृतीय स्थान, स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिता में संध्या मिश्रा प्रथम, अशिका द्वितीय स्थान, रस्सा-कसी की विजेता वीए प्रथम वर्ष की छात्राएँ रहीं। रिले रेस में प्रथम स्थान पर संजू चौहान, झूटी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता ज्ञापन केके विश्वकर्मा द्वारा किया गया।



04

अम्बेडकर

ग्यालियार, तनिवार 24 दिसम्बर 2022

केसरिया हिंदुस्तान

# स्वस्थ शरीर और दिमाग को विकसित करने के लिए खेल महत्वपूर्ण :शेफाली सिंह

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह में रंगारंग कार्यक्रम

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान न्यू स्पूट अम्बेडकर नगर रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के 24 वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह शुक्रवार दिनांक 22/12/2022 को समापन कार्यक्रम के साथ प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि विश्व अंबेडकर अतिथि श्रीमती रीना राजभर एवं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने यह अवसर के चलते में दोन प्रसन्नता का स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने अपनी भाँदना एवं प्रकाश एवं प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा एवं तृतीय स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और अंकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अंकिता यादव तृतीय स्थान, स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिता में संध्या मिश्रा प्रथम, अशिका द्वितीय स्थान, रस्सा-कसी की विजेता वीए प्रथम वर्ष की छात्राएँ रहीं। रिले रेस में प्रथम स्थान पर संजू चौहान, झूटी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता ज्ञापन केके विश्वकर्मा द्वारा किया गया।



जोमान में प्रथम स्थान पर महाविद्यालय के छात्राओं ने प्रथम स्थान का खिताब जीता। रिले रेस में प्रथम स्थान पर संजू चौहान, झूटी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता ज्ञापन केके विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

स्वस्थ, अतिथि वर्मा -द्वितीय स्थान संजू चौहान ने तृतीय स्थान सुप्रिया वर्मा एवं तृतीय स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और अंकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अंकिता यादव तृतीय स्थान, स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिता में संध्या मिश्रा प्रथम, अशिका द्वितीय स्थान, रस्सा-कसी की विजेता वीए प्रथम वर्ष की छात्राएँ रहीं। रिले रेस में प्रथम स्थान पर संजू चौहान, झूटी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता ज्ञापन केके विश्वकर्मा द्वारा किया गया।

# क्रीड़ा समारोह का हुआ समापन

अम्बेडकर नगर। (खरी कसौटी ब्यूरो) रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आज समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्वाचन प्रदान किए। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद के अद्वितीय महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्फूर्त, चुस्त और त्वरित रखता है। खेल वह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को आवश्यक कर दिया गया है। अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलजगत में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके साथ ही मानसिक विकास भी

होता है। क्रीड़ा प्रभारी के.के. विश्वकर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य महोदया का अभिनंदन किया। 24 वे वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की काव्या गुर्जर ने चैंपियनशिप तथा कुमारी अंकिता वर्मा ने उपविजेता का खिताब जीता। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन आयोजित भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान शेषु, 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा अंकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान रही।

दिनांक : 24 / 12 / 2022 राष्ट्रीय जजमेंट

## दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह का हुआ समापन

राष्ट्रीय जजमेंट

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर का 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आज समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्वाचन प्रदान किए। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद के अद्वितीय महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्फूर्त, चुस्त और त्वरित रखता है।

खेल वह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को आवश्यक कर दिया गया है। अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलजगत में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके



साथ ही मानसिक विकास भी होता है। क्रीड़ा प्रभारी के.के. विश्वकर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य महोदया का अभिनंदन किया।

24 वे वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की काव्या गुर्जर ने चैंपियनशिप तथा कुमारी अंकिता वर्मा ने उपविजेता का खिताब जीता। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन आयोजित भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान

, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान शेषु, 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा अंकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अंकिता यादव तृतीय स्थान, स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिता में सपना मिश्रा प्रथम, अंशिका द्वितीय स्थान, रस्सा-कसी की विजेता बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएँ रही।

# काव्या बनीं ओवरऑल चैंपियन

## रमाबाई डिग्री कॉलेज में 24वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय 24वें वार्षिक क्रीड़ा समारोह का समापन हो गया। काव्या गुर्जर ओवरऑल चैंपियन रही जबकि अंकिता को दूसरा स्थान मिला। भाला फेंक में काव्या गुर्जर ने जीत दर्ज की जबकि सुप्रिया दूसरे स्थान पर रही। 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा ने संजु चौहान को पीछे छोड़ा। 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर पहले, संजु दूसरे स्थान पर रही। 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा जीती और संजु द्वितीय स्थान पर रही। ऊंची कूद में संजु चौहान विजयी रही जबकि अंकिता दूसरे स्थान पर। स्लो साइकिल रेस में सपना मिश्रा ने अंकिता को पीछा छोड़ा। रमाबाई में ओए प्रथम वर्ष की छात्राएँ विजयी रही। रिले रेस में संजु चौहान ने बाजी मारी।



रमाबाई डिग्री कॉलेज अम्बेडकरनगर में शुक्रवार को ऊंची कूद में भाग लेती छात्रा।

समापन पर काव्या गुर्जर ओवरऑल चैंपियन बनीं और अंकिता दूसरे स्थान पर रही। सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इससे पहले रमाबाई समारोह का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. शोसली सिंह ने किया। इस दौरान डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. साहित्य परचेज, डॉ. रवींद्र वर्मा, डॉ. अखिलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. सुष, डॉ. नंदन सिंह समेत कई मौजूद रहे।

### कबड्डी व खोखो में रेड हाउस को मिली जीत

अम्बेडकरनगर। शुभारंभ दिवस शकेत एकेडमी में आठ वें दिन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन कबड्डी व खोखो खेल का अलग प्रतियोगिता हुई। कबड्डी सीनियर वर्ग में रेड हाउस जबकि खोखो सीनियर वर्ग में रेड हाउस ने जीत दर्ज की। दूसरे दिन सीनियर वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता रेड हाउस व ब्लू हाउस के बीच हुई। दोनोंका मुकाबले में रेड हाउस ने जीत दर्ज की। रेड हाउस की जीत में मेडा, मुस्तफा व तेजी का योगदान महत्वपूर्ण रहा। सीनियर वर्ग की खोखो में रेड हाउस ने डीन हाउस को पराजित किया। रेड हाउस को ताप में रघुचंद्र, चंदन व अदर्श का विशेष योगदान रहा। अखीरन समिति में नुर्ही हाजि वर्मा ने अखीरन विजयवाली को अंतिम दिन जीतकर खलक वर्ग कबड्डी में सीनियर वर्ग की प्रतियोगिता होती। बाद में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसका अलावा संस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। इस दौरान प्रमुख अतिथि डॉ. अरविंद कुमार वर्मा, डॉ. अखिलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. सुष, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, डॉ. अवधेश नंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे। (संवाद)

# 24वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का समापन

विश्ववार्ता संवाददाता

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय के 24वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का शुक्रवार को समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिए। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद के अतिरिक्त महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्मूर्त, चुस्त और लचीला रखता है। खेल यह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-बॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को आवश्यक कर दिया गया है। अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलजगत में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके साथ ही मानसिक विकास भी होता है। क्रीड़ा प्रभावी के के विषयवर्गों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य महोदय का अभिनंदन किया। 24 वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की काव्या गुर्जर ने चैंपियनशिप तथा कुमारी अंकिता वर्मा ने उपविजेता का खिताब



जीता। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन अखीरन बालक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान संजु चौहान, 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजु चौहान द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान संजु, 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजु चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजु चौहान द्वितीय स्थान तथा अंकिता यादव तृतीय स्थान, ऊंची कूद प्रतियोगिता में संजु चौहान प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अंकिता यादव तृतीय स्थान, स्लो साइकिल रेस प्रतियोगिता में सपना मिश्रा प्रथम, अंकिता द्वितीय स्थान, रसा-

कसी की विजेल बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएँ रही। रिले रेस में प्रथम स्थान पर संजु चौहान, रघुवी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता ज्ञापन के.के. विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परचेज, रघुवी वर्मा प्रोफेसर सुधा, बी.प्रिया, सतीश उपाध्याय, डॉ. अनुज कुमार कर्नौजिया, चंद्रभान, प्रोफेसर अरुण कांत डॉ. पूनम, संगीता, डा. अखिलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. राजेश यादव, सीता पांडे, सुनीता सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अवधेश नंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

## चौबीसवाँ वार्षिक क्रीड़ा समारोह का हुआ समापन



स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकर नगर-रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के 24 वॉ वार्षिक क्रीड़ा समारोह का शनिवार को समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्वाचन प्रदान किया। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद के अद्वितीय महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्फूर्त, चुस्त और त्वरित रखता है। खेल वह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को आवश्यक कर दिया गया है। अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलनगरी में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके साथ ही मानसिक विकास भी होता है। क्रीड़ा प्रभारी के.के. विश्वकर्मा ने स्मृति चिन्ह भेंट कर प्राचार्य महोदया का अभिनंदन किया। 24 वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की काव्या गुर्जर ने चौथिनशिप तथा कुमारी अकिता वर्मा ने उर्विजेता का खिताब जीता। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे दिन आयोजित भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता में प्रथम

स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान संजू चौहान, 400 मीटर दौड़ में अकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान शोबु, 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजभर तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजू चौहान द्वितीय स्थान तथा अकिता वर्मा तृतीय स्थान, अचंकी कूद प्रतियोगिता में संजू चौहान प्रथम स्थान, अकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अकिता वर्मा तृतीय स्थान, स्नो साइकिल रेस प्रतियोगिता में सपना मिश्रा प्रथम, अशिक्षा द्वितीय स्थान, रस्सा-कमी की विजेता बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्राएँ रहीं। रिले रेस में प्रथम स्थान पर संजू चौहान, ब्यूटी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता ज्ञापन के.के. विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शशिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा प्रोफेसर सुधा, बी.प्रिया, सतीश उपाध्याय, डॉ. अतुल कुमार कनौजिया, चंद्रभानु, प्रोफेसर अरुण कांत डॉ. पूनम, संगीता, डॉ. अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. भानु प्रताप राय, डॉ. नंदन सिंह, डॉ. राजेश यादव, सीता पांडे, सुनीता सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अवधेश नंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

# रमाबाई राजकीय महिला अंबेडकर नगर के 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का समापन

रमाबाई गांठे व्यूरो चीफ  
बेनकाब भ्रष्टाचार

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अंबेडकर नगर के 24 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह का आज समापन हुआ। दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा समारोह के समापन के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य एवं मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को आशीर्षक प्रदान किए। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए खेलकूद के अतिरिक्त महत्व पर बिसतृत रूप से प्रकाश डाला। खेल हमारे शरीर को स्वस्थ, स्फूर्त, घुस्त और तबरीत रखता है। खेल वह प्रक्रिया है जो हमें तनाव से मुक्ति देकर मन को शांत करता है। स्कूल-कॉलेजों में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल को आवश्यक बना दिया गया है। अच्छे मौसल वाले



खिलाड़ी देश का नाम बढ़ाते हैं और खेलजगत में भविष्य बनाते हैं। खेल खेलने से हमारा शारीरिक विकास होता है और इसके साथ ही मानसिक विकारा भी होता है। क्रीड़ा प्रतियोगिता के के. विश्वकर्मा ने स्मृति चिन्ह बंट कर प्रचार्य महोदया को अभिनंदन किया। 24 वें वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में बेकॉम प्रथम वर्ष की काव्य गुर्जर ने चैरिजनिश्चि तथा कुमारी अंकिता वर्मा ने उपविजेता का खिताब जेत। वार्षिक क्रीड़ा समारोह के दूसरे

दिन आदोजित भाला प्रक्षेपण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान काव्या गुर्जर, द्वितीय स्थान सुप्रिया वर्मा तथा तृतीय स्थान संजु चौहान, 400 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजु चौहान द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान शैलु 100 मीटर दौड़ में काव्या गुर्जर प्रथम स्थान, संजु चौहान द्वितीय स्थान और रीना राजार तृतीय स्थान, 800 मीटर दौड़ में अंकिता वर्मा प्रथम स्थान, संजु चौहान द्वितीय स्थान तथा अंकिता पादव तृतीय स्थान, उन्नीस

कूद प्रतियोगिता में संजु चौहान प्रथम स्थान, अंकिता वर्मा द्वितीय स्थान, अंकिता शारद तृतीय स्थान, रवी शर्मा किल रस प्रतियोगिता में रमणा मिश्रा प्रथम, जशिका द्वितीय स्थान, सररा-करी की विजेता बी. ए. प्रथम वर्ष की छात्राएं रही। रिले रस में प्रथम स्थान पर संजु चौहान, ब्यूटी वर्मा, सलमा और मान्या की टीम रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ द्विवेदी एवं कृतज्ञता ज्ञापन केके. विजयवर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, प्रोफेसर शाहिद परवेज, रवीन्द्र वर्मा, मेहेतर सुभा, बी. प्रिया, सतीश अकबर, डॉ. जतुल कुमार कर्नाटिया, भंडारन, प्रोफेसर अलग कर्मा डॉ. नूनसंजीव, डॉ. अजितेंद्र जगजित सिंह, डॉ. मनुप्रताप तप, डॉ. मनन सिंह, डॉ. राधेश यादव, सीता पांडे, सुनिता सिंह, डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अशोक चंदिनी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

## रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

आदित्य टाइम्स संवाद  
अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अंबेडकरनगर में आज दिनांक 20 जनवरी 2023 को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

प्रतिमा पर मल्यार्पण कर किया। स फॉर प्लांट ब्रीडिंग जर्मनी ने शौधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन बैत्र में उसका उपयोग विषय पर व्याख्यान दिया। सभियों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक

आंचल में जन्मे भारत में डी. एन.ए. फिंगरप्रिंट के जनक कहे जाने वाले डॉ. लाल जी सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को आगे आने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्राओं को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ. विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रवींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।



कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की

स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ. सिंह ने छात्राओं को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गया के सुदूर ग्रामीण

## वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया संगोष्ठी का आयोजन

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकरनगर में आज दिनांक 20 जनवरी 2023 को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोभाली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। डा. फॉर प्लॉट ड्रीमिंग जर्मनी ने 'पौधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। सच्चिनियों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ. सिंह ने छात्राओं को कड़ी मेहनत करने व



शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गया के सुदूर ग्रामीण आंचल में जन्मे भारत में डी.एन.ए. फिंगरप्रिंट के जनक कहे जाने वाले डॉ. लाल जी सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को आगे आने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की

सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्राओं को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व भव्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ. विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रवींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।

दिनांक : 21/01/2023 भ्रष्टाचार ब्यूरो

### रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन

#### संयुक्त तत्वाधान

अम्बेडकरनगर। ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोभाली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। डॉ. फॉर प्लॉट ड्रीमिंग जर्मनी ने 'पौधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। सच्चिनियों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ. सिंह ने छात्राओं को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के

जिला गया के सुदूर ग्रामीण आंचल में जन्मे भारत में डी.एन.ए. फिंगरप्रिंट के जनक कहे जाने वाले डॉ. लाल जी सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को आगे आने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्राओं को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व भव्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ. विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रवींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।

हमारा आंगन-हमारे बच्चे अमियान से प्री प्राइमरी को मजबूत करने पर फोकस

## ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन



**फॉर प्लान्ट व्रीडिंग जर्मनी ने पौधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग विषय पर व्याख्यान**

**दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान यूरोप अपोध्या महादल ब्यूरो**

अम्बेडकर उपासनाभार्ड एनकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय जकरनपुर अमेडिस्तर में आज दिनांक 20 जनवरी 2023 को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। डा फॉर प्लान्ट व्रीडिंग जर्मनी ने 'पौधों में अर्धसूत्री

कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। सभियोंने की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ सिंह ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गण के सुदूर ग्रामीण अंचल में जन्मे भारत में डी.एन.ए. फिनसिप्रिट के जनक कहे जाने वाले डॉ कल ने डॉ के निदेशन में शोध कार्य पूर्ण करने वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों को आगे बढ़ने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्रों को पूरे मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रवींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित थीं।

दिनांक : 21/01/2023 खरी कसौटी

## रमाबाई महाविद्यालय में ऑनलाइन संगोष्ठी का किया गया आयोजन

**खरी कसौटी ब्यूरो**

अम्बेडकर नगर रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया।

फॉर प्लान्ट व्रीडिंग जर्मनी ने 'पौधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। सभियोंने की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ सिंह ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने

के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गण के सुदूर ग्रामीण अंचल में जन्मे भारत में डी.एन.ए. फिनसिप्रिट के जनक कहे जाने वाले डॉ लल जी सिंह के निदेशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों को आगे बढ़ने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्रों को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रवींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।



## महिला महाविद्यालय में हुई गोष्ठी



### लोक भारती न्यूज थ्युरो

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकरनगर में शुक्रवार को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरिथर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। डॉ फॉर प्लांट ब्रीडिंग जर्मनी ने श्पीधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग विषय पर व्याख्यान दिया। सब्जियों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ सिंह ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने व

शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गया के सुदूर ग्रामीण आंचल में जन्मे भारत में डॉ.एन.ए.फिंगरप्रिंट के जनक कहे जाने वाले डॉ लाल जी सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों को आगे आने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्रों को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रबींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।

## वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्ततत्वाधान में किया गया संगोष्ठी का आयोजन

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकरनगर में आज दिनांक 20 जनवरी 2023 को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरिथर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। डॉ फॉर प्लांट ब्रीडिंग जर्मनी ने श्पीधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग विषय पर व्याख्यान दिया। सब्जियों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ सिंह ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गया के सुदूर ग्रामीण आंचल में जन्मे भारत में डॉ. एन.ए.फिंगरप्रिंट के जनक कहे जाने वाले डॉ लाल जी सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्रों को आगे आने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्रों को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रबींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।



## ऑनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय जजमेंट अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में आज 20 जनवरी को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। ' फॉर प्लॉट ब्रीडिंग जर्मनी ने 'पौधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। सच्चिन्यों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ सिंह ने छात्राओं को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गया के सुदूर ग्रामीण आंचल में जन्मे भारत में डी.एन.ए.फिंगरप्रिंट के जनक कहे जाने वाले डॉ लाल जी सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

दिनांक : 21/01/2023 स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात

21 Jan 2023 - Page 2

## कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात

अम्बेडकरनगर-रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में शुक्रवार को ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। फॉर प्लॉट ब्रीडिंग जर्मनी ने 'पौधों में अर्धसूत्री कोशिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। सच्चिन्यों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ सिंह ने छात्राओं को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे

बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला गया के सुदूर ग्रामीण आंचल में जन्मे भारत में डी.एन.ए. फिंगरप्रिंट के जनक कहे जाने वाले डॉ लाल जी सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूर्ण करके वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को आगे आने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्राओं को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान प्रभारी डॉ विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रबींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।

**सुविचार -**

समय का उत्तम उपयोग करना सीखें क्योंकि विश्व के ज्यादातर सफल मनुष्यों ने इसी का प्रयोग किया है।

# आशा भारती

राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र

अंबेडकर नगर से प्रकाशित

शीर्षक कोड:- UPHIN50666



Friday, 20-01-2023

www.girjashankar85277@gmail.com

## कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आनलाइन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

आशा भारती संवाद

अंबेडकर नगर। रमावार्ड राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबेडकरनगर में आज दिनांक 20 जनवरी को आनलाइन संगोष्ठी का आयोजन कैरियर काउंसलिंग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफली सिंह ने संगोष्ठी का उद्घाटन सांस्कृतिक प्रतियोगिता पर माल्यार्पण कर किया। फॉर प्वांट ड्रीडिंग जर्नी ने 'पौधों में अर्धसूत्री वंशजिका विभाजन क्षेत्र में उसका उपयोग' विषय पर व्याख्यान दिया। सचिवों की नई प्रजातियां पैदा कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं। डॉ। सिंह ने छात्राओं को कड़ी मेहनत करने व शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बिहार के जिला तथा के सुदूर ग्रामीण भाग में जाने भारत में टी.एन.ए.किंगडॉम के जनक कहे जाने वाले डॉ। लाल जी सिंह के निदेशन में शोध कार्य पूर्ण करने वर्तमान में जर्मनी में पोस्ट डॉक्टोरल शोध कार्य करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को आगे आने के लिए विज्ञान में विशेष रुचि लेने की सलाह दी। महाविद्यालय की प्राचार्य ने छात्राओं को पूरी मेहनत व लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी का संबालन व श्रमवाद श्रमण वनस्पति विज्ञान प्रभावी डॉ। विजय प्रकाश सिंह ने किया। आयोजन में विशेष सहयोग रबींद्र कुमार वर्मा ने प्रदान किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्राएं उपस्थित रहे।



रमावार्ड में आनलाइन संगोष्ठी का आयोजित हुआ... फादर फोटो

अख्येक भुनेख अंकन को पूर्ण करने के सम्बन्ध में बैठक अंबेडकर नगर जिलाधिकारी समुज्ज्वल पौल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में लेटरवी किलत प्रदत्त किये जाने हेतु दिनांक 31 जनवरी 2023 तक साधारणियों के ई-केवाईसी, बैंक खाते की आधार सीडिंग एवं अख्येक भुनेख अंकन को पूर्ण करने के सम्बन्ध में बैठक आयोजित किया। बैठक के दौरान उप कृषि निदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि दिनांक 16.01.2023 को जनपद के समस्त ग्रामों में ई-केवाईसी अर्पण भुनेख अंकन अर्पण एवं बैंक खाते के आधार सीडिंग से अख्येक कृषकों की सूची ग्राम पंचायत, प्राथमिक विद्यालयों में प्रस्थापित किया गया। ऐसे कृषकों को सूचित किया जाता है कि ई-केवाईसी, भुनेख अंकन एवं अपने खातों को आधार सीडिंग पूर्ण कर लिया जाय अन्यथा अर्पण होने पर उन्हें लेटरवी किलत का भुगतान प्राप्त नहीं होगा। बैठक के दौरान अवगत कराया गया कि दिनांक 20 एवं 21.01.2023 को जनपद के समस्त जनसेवा केन्द्रों एवं बैंकों में ई-केवाईसी करने तथा खातों को आधार सीडिंग एवं

एन-वीसीआई से लिंक करने हेतु विशेष अधिवेशन कराया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा एन सी एम को निर्देशित किया गया कि वह जनपद की समस्त बैंक शाखाओं के शाखा प्रबन्धकों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के अवरोध खातों की आधार सीडिंग एवं एन-वीसीआई से लिंक प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने हेतु अपने स्तर से निर्देशित करने का फट करें। जिन किसानों लाभार्थियों का आधार सीडिंग, एनपीसीआई लिंक, ई केवाई सी तथा भू अधिलेख अंकन नहीं हुआ है वे किसान अपने बैंक शाखा में जाकर एनपीसीआई तथा आधार सीडिंग का कार्य विशेष अधिवेशन के तहत 20 जनवरी तथा 21 जनवरी को संभव कराएं। ई-केवाईसी जनसेवा से तथा भुनेख अंकन सहयोग से कराना सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अनुसूधा जैन, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी पीयूष राय, जिला सुरक्षा अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

## प्रतियोगिता में छात्राओं की प्रतिभा सामने आई

समवेदकरनगर : रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सांस्कृतिक परिषद द्वारा दो दिनों में सांस्कृतिक प्रतियोगिता हुई। विविध कार्यक्रम में पहले दिन दीप सज्जा, रंगोली, नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दूसरे दिन एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य व समूह नृत्य आदि कार्यक्रमों हुए। दीप सज्जा प्रतियोगिता में प्रियल गुप्ता ने प्रथम, जूही ने द्वितीय तथा सुप्रिया चर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।



रमाबाई तर्केश बॉयल अकादमीर महाविद्यालय में सांस्कृतिक प्रतियोगिता के दौरान नृत्य करती छात्राएँ। - जागरण

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निधि अश्वरत्ना अग्रवाल, मसिमा के रूप में मिला। दूसरा स्थान शोभा शालू और अंजू भारती के समूह को मिला। वहीं जूही, निदा फातिमा एवं अंजू के समूह ने रंगोली प्रतियोगिता में तीसरा स्थान अर्जित किया। नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान यशी समूह, मान्या समूह ने द्वितीय स्थान तथा निधि समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता प्रोफेसर शोफाली सिंह के नेतृत्व व डा. सीमा खदक के संयोजन में हुई। प्रथम दिवस पर डा. मनोज गुप्त, डा. अश्विनी प्रताप सिंह, डा. कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, रविंद्र वर्मा एवं डा. विजय प्रकाश सिंह ने निर्णायक

की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के दूसरे दिन आयोजित एकल गायन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान क्रमशः शिखा त्रिपाठी, मधुवी सिंह और सोनी रहीं। समूह गायन में प्रथम स्थान शिवेदी बहनों करपा तथा करिष्ठा शिवेदी ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान पर स्वाति एवं प्रियल रहीं। खुरी व प्रतिभा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर यशी सैनी, द्वितीय स्थान पर सुचंगी चतुर्वेदी तथा तृतीय स्थान पर निधि रहीं। समूह नृत्य प्रतियोगिता में यशी सैनी समूह ने विजेता व निधि समूह ने उपविजेता का पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन प्रोफेसर विश्वनाथ शिवेदी, डा. पूनम,

डा. मनोज गुप्त, डा. विजय प्रकाश सिंह, डा. सुनीता सिंह, प्रोफेसर सुष, प्रोफेसर अरुणकांत गौतम, डा. अनुराग कर्नहिया, डा. चंद्रभानु, डा. सतीश कुमार उपाध्याय ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई।

यहां महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, छात्राई तथा कर्मचारीयण उपस्थित रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य ने प्रतिभागी छात्राओं व महाविद्यालय की अन्य छात्राओं का उत्सहवर्धन किया। प्रतियोगिता के समापन पर सांस्कृतिक परिषद की प्रभारी डा. सीमा खदक ने सांस्कृतिक परिषद के सदस्यों डा. नंदन सिंह, डा. संगीता, वल्लोत्तमा शिवा, सीता पांडेय, डा. धनुप्रताप राय का धन्यवाद जताया।

## + दीप सज्जा में प्रियल अक्वल जूही का दूसरा स्थान रहा

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में दो दिवसीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। शुभारंभ प्राचार्य प्रो. शोफाली सिंह ने दीप प्रज्वलन से किया।

पहले दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इसमें दीप सज्जा, रंगोली, एवं नाटक प्रतियोगिता शामिल रहा। दीप सज्जा में प्रियल गुप्ता प्रथम, जूही द्वितीय तथा सुप्रिया चर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। इसी तरह रंगोली में आकांक्षा, अक्षया व यशिका के ग्रुप ने प्राप्त किया। जबकि दूसरा स्थान संध्या,

- दो दिवसीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ
- पहले दिन कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

शालू और अंजू भारती के समूह ने प्राप्त किया।

वहीं जूही, निदा फातिमा तथा अंजू के समूह ने रंगोली प्रतियोगिता में तीसरा स्थान अर्जित किया। प्रथम दिवस पर आयोजित नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान यशी सैनी समूह ने द्वितीय स्थान मान्या समूह ने तथा निधि समूह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

# सेवाभाव से महान बनता है व्यक्ति: प्रो शेफाली सिंह

आदित्य टाइम्स संवाद  
अंबेडकर नगर रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री दुखराम कर्नौजिया, ग्राम प्रधान अफजलपुर ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह ने उद्घोषण में कहा कि इस तरह के विशेष शिविर के माध्यम से छात्रों में सेवा भाव का विकास होता है। सेवा भाव व्यक्ति को महान बनाती है और मानव कल्याण

की तरफ अग्रसर करती है साथ ही उन्होंने कहा किना सेवा भाव के हम संपूर्णता प्राप्त नहीं कर सकते। छात्रों पर मनोयोग से  
सातदिवसीय शिविर पूरा कर राष्ट्र सेवा का संकल्प ले इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि

ग्राम प्रधान दुखराम कर्नौजिया ने अपने गरिमामयी उद्घोषण से शिविरार्थी छात्रों का उत्साहवर्धन किया और  
सातदिवसीय शिविर पूरा कर राष्ट्र सेवा का संकल्प ले इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ भानु प्रताप राय ने शिविर की रूपरेखा बतते हुए कहा कि इकाई प्रथम की इकाई ग्राम भवन नासिरपुर तथा इकाई दो की छात्रों सुइारी में जनजागरण, स्वच्छता, साक्षरता, मतदाता जागरूकता, भ्रमदान, पर्यावरण संरक्षण एवं रा.से.यो. के प्रमुख लक्ष्यों एवं कार्यों की संपादन करेगी। साथ ही द्वितीय सत्र में बौद्धिक संगोष्ठी एवं तृतीय सत्र में शिविरार्थी छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होने उद्घाटन सत्र का संघालन

व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अतिथि डॉ सीमा यादव ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ राजेश कुमार यादव, मुख्य शास्ता प्रो. अरविंद कुमार वर्मा, प्रो. शाहिद परवेज, डॉ मनोज गुप्ता, प्रो. सुधा, प्रो. अरुणकांत गौतम, डॉ. राजेश यादव, डॉ पुनम, डॉ. नन्दन सिंह, संगीता, डॉ. अखिलेश प्रताप सिंह, वालेंटिना प्रिया, डॉ. अतुल कर्नौजिया, डॉ. महेंद्र यादव, डॉ कुंवर संजय भारती, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, श्री चंद्रधान, सीता पांडेय, श्रीमती विजय लक्ष्मी यादव, आदि मौजूद रहे।



दिनांक : 23/03/2023 अमर उजाला

# सेवाभाव से महान बनता है व्यक्ति : प्रो शेफाली सिंह



संवाददाता

अंबेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री दुखराम कर्नौजिया, ग्राम प्रधान अफजलपुर ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह ने उद्घोषण में कहा कि इस तरह के विशेष शिविर के माध्यम से छात्रों में सेवा की भावना का विकास होता है। सेवा भाव व्यक्ति को महान बनाती है और मानव कल्याण की तरफ अग्रसर करती है। साथ ही उन्होंने कहा किना सेवा भाव के हम संपूर्णता प्राप्त नहीं कर सकते। छात्रों पर मनोयोग से

सातदिवसीय शिविर पूरा कर राष्ट्र सेवा का संकल्प ले इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान दुखराम कर्नौजिया ने अपने गरिमामयी उद्घोषण से शिविरार्थी छात्रों का उत्साहवर्धन किया और सातदिवसीय विशेष शिविर को लक्ष्य पूरा करने का संकल्प दिया। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ भानु प्रताप राय ने शिविर की रूपरेखा बतते हुए कहा कि इकाई प्रथम की छात्रार्थी ग्राम भवन नासिरपुर तथा इकाई दो की छात्रार्थी सुइारी में जनजागरण, स्वच्छता, साक्षरता, मतदाता जागरूकता, भ्रमदान, पर्यावरण संरक्षण एवं रा.से.यो. के प्रमुख लक्ष्यों एवं कार्यों की संपादन करेगी। साथ ही द्वितीय सत्र में बौद्धिक संगोष्ठी

एवं तृतीय सत्र में शिविरार्थी छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उद्घाटन सत्र का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ राजेश कुमार यादव, मुख्य शास्ता प्रो. अरविंद कुमार वर्मा, प्रो. शाहिद परवेज, डॉ मनोज गुप्ता, प्रो. सुधा, प्रो. अरुणकांत गौतम, डॉ. राजेश यादव, डॉ पुनम, डॉ. नन्दन सिंह, संगीता, डॉ. अखिलेश प्रताप सिंह, वालेंटिना प्रिया, डॉ. अतुल कर्नौजिया, डॉ. महेंद्र यादव, डॉ कुंवर संजय भारती, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, श्री चंद्रधान, सीता पांडेय, श्रीमती विजय लक्ष्मी यादव, आदि मौजूद रहे।

# सेवाभाव से महान बनता है व्यक्ति : प्रो शेफाली सिंह ...



दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान यूथी अयोध्या मण्डलन अयोध्या

अध्यक्षक नगर (रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सार्वजनिक शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री दुखराम कर्नौड़िया, ग्राम प्रधान अकबरपुर ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्रचारणीक विधि ने उद्घोषण में कहा कि इस तरह के विशेष शिविर के माध्यम से छात्राओं में सेवा की भावना का विकास होता है। सेवा भाव व्यक्ति को महान बनाती है और मानव कल्याण की ताकत अक्षर करती है। साथ ही उन्होंने कहा कि सेवा भाव के हम संपूर्णता प्राप्त नहीं कर सकते। छात्राई पूर्ण मनोयोग से सार्वजनिक शिविर पूरा कर राष्ट्र सेवा का संकल्प ले। इस अवसर पर कबीर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान दुखराम कर्नौड़िया ने अपने संबोधन में शिविरवासी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और सार्वजनिक विशेष शिविर को लक्ष्य पूरा करने का संकल्प दिया।

रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. धनुष प्रसाद राय ने शिविर की रूपरेखा बताते हुए कहा कि प्रथम की छात्राई ग्राम अयोध्या नर्मिरपुर तथा इकाई दो की छात्राई सुइरी में जनजागरण, स्वच्छता, साक्षरता, सतृप्तता जागरूकता, अमरण, पर्यावरण संरक्षण एवं रा.से.पो. के प्रमुख लक्ष्य एवं कार्यों को संपादित करेगी। साथ ही द्वितीय सत्र में वैश्विक समोष्ठी एवं राष्ट्रीय सत्र में शिविरवासी छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उद्घाटन सत्र का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अतिथि डॉ. सीमा चट्टन ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश कुमार चट्टन, मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद कुमार वर्मा, प्रो. शशिंद पारीज, डॉ. मनीज गुज, प्रो. सुधा, प्रो. अरुणकान्त गौतम, डॉ. राजेश चट्टन, डॉ. पुनम, डॉ. नन्दन सिंह, संवेत, डॉ. अरिन्द प्रताप सिंह, कार्लेट्टा मिश्र, डॉ. अतुल कर्नौड़िया, डॉ. मोह चट्टन, डॉ. कुंवर संजय भारती, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, श्री चंद्रभानु, मीता पंडेय, सीमा चट्टन, लक्ष्मी चट्टन, अदि मौजूद रहे।

दिनांक : 23/03/2023 विश्ववार्ता

# सेवाभाव से महान बनता है व्यक्ति : शेफाली सिंह

विश्ववार्ता संवाददाता

अध्यक्षक नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सार्वजनिक शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि दुखराम कर्नौड़िया, ग्राम प्रधान अकबरपुर ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्रचारणीक विधि ने उद्घोषण में कहा कि इस तरह के विशेष शिविर के माध्यम से छात्राओं में सेवा की भावना का विकास होता है। सेवा भाव व्यक्ति को महान बनाती है और मानव कल्याण की ताकत अक्षर करती है। साथ ही उन्होंने कहा कि सेवा भाव के हम संपूर्णता प्राप्त नहीं कर सकते। छात्राई पूर्ण मनोयोग से सार्वजनिक शिविर पूरा कर राष्ट्र सेवा का संकल्प ले। इस अवसर पर कबीर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान दुखराम कर्नौड़िया ने अपने संबोधन में शिविरवासी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और सार्वजनिक विशेष शिविर को लक्ष्य पूरा करने का संकल्प दिया। रमाबाई



राजकीय महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. धनुष प्रसाद राय ने शिविर की रूपरेखा बताते हुए कहा कि प्रथम की छात्राई ग्राम अयोध्या नर्मिरपुर तथा इकाई दो की छात्राई सुइरी में जनजागरण, स्वच्छता, साक्षरता, सतृप्तता जागरूकता, अमरण, पर्यावरण संरक्षण एवं रा.से.पो. के प्रमुख लक्ष्य एवं कार्यों को संपादित करेगी। साथ ही द्वितीय सत्र में वैश्विक समोष्ठी एवं राष्ट्रीय सत्र में शिविरवासी छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उद्घाटन सत्र का

संचालन व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अतिथि डॉ. सीमा चट्टन ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेश कुमार चट्टन, मुख्य अतिथि प्रो. अरविंद कुमार वर्मा, प्रो. शशिंद पारीज, डॉ. मनीज गुज, प्रो. सुधा, प्रो. अरुणकान्त गौतम, डॉ. राजेश चट्टन, डॉ. पुनम, डॉ. नन्दन सिंह, संवेत, डॉ. अरिन्द प्रताप सिंह, कार्लेट्टा मिश्र, डॉ. अतुल कर्नौड़िया, डॉ. मोह चट्टन, डॉ. कुंवर संजय भारती, डॉ. विजय प्रकाश सिंह, चंद्रभानु, सीता पंडेय, विजय लक्ष्मी चट्टन, अदि मौजूद रहे।

## सेवाभाव से महान बनता है व्यक्ति : प्रो शेफाली सिंह

अम्बेडकर। नगररमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री दुखराम कन्नौजिया, ग्राम प्रधान अफजलपुर ने किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो शेफाली सिंह ने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के विशेष शिविर के माध्यम से छात्राओं में सेवा की भावना का विकास होता है। सेवा भाव व्यक्ति को महान बनाती है और मानव कल्याण की तरफ अग्रसर करती है साथ ही उन्होंने कहा बिना सेवा भाव के हम संपूर्णता प्राप्त नहीं कर सकते। छात्राएं पूरे मनोयोग से सातदिवसिय शिविर पूरा कर राष्ट्र सेवा का संकल्प लें। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान दुखराम कन्नौजिया ने अपने गरिमामयी उद्बोधन से शिविरार्थी छात्राओं का उत्साहवर्धन किया और सातदिवसिय विशेष शिविर को लक्ष्य पूरा करने का संबल दिया। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ भानु प्रताप राय ने शिविर की रूपरेखा बताते हुए कहा कि इकाई प्रथम की छात्रायें ग्राम बरवां नासिरपुर तथा इकाई दो की छात्राएं सुझारी में जनजागरण, स्वच्छता, साक्षरता, मतदाता जागरुकता, श्रमदान, पर्यावरण संरक्षण एवं रा.से.यो. के प्रमुख लक्ष्यों एवं कार्यों की संपादित करेगी। साथ ही द्वितीय सत्र में बौद्धिक संगोष्ठी एवं तृतीय सत्र में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उद्घाटन सत्र का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव ने किया।

## शिविरार्थियों ने गांव में सर्वेक्षण किया

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन प्रभारी व कार्यक्रम अधिकारी डॉ भानु प्रताप राय एवं डॉ सीमा यादव के निर्देशन में छात्राओं ने चयनित ग्रामों का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया।

घरों में पुरुष-महिलाओं व बच्चों की संख्या, उनकी साक्षरता की स्थिति, आय के साधन, स्वच्छता, पीने के पानी, सरकारी सुविधाओं, आवास, विद्युत के बारे में जानकारी प्राप्त की। दूसरे सत्र में बौद्धिक संगोष्ठी में ह्यलोकतांत्र: मतदाता जागरूकता एवं युवाइ विषय पर विजय लक्ष्मी यादव एवं चन्द्रमान ने अपने विचार प्रस्तुत किए। तृतीय सत्र में शाम को छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुत किए।

# छात्राओं द्वारा बरवां नासिरपुर एवं सुझरी गांव में पर्यावरण जागरूकता एवं जल संरक्षण अभियान

आदित्य टाइम्स संगठन अम्बेडकर नगर। महाविद्यालय में चल रहे एन.एस.एस. शिविर के तीसरे दिन सुझरार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव के निर्देशन में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा बरवां नासिरपुर एवं सुझरी गांव में पर्यावरण जागरूकता एवं जल संरक्षण अभियान चलाया गया। इसमें समस्त छात्राओं से आह्वान किया गया कि वे न सिर्फ शुद्ध पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक हो बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। छात्राओं ने बताया कि जागरूकता के अभाव पर ही

पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। छात्राओं ने लोगों से आग्रह किया कि न सिर्फ वे शुद्ध अपने घर व आसपास के क्षेत्र को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। जिस प्रकार से लगातार पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, वह जाने वाले समय के लिए बर्बादी बर्णितकारक है।



संरक्ष-सुभव रखें बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाए एवं वर्षा को जल का संरक्षण करें। जागरूकता को अभाव पर ही पर्यावरण को

प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। जिस प्रकार से लगातार पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, वह जाने वाले समय के लिए बर्बादी बर्णितकारक है। इससे पर्यावरण का क्षय होता है। आज के द्वितीय सत्र में शिवारारी विभागी (उप-निदेशक) एवं आचार्य श्रीकलश के नेतृत्व में महिला सेमिनार इन नंबर 1090 की पुस्तिक अधिकारियों की टीम ने छात्राओं को महिला सुझरार के विविध आयामों, बुद्धिकल परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे करें आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी

प्रदाया जा सकता है एवं जल की कमी को दूर किया जा सकता है। छात्राओं द्वारा छात्राओं को जागरूक करने हुए बताया गया कि वे सड़क पर या शक्ति में कुछ कनकट न करें। गन्ने की सुखी परती न जलाए। इससे पर्यावरण का क्षय होता है। आज के द्वितीय सत्र में शिवारारी विभागी (उप-निदेशक) एवं आचार्य श्रीकलश के नेतृत्व में महिला सेमिनार इन नंबर 1090 की पुस्तिक अधिकारियों की टीम ने छात्राओं को महिला सुझरार के विविध आयामों, बुद्धिकल परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे करें आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी

दी। साथ ही महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सुधा ने महिला सुझरार एवं स्वावलम्बन विषय पर अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा किए। छात्राओं से सामाजिक परतल पर होने वाले शोषण, अत्याचार आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं आज के समय में शोषण से कैसे बचें, स्वयं को कैसे सहाय बनाए आदि के बारे में छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। साप्ताहिकीय छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे।



**पर्यावरण व जल संरक्षण पर किया जागरूक**

अम्बेडकरनगर। महाविद्यालयों में एनासर्स विविध के आयोजन शुक्रवार को भी हुए। स्वर्दाई राजकीय पीजी कॉलेज अम्बेडकरपुर में विविध प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय व डॉ. सीमा यादव की देखरेख में छात्राओं ने नर्मदापुर में पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया। ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

अम्बेडकरपुर नगर के बीएनकेबी पीजी कॉलेज में विविध के डॉननें दिन छात्र सचिन, अनिरुद्ध लिखरी, रिनेश कुमार, धीरेंद्र प्रताप, अर्पित विरवकर्मा व छात्रा सलोनी सहा आदि ने महापान न करने के लिए लोगों का जनशुक्र किया। महापान से होने वाली हानियों की जानकारी दी। अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष अरविंद यादव व दिनेश वर्मा ने छात्र-छात्राओं को जागरूक किया।

देव इंद्रायती महाविद्यालय कटेहरी में प्रबंधक राना रणधीर सिंह ने समापन वीके पर विविध में मिली सीख को अपनाने की सलाह दी। कहा कि एनएसएस विविध छात्र-छात्राओं को सामाजिक सहभागिता का बोध कराता है। इस वीके पर शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। (नवाब)



**पर्यावरण जागरूकता एवं जल संरक्षण अभियान चलाया**

**दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान यूपी अयोध्या मण्डल खुरी**

अम्बेडकर नगर। महाविद्यालयों में चल रहे एन.एस.एस. विविध के वीके दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के निर्देशन में विविध छात्राओं द्वारा बरख नर्मदापुर एवं सुदहरी खंड में पर्यावरण जागरूकता एवं जल संरक्षण अभियान चलाया गया। इसमें समस्त छात्राओं से आग्रह किया गया कि वे न सिर्फें शुद्ध पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक हों बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। छात्राओं ने बताया कि जागरूकता के आधार पर ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। छात्राओं ने लोगों से अपील किया कि न सिर्फें वे शुद्ध अपने घर व अस्पताल के क्षेत्र को स्वच्छ-सुथरा रखें बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाने एवं वर्षों के जल का संरक्षण करें। जागरूकता के आधार पर ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है। जिस प्रकार से लगातार पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, वह आने वाले समय के लिए काफी हानिकारक है। इसका स्वास्थ्य पर प्रतिबल प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण को लेकर सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सभी के सहज सहयोग से ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है एवं जल की कमी को दूर किया जा सकता है। छात्राओं द्वारा छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि वे छात्रा घर व विविधों में कूड़ा कचरा न फैलें। गले की सूखी पत्तों न जलानें। इससे पर्यावरण को धम होता है। आज के द्वितीय सत्र में विविधों विविध (उप-विधि) एवं अन्ततः अन्ततः के नेतृत्व में महिला हेल्सवाहन संघ 1090 की पुलिस अधिकाओं की टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा के विविध अन्ततः, पुलिसकत परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे करे अदि विविधों पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सुरा ने महिला सुरक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग पर अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा किए। छात्राओं से व्यावहारिक धारातल पर होने वाले सौजन्य, अन्ततः अदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं आज के समय में सौजन्य से कैसे बचें, स्वयं को कैसे सुरक्षित बनाएं अदि के बारे में छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। संध्याकालीन तृतीय सत्र में विविधों छात्राओं द्वारा सौजन्यक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाये।

## रासेयो के तहत गांव में चलाया गया पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान

अंबेडकरनगर। महाविद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर के तीसरे दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के निर्देशन में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा बरवां नसिरपुर एवं सुहारी गांव में पर्यावरण जागरूकता एवं जल संरक्षण अभियान चलाया गया। इसमें समस्त ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि वे न सिर्फ खुद पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक हो बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। छात्राओं ने बताया कि जागरूकता के आधार पर ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। छात्राओं ने लोगों से आग्रह किया कि न सिर्फ वे खुद, अपने घर व आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखें बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाएं एवं वर्षा के जल का संरक्षण करें। जागरूकता के आधार पर ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है। जिस प्रकार से लगातार पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, वह आने वाले समय के लिए काफी हानिकारक है। इसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण को लेकर सभी को अपनी जिम्मेदारी

समझनी होगी। सभी के संयुक्त सहयोग से ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है एवं जल की कमी को दूर किया जा सकता है। छात्राओं द्वारा ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया गया कि वे सड़क पर या गलियों में कूड़ा-करकट न फेंकें। गन्ने की सूखी पत्ती न जलाएं। इससे पर्यावरण का क्षय होता है। शुक्रवार के द्वितीय सत्र में शिविरार्थी विभागी उप-निरीक्षक एवं आकाश शीवास्त्व के नेतृत्व में महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 की पुलिस अधिकारियों की टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा के विविध आयामों, मुश्किल परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे करें आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सुधा ने महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबन विषय पर अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा किए। छात्राओं से व्यावहारिक धरातल पर होने वाले शोषण, अत्याचार आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं आज के समय में शोषण से कैसे बचें, स्वयं को कैसे सक्षम बनाएं आदि के बारे में छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

दिनांक : 25 / 03 / 2023 शाह टाइम्स

## छात्राओं द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता अंबेडकर नगर। महाविद्यालय में चल रहे एनएसएस शिविर के तीसरे दिन शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के निर्देशन में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा बरवां नसिरपुर एवं सुहारी गांव में पर्यावरण जागरूकता एवं जल संरक्षण अभियान चलाया गया। इसमें समस्त ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि वे न सिर्फ खुद पर्यावरण एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक हों बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। छात्राओं ने बताया कि जागरूकता के आधार पर ही पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है। छात्राओं ने लोगों से आग्रह किया कि न सिर्फ वे खुद, अपने घर व आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखें बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अधिक से

अधिक संख्या में वृक्ष लगाएं एवं वर्षा के जल का संरक्षण करें। जागरूकता के आधार पर ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है। जिस प्रकार से लगातार पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, वह आने वाले समय के लिए काफी हानिकारक है।

इसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। पर्यावरण को लेकर सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सभी के संयुक्त सहयोग से ही पर्यावरण को दूषित होने से बचाया जा सकता है एवं जल की कमी को दूर किया जा सकता है। छात्राओं द्वारा ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया गया कि वे सड़क पर या गलियों में कूड़ा-करकट न फेंकें। गन्ने की सूखी पत्ती न जलाएं। इससे पर्यावरण का क्षय होता है। आज के द्वितीय सत्र में शिविरार्थी विभागी (उप-निरीक्षक) एवं आकाश शीवास्त्व के नेतृत्व में महिला

हेल्पलाइन नंबर 1090 की पुलिस अधिकारियों की टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा के विविध आयामों, मुश्किल परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे करें आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सुधा ने महिला सुरक्षा एवं स्वावलंबन विषय पर अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा किए। छात्राओं से व्यावहारिक धरातल पर होने वाले शोषण, अत्याचार आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं आज के समय में शोषण से कैसे बचें, स्वयं को कैसे सक्षम बनाएं आदि के बारे में छात्राओं को विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। संव्यवहारगत तृतीय सत्र में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

# नियमों के पालन करने से कम होंगे हादसे: एआरटीओ



खरी कसौटी ब्यूरो

अम्बेडकर नगर रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के चौथे दिन शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के निर्देशन में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा बरवां नासिरपुर एवं सुझरी गांव में साक्षरता अभियान चलाया गया। इसमें समस्त ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि वे न सिर्फ खुद साक्षर बनें बल्कि दूसरों को भी जागरूक करें। छात्राओं ने लोगों को हस्ताक्षर करना भी सिखाया। साथ ही शिविरार्थी छात्राओं मानवी, अंशिका, सुप्रिया, ज्योति, लक्ष्मी, आराधना आदि ने इस विषय पर नुक्कड़-नाटक प्रस्तुत कर लोगों

को जागरूक करने का भी प्रयास किया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अम्बेडकर नगर के एआरटीओ वी.डी.मिश्रा ने शिविरार्थी छात्राओं को यातायात के नियमों, सड़क सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारीयें प्रदान की।

उन्होंने बताया कि असावधानी एवं यातायात के नियमों का पालन न करने से ही सड़क दुर्घटनाओं में प्रत्येक वर्ष मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मुख्य शास्ता ने कहा कि सभी लोगों को और खासकर युवाओं को यातायात के नियमों का पालन करने की सबसे ज्यादा जरूरत है। संगोष्ठी का संचालन डा. सीमा यादव ने किया।

दिनांक : 26 / 03 / 2023 हिन्दुस्तान

## नियमों के पालन से कम होंगे हादसे: एआरटीओ

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के चौथे दिन शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव के निर्देशन में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा बरवां नासिरपुर एवं सुझरी गांव में साक्षरता अभियान चलाया गया। इसमें समस्त ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि वे न सिर्फ खुद साक्षर बनें बल्कि दूसरों को भी जागरूक करें। छात्राओं ने लोगों को हस्ताक्षर करना भी सिखाया। साथ ही शिविरार्थी छात्राओं मानवी, अंशिका, सुप्रिया, ज्योति, लक्ष्मी, आराधना आदि ने इस विषय पर नुक्कड़-नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक करने का भी प्रयास किया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के एआरटीओ वी.डी.मिश्रा ने शिविरार्थी छात्राओं को यातायात के नियमों, सड़क सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारीयें प्रदान की। उन्होंने बताया कि असावधानी एवं यातायात के नियमों का पालन न करने से ही सड़क दुर्घटनाओं में प्रत्येक वर्ष मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मुख्य शास्ता ने कहा कि सभी लोगों को और खासकर युवाओं को यातायात के नियमों का पालन करने की सबसे ज्यादा जरूरत है। संगोष्ठी का संचालन डा. सीमा यादव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। संध्याकालीन तृतीय सत्र में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे।

रु, रविवार, 26 मार्च 2023

7

## नियमों के पालन से कम होंगे हादसे: एआरटीओ

शाह टाइम्स संवाददाता अंबेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के चौथे दिन शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सीमा यादव के निर्देशन में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा बरवा नासिरपुर एवं सुड़ारी गांव में साक्षरता अभियान चलाया गया। इसमें समस्त ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि वे न सिर्फ खुद साक्षर बनें बल्कि दूसरों को भी जागरूक करें।

छात्राओं ने लोगों को हस्ताक्षर करना भी सिखाया। साथ ही शिविरार्थी छात्राओं मानवी, अंशिका, सुप्रिया, ज्योति, लक्ष्मी, आराधना आदि ने इस विषय पर नुक्कड़-नाटक प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक करने का भी प्रयास किया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा की

■ छात्राओं द्वारा बरवा नासिरपुर एवं सुड़ारी गांव में साक्षरता अभियान चलाया गया

अध्यक्षता में बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अम्बेडकर नगर के एआरटीओ वी.डी.मिश्रा ने शिविरार्थी छात्राओं को यातायात के नियमों, सड़क सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारियाँ प्रदान कीं। उन्होंने बताया कि असावधानी एवं यातायात के नियमों का पालन न करने से ही सड़क दुर्घटनाओं में प्रत्येक वर्ष मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मुख्य शास्ता ने कहा कि सभी लोगों को और खासकर युवाओं को यातायात के नियमों का पालन करने की सबसे ज्यादा जरूरत है। संगोष्ठी का संचालन डा.सीमा यादव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

# यातायात नियमों के पालन से कम होंगे हादसे : एआरटीओ

संवाददाता

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर अम्बेडकर नगर में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के चौथे दिन शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव के निर्देशन में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा बरवा नासिरपुर एवं सुडारी गांव में साक्षरता अभियान चलाया गया। इसमें समस्त ग्रामीणों से आह्वान किया गया कि वे न सिर्फ खुद साक्षर बनें बल्कि दूसरों को भी जागरूक करें। छात्राओं ने लोगों को हस्ताक्षर करना भी सिखाया। साथ ही शिविरार्थी छात्राओं मानवी, आशिका, सुप्रिया, ज्योति, लक्ष्मी, आराधना आदि ने इस विषय पर नुकड़-नाटक प्रस्तुत



कर लोगों को जागरूक करने का भी प्रयास किया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अम्बेडकर नगर के एआरटीओ ची.डी.मिश्रा ने शिविरार्थी छात्राओं को यातायात के नियमों, सड़क सुरक्षा आदि विषयों पर विस्तृत जानकारीयें प्रदान कीं। उन्होंने बताया कि असावधानी एवं यातायात के नियमों का पालन न करने से ही सड़क

दुर्घटनाओं में प्रत्येक वर्ष मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मुख्य शास्ता ने कहा कि सभी लोगों को और खासकर युवाओं को यातायात के नियमों का पालन करने की सबसे ज्यादा जरूरत है। संगोष्ठी का संचालन डा. सीमा यादव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। संभ्याकालीन तृतीय सत्र में शिविरार्थी छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे।

दिनांक : 27/03/2023 आदित्य टाइम्स

## हर रोग को अब तोड़ना है, योग से नाता जोड़ना है - डॉ. ज्योति प्रकाश

आदित्य टाइम्स संवाद

अम्बेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के चौथे दिन शिविरार्थी छात्राओं ने प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव की अगुवाई में बरवा नासिरपुर एवं सुडारी गांव में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही नारे लेखन का कार्य किया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. ज्योति प्रकाश ने आयुर्वेद और योगा से जुड़ी जानकारी शिविरार्थी छात्राओं को दी। उन्होंने बताया कि आयुर्वेद और योग स्वस्थ जीवन के लिए

अत्यंत आवश्यक है, योग से शरीर को निरोगी रखा जा सकता है। योग नर्वस सिस्टम को कंट्रोल करता है जिससे स्ट्रेस कम होता है। नर्वस शरीर के हर हिस्से को जोड़ती है इसलिए

अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शोफाली सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्राओं से योग को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। आज के तृतीय सत्र में



शरीर के सही संचालन के लिए इनका मजबूत होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि सकल जीवन का मूल मंत्र है विकल्परहित स्वास्थ्य और अखण्ड प्रचण्ड पुरुषार्थ। संगोष्ठी की

छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें वर्तमान समय की समस्याओं व मुद्दों पर आधारित जागरूकता से संबंधित नाटक एवं संगीत प्रस्तुत किये जायेंगे।

## योग स्वस्थ जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक: डॉ. ज्योति

शाह टाइम्स संवाददाता  
अंबेडकर नगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के पाँचवें दिन शिविरार्थी छात्राओं ने प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव की अगुवाई में बरवा नासिरपुर एवं सुदारी गांव में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही नारे व लेखन का कार्य किया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शोफाली सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बौद्धिक संगोष्ठी में मुख्य वक्ता डॉ. ज्योति प्रकाश ने आयुर्वेद और योगा से जुड़ी जानकारी शिविरार्थी छात्राओं को दी। योग नर्वस सिस्टम को कंट्रोल करता है जिससे स्ट्रेस कम होता है। नर्वस शरीर के हर हिस्से को जोड़ती हैं, इसलिए शरीर के सही संचालन के लिए इनका मजबूत होना जरूरी है। साथ ही उन्होंने बताया कि सफल जीवन का मूल मंत्र है विकल्परहित संकल्प और अखण्ड प्रचण्ड

पुरुषार्थ संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शोफाली सिंह ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला और छात्राओं से योग को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। आज के तृतीय सत्र में छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें वर्तमान समय की समस्याओं व मुद्दों पर आधारित जागरूकता से संबंधित नाटक एवं संगीत प्रस्तुत किए जाएंगे।

### सपा नेता ने किया शुभारंभ

सिद्धौर चाराबांकी। क्षेत्र के आलमपुर धर्मकांटे पर खुले ओम नलासेज का रविवार को समाजस. वी महेश प्रसाद यादव ने शुभारंभ किया। संस्था के संचालक सचिन पटेल ने बताया कि कम शुल्क में गुणात्मक शिक्षा देना संस्था का उद्देश्य है। संस्था प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराएंगे। इस मौके पर आरिफ जैदी रमेश यादव और दिनेश यादव समेत क्षेत्र के तमाम लोग मौजूद रहे।

## शिविरार्थियों ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबेडकरनगर। जिले के अलग-अलग महाविद्यालयों में शिविर को एनएसएस शिविर का आयोजन हुआ। इसमें शिविरार्थियों ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। गोष्ठी में विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श भी हुआ।

राज्य की ब्रह्मचारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजेमुल्तानपुर में एनएसएस शिविर के तीसरे दिन शिविरार्थियों ने माधवपुर, कस्तुरीपुर, धरौली, टड़क, देवगम सहित अन्य गांवों में जागरूकता अभियान चलाया। महिला बस्तियों में लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। ग्रामीणों को साफ-सफाई रखने, स्वच्छ पेयजल का प्रयोग करने को लेकर जागरूक करने की सलाह दी।

मुख्य अतिथि भाजपा नेता डॉ. संजय सिंह ने युवकों से राष्ट्र निर्माण में सहयोग का आह्वान किया। इस मौके पर प्रबंधक सुरेंद्रनाथ सिंह, उदयनाथ मिश्र, प्राचार्य अखिलेश सिंह मौजूद रहे।

रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर

महाविद्यालयों में एनएसएस शिविर का हुआ आयोजन

महाविद्यालय में एनएसएस शिविर के पांचवें दिन छात्राओं ने प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा यादव की अगुवाई में बरवा नासिरपुर एवं सुदारी गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। प्राचीणों को स्वच्छता का महत्व समझाया। बाद में प्राचार्य प्रो. शोफाली सिंह की अध्यक्षता में बौद्धिक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस मौके पर डॉ. ज्योति प्रकाश ने आयुर्वेद से जुड़ने के लाभ बताए।

सीमाती सत्यवती देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नालॉजी में शिविर के समापन मौके पर मुख्य वक्ता राकेश चंद्र तिवारी ने छात्र-छात्राओं को शिविर में मिली सीख को आत्मसात करने का आह्वान किया। छात्र पुष्पा, निखिलेश ने सरसवती बंदना, रिकी ने स्वगत गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर डॉ. सुधीर कुमार व डॉ. शिवमूर्ति कबीरिया अति मौजूद रहे।

## सभी अपने जीवन में अपनाएं स्वच्छता: प्रो. शेफाली

अम्बेडकरनगर। महाविद्यालयों की ओर से रासेयो शिविर का कार्यक्रम जारी है। मंगलवार को रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ वहीं लल्लन जी ब्रह्मचारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजेसुलतानपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के पाचवें दिन बच्चों ने लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रभारी डॉ. भानु प्रताप राय ने सात दिनों में हुई समस्त गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत कर उसे अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

लल्लन जी ब्रह्मचारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजेसुलतानपुर में पाचवें दिन बच्चों ने चयनित गांव मालपुर माधवपुर, भारौली और टंडवा देवराम में साफ-सफाई कर लोगों को बीमारियों के प्रति सतर्क रहने की जानकारी दी।

दिनांक : 09/04/2023 अमर उजाला

## साक्षात्कार के चंद घंटे पहले दिवंगत मां का सपना पूरा कर डीपीआरओ बनी श्रेया

अम्बेडकरनगर। एक कहावत काफी मशहूर है की यदि ऊपर वाला कुछ छीनता है तो कुछ बड़ा देता भी है। ऐसा ही कुछ हुआ बालिका श्रेया उपाध्याय के साथ परिवार जनों ने बिटिया



श्रेया उपाध्याय

को खूब पढ़ा लिखा कर अधिकारी बनाने का सपना भी देखा था और पूरा भी हुआ। लेकिन एक वाक्या ऐसा हुआ जो सबको हिलाकर रख दिया। गत 14 मार्च को श्रेया उपाध्याय का यूपी पीसीएस का साक्षात्कार था उसके चंद घंटे पहले 12 मार्च की राय श्रेया की मां अनीता देवी का स्वर्गवास हो गया। मां का दिवंगत होना बच्चों के लिए सबसे दुखदाई होता है लेकिन इतनी कठिन परिस्थितियों के बावजूद इन्ही दुख और आशुओ के सैलाब के बीच बिटिया श्रेया ने साक्षात्कार दिया। सफलता के लिए लोगो ने दुआए की, मां का सपना था की बेटी अधिकारी बने।

बेटी ने मां का सपना पूरा किया और यूपी पीसीएस के डीपीआरओ के पद पर चयनित होकर जिले का नाम रोशन कर दिया और मां के चित्र पर जाकर फूट फुट कर रोई और इसका श्रेय मां को समर्पित कर दिया। शहर में श्रेया के चयन की सूचना मिलते ही लोगो ने ईश्वर को धन्यवाद दिया। श्रेया उपाध्याय के पिता मोबाइल की दुकान चलाते हैं। तीन भाइयों के बीच श्रेया तीसरे नंबर पर है जो की बचपन से ही मेधावी है। इनकी शिक्षा दीक्षा सरस्वती शिशु मंदिर में हुई और उच्च शिक्षा रमाबाई महिला महाविद्यालय में हुई। श्रेया का का कहना है कि समाज की सेवा करना ही लक्ष्य है।

## रमाबाई महिला महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव आज

अम्बेडकरनगर। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर का वार्षिकोत्सव व पुस्तक

वितरण समारोह एवं शिक्षक अभिभावक समागम मंगलवार को होगा। यह जानकारी प्रो. शेफाली सिंह प्राचार्य ने दी है।

## समारोह में महाविद्यालय की छात्राएं पुरस्कृत हुईं

### वार्षिकोत्सव

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय अकबरपुर का वार्षिकोत्सव मनाया गया। साथ ही मंगलवार को शिक्षक-अभिभावक समागम भी हुआ। अध्यक्षता महाविद्यालय की संरक्षक व प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने किया। मुख्य अतिथि यूनिथन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक सौरभ कुमार रहे।

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व प्राचार्य ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर मालाधारण और दीप प्रज्वलन से किया। प्राचार्य ने कहा कि वार्षिकोत्सव से सभी विद्यार्थियों को नए उत्साह और प्रेरणा की अनुभूति होती है। वार्षिकोत्सव साल भर का लेखा-जोखा व उपलब्धियों का विवरण होता है तथा विशेष रुचि तथा कलात्मक प्रतिभा रखने वालों को भी

अपनी कलाएं और रुचियां प्रदर्शित करने का अवसर भी होता है। विद्यार्थियों की प्रतिभा, योग्यता और कार्यकुशलता के मूल्यांकन का दिन होता है। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित करने का मूल मंत्र दिया। वार्षिकोत्सव के प्रारंभ में छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया तथा समसामयिक विषयों पर नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे गायन, शौर्य गीत, लोकगीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में महाविद्यालय की पूर्व छात्रा श्रेया उपाध्याय को सम्मानित किया गया जिसने हाल ही में यूपीपीसीएस-2022 की परीक्षा में जिला पंचायती राज अधिकारी के पद पर चयनित हुई है एवं महाविद्यालय के साथ ही जनपद का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्राओं को विभागीय परिषदों में प्रतिभाग करने, सांस्कृतिक परिषद में प्रतिभाग करने,



पीसीएस में चयनित छात्रा को सम्मानित करती महाविद्यालय की प्राचार्य। • हिन्दुस्तान

अपनी कक्षा में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने, क्रीड़ा परिषद के विभिन्न खेलों में प्रतिभाग करने तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में एवं महत्वपूर्ण तिथियों पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध लेखन आदि परीक्षाओं में सर्वोत्तम अंक पाने पर पुरस्कृत किया गया। शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी पुरस्कार वितरण में प्रतिभाग किया।

संचालन प्रो. विश्वनाथ द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर प्रो. अरविंद वर्मा, प्रो. शाहिद परवेज, प्रो. अरुण कांत गौतम, डॉ. सीमा, रवींद्र वर्मा, डॉ. भानु प्रताप राव, सतीश कुमार उपाध्याय, सीता पांडेय, डॉ. सुनीता सिंह, विजय लक्ष्मी यादव, चंद्रमान, पी. प्रियंका, संगीता, डॉ. अर्जुन प्रताप सिंह, डॉ. मोंटू यादव आदि मौजूद रहे।



# युवाओं की स्थिति के बारे में जानकारी होना जरूरी: प्राचार्य

अम्बेडकरनगर, संवाददाता। रमाबाई राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अकबरपुर में सोमवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले 15 से 29 आयु वर्ग के औपचारिक शिक्षा या नियमित रोजगार में नहीं रहने वाले युवाओं का सर्वेक्षण विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। शुभारम्भ प्राचार्य प्रोफेसर शेफाली सिंह ने किया। कहा कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति युवा वर्ग में ही सन्निहित है।

प्राचार्य ने कहा कि युवाओं की वास्तविक स्थितियों के बारे में सटीक जानकारी व आंकड़ों का होना नितान्त

आवश्यक है। कहा कि सर्वेक्षण इस उद्देश्य को पूरा करने में कारगर साबित होगा। कार्यशाला में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ भानु प्रताप राय व कार्यक्रम अधिकारी डॉ सीमा यादव ने डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की ओर से प्रदान किए गए प्रपत्र को छात्राओं में वितरित किया गया। महाविद्यालय के मुख्य शास्ता प्रो. अरविंद कुमार वर्मा, प्रो. शाहिद परवेज़, प्रो. सुधा, डॉ नंदन सिंह, डॉ अखिलेन्द्र प्रताप सिंह के साथ छात्राएं उपस्थित रहीं।

## उच्च शिक्षा की छात्राओं को टैबलेट का उपहार

संसू अम्बेडकरनगर : उच्च शिक्षा हासिल करने में युवाओं के तकनीकी संसाधनों की जरूरतों को भिना मांगे शासन पूरा करने में जुट गया है। स्नातक तथा परास्नातक के विभिन्न विषयों में अंतिम वर्ष के छात्रों को सफलता के अगले सफर पर निकलने से पहले सरकार ने इनके हाथों में टैबलेट दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्यामसुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा तथा जिलाधिकारी अविनाश सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन ने सरकार की मुफ्त टैबलेट व स्मार्टफोन वितरण की महत्वाकांक्षी योजना छात्रों को लाभ दिया। यहां अध्यक्षनरत छात्रों के तकनीकी सशक्तिकरण के लिए टैबलेट एवं स्मार्टफोन वितरण समारोह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया।

जिला पंचायत अध्यक्ष, डीएम तथा स्वीडीओ ने रमाबाई राजकीय महिला महाविद्यालय में अध्यक्षनरत



कलेक्ट्रेट सभागार में टैबलेट के साथ मौजूद छात्राएं = जख्खन

गृह विज्ञान के 37 छात्रों, राजनीति शास्त्र के 15, समाजशास्त्र के 44 तथा आधुनिक मध्यकालीन इतिहास के 15 छात्राओं को टैबलेट वितरित करके सम्मानित किया। टैबलेट वितरण कार्यक्रम में छात्राओं से जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि टैबलेट से भविष्य बनेगा। नई दिशा मिलेगी। छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार निरंतर नई योजनाएं लाकर छात्रों का मार्ग प्रशस्त कर रही है। छात्रों को नई तकनीकों से जोड़ने का भी निरंतर सरकार द्वारा प्रयास

किया जा रहा है। इससे कि छात्र क्रमयाबी के शिखर पर पहुंचकर अपना परचम लहराए। डीएम ने कहा कि छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए सरकार टैबलेट वितरण कार्यक्रम किया जा रहा है। युवा योजना का लाभ लेकर अपने भविष्य को सवार सकते हैं। जिला प्रशासन निरंतर युवाओं को जागरूक करने के लिए प्रयासरत है। वहीं डीडीओ वीरेंद्र सिंह, एसडीएम पवन कुमार जायसवाल, डीआईओएस अवध किशोर सिंह मौजूद रहे।

# टैबलेट पाकर खिल उठे 111 छात्राओं को चेहरे



कलेक्ट्रेट सभागार में टैबलेट पाने के बाद खुशी का इन्कार करती छात्राएं। संवाद

## संवाद न्यूज एजेंसी

## कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ वितरण

अंबेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में नृसंस्मरण की समारोहपूर्वक रमाबाई पीपी कॉलेज अकबरपुर की 111 छात्राओं को टैबलेट बांटी गई। मुख्य अतिथि जिला प्रशासन अखण्ड साधू भगत चंडीराम अविनाश सिंह ने छात्राओं को टैबलेट वितरित करते हुए उनके स्वास्थ्य को अलावा ही। कहा कि सरकार छात्राओं को तकनीकी शिक्षा में सहायता बनाने के लिए यह पहल कर रही है।

विश्व, अखण्ड ने रमाबाई राजकीय महिला

गणविद्यालय अकबरपुर की परमेश्वर कक्षा के दूरविद्यार्थी विषय की 27, राजनीति शास्त्र विषय की 15, समाजशास्त्र विषय की 44 तथा आधुनिक यन्त्रशास्त्रीय इतिहास विषय की 25 छात्राओं को टैबलेट बांटी।

इसमें ने कहा कि तकनीकी युग में प्रज्ञा-साधकों के लिए योगदान कोन जागी उपलब्धी है। छात्राओं को टैबलेट का उपयोग अच्छे पढ़ाई के लिए करना चाहिए। उन्हें यह बड़े लाभकारी का समाधान मिल सकता है।